दैनिक

सांध्य प्रकाश

भोपाल की धड़कन

.वर्ष 54/ अंक 253/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10

संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल

■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, शुक्रवार 18 अप्रैल 2025 भोपाल से प्रकाशित

dainiksandhyaprakash.in

भगवद गीता और नाट्यशास्त्र यूनेस्को के मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर में शामिल, पीएम मोदी बोले- गर्व का क्षण

नई दिल्ली। भगवद गीता और भरत मुनि के नाट्यशास्त्र को यूनेस्को के मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर में शामिल किया गया। इसे लेकर पीएम मोदी ने खुशी जताई। उन्होंने इसे दुनिया भर में हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण कहा। केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने भी इस पर खुशी जताई।

पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा कि दुनिया भर में फैले हर भारतीय के लिए यह गर्व का क्षण है। यूनेस्को के मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर में गीता और नाट्यशास्त्र को शामिल किया जाना हमारी शाश्वत बुद्धिमत्ता और समृद्ध संस्कृति की वैश्विक मान्यता है। गीता और नाट्यशास्त्र ने सदियों से सभ्यता और चेतना का पोषण किया है। उनकी अंतर्दृष्टि दुनिया को प्रेरित करती रहती है। पीएम मोदी ने केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के एक्स पोस्ट को साझा किया।

केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने एक्स पर लिखा कि भारत की सभ्यतागत विरासत के लिए यह एक ऐतिहासिक क्षण है। श्रीमद्भगवद्गीता और भरत मुनि के नाट्यशास्त्र को यूनेस्को के मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर में शामिल किया गया है। यह वैश्विक सम्मान भारत के शाश्वत ज्ञान और कलात्मक प्रतिभा का जश्न मनाता है। भगवद् गीता एक प्रतिष्ठित धर्मग्रंथ और आध्यात्मिक मार्गदर्शक है। नाट्यशास्त्र, प्रदर्शन कलाओं पर एक प्राचीन ग्रंथ है। यह लंबे समय से भारत की बौद्धिक और सांस्कृतिक पहचान का प्रमुख स्तंभ है।

उन्होंने कहा कि ये कालातीत रचनाएं साहित्यिक खजाने से कहीं अधिक हैं। वे दार्शनिक और सौंदर्यवादी आधार हैं जिन्होंने भारत के विश्व दृष्टिकोण और हमारे सोचने, महसूस करने, जीने और अभिव्यक्त करने के तरीके को आकार दिया है। इसके साथ ही अब हमारे देश के 14 अभिलेख इस अंतरराष्ट्रीय रजिस्टर में शामिल हो गए हैं।

17 अप्रैल को यूनेस्को ने अपने मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर में 74 नए दस्तावेजी विरासत संग्रह जोड़े। इससे कुल अंकित संग्रहों की संख्या 570 हो गयी। इस रजिस्टर में 72 देशों और चार अंतरराष्ट्रीय संगठनों की वैज्ञानिक क्रांति, इतिहास में महिलाओं का योगदान तथा बहुपक्षवाद की प्रमुख उपलब्धियों पर प्रविष्टियां शामिल की गईं।

यूनेस्को का मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर विश्व के कई महत्वपूर्ण दस्तावेज धरोहरों की सूची है। इसमें दस्तावेजी धरोहरों को अंतरराष्ट्रीय सलाहकार समिति की सिफारिश और कार्यकारी बोर्ड की स्वीकृति से चुना जाता है। इस सूची में शामिल होना दस्तावेज़ी धरोहर के वैश्विक महत्व और सर्वकालिक मूल्य को सार्वजनिक रूप से स्वीकार करता है। इससे शोध, शिक्षा, मनोरंजन और संरक्षण को बढ़ावा मिलता है।

पीएम मोदी ने एलन मस्क से फोन पर टेक्नोलॉजी फील्ड में पार्टनरशिप पर चर्चा की

प्रधानमंत्री मोदी ने टेस्ला के मुखिया एलन मस्क से बातचीत की है। पीएम ने इस बारे में सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट के जरिए जानकारी दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने पोस्ट में बताया कि इस वर्ष की शुरुआत में वाशिंगटन डीसी में हमारी बैठक के दौरान शामिल किए गए विषयों सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। हमने प्रौद्योगिकी और नवाचार के क्षेत्रों में सहयोग की अपार संभावनाओं पर चर्चा की। भारत इन क्षेत्रों में अमेरिका के साथ अपनी साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। पीएम ने एक्स पर एक अन्य पोस्ट में गुरु तेग बहादुर जी के पावन प्रकाश पर्व पर उन्हें अपनी विनम्र श्रद्धांजलि भी अर्पित की। पीएम ने बताया कि उनका जीवन साहस और करुणामय सेवा का प्रतीक है। अन्याय के खिलाफ लड़ने में वे अडिग थे। उनकी शिक्षाएं हमें उनकी ओर से देखे गए समाज के निर्माण में प्रेरित करती रहेंगी।

वन संरक्षण और जलवायु समर्थ आजीविका पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला

हमने टाइगर रिजर्व व सेंचुरी बना दीः सीएम डॉ.यादव

पहले प्राकृतिक चीजों को इस्तेमाल होता, अब हर जगह कचराः केंद्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव

भोपाल। मध्यप्रदेश के जनजातीय क्षेत्रों में वन पुनर्स्थापना, जलवायु परिवर्तन और समुदाय-आधारित आजीविका जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव और केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने शुभारंभ किया। सीएम मोहन यादव बोले, हमने टाइगर रिजर्व बना दिए, सेंचुरी बना दी, अपने-अपने एरिया तय कर दिए। लेकिन जैसे ही ये एरिया तय हुए, सबसे पहले कहा गया, आबादियों को बाहर करो। यही इस पूरे संकट की जड़ है। सरकार के नाते अगर फॉरेस्ट की बात करें, तो उसकी अपनी एक सीमा और भूमिका है। लेकिन जब हम उसे आजीविका से जोड़ने की बात करते हैं, तो मामला थोड़ा उलझ जाता है।

केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि यह कार्यशाला मुख्यतः तीन विषयों पर केंद्रित है। पहला नीतिगत मुद्दों से संबंधित है, जिसमें फॉरेस्ट राइट्स एक्ट, वन नीति और जैव विविधता अधिनियम में प्रस्तावित बदलावों पर चर्चा की जा रही है। दूसरा संस्थागत निर्माण और उनके विकास कार्यक्रमों से जुड़ा है। इसमें ट्रिफेड सहित अन्य संबंधित योजनाओं को जोड़ा गया है। तीसरा और अंतिम भाग सफलता की कहानियों पर केंद्रित है, विशेष रूप से वन उपज के व्यवसायिक उपयोग को बढ़ाने पर। कार्यशाला का आयोजन वन विभाग ने किया है। जनजातीय कार्य मंत्री विजय शाह, महिला बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया, केंद्रीय राज्य मंत्री दुर्गादास उईके, खरगोन सांसद गजेंद्र सिंह पटेल भी इस मौके पर मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि हमारी पारंपरिक जीवनशैली, विशेषकर जनजातीय समाज की, प्रकृति के साथ समरसता का आदर्श उदाहरण रही है। पहले विवाह जैसे अवसरों में पत्तलों जैसी प्राकृतिक वस्तुओं का उपयोग होता था, लेकिन अब सभ्यता का स्वरूप ऐसा हो गया है कि हर जगह गार्बेज ही गार्बेज है, चाहे गांव हो।

टेक्नोलॉजी और संरक्षण साथ चलें

भूपेंद्र यादव ने कहा कि डिजास्टर किसी को देखकर नहीं आता, इसलिए भारत ने कोलिशन फॉर डिजास्टर रेसिलिएंट इंफ्रास्ट्रक्चर की पहल की है। उन्होंने बताया कि चाहे कोई ट्राइबल हो या नॉन-ट्राइबल, आज सभी को मोबाइल, गाड़ी और डिजिटल एक्सेस चाहिए यानी टेक्नोलॉजी सबके जीवन का हिस्सा बन चुकी है। इसीलिए सरकार इंडस्ट्रियल ट्रांजिशन को लेकर काम कर रही है, और ज्यादा कार्बन एमिट करने वाली इंडस्ट्रीज के लिए लीडरशिप फॉर इंडस्ट्रियल ट्रांसफॉर्मेशन अभियान चला रही है।

भारतीय ज्ञान परंपरा दे सकती समाधान

इस विषय की संवेदनाओं से जुड़कर हमें आज दिखाई दे रहा है कि जितनी भी नदियां हैं, वे प्रदूषित हो चुकी हैं। हवा प्रदूषित हो रही है। दिल्ली में जिस तरह का प्रदूषण है, आकाश तक प्रभावित हो गया है। खेत जहरीले हो चुके हैं। उत्तरी और दक्षिणी ध्रुव की बर्फ तेजी से पिघल रही है। समुद्र क्रोधित होते दिखाई दे रहे हैं। धरती का तापमान लगातार बढ़ रहा है। कई वन्य जीव विलुप्ति की कगार पर पहुंच चुके हैं। ऋतु चक्र अस्त-व्यस्त हो गया है। ऐसे संकट के दौर में भारतीय ज्ञान परंपरा, वन और जनजातीय समाज एक-दूसरे पर आश्रित हैं और यही परंपराएं हमें समाधान की दिशा दिखा सकती हैं।

प्रशासन अकादमी में हो रही है कार्यशाला

नरोन्हा प्रशासन अकादमी, भोपाल में आयोजित होने वाली कार्यशाला में विकसित भारत 2047 के लक्ष्यों में वनों की भूमिका पर मंथन हो रहा है। कार्यशाला में प्रदेश के जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने स्वागत भाषण दिया। दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला की रूपरेखा डॉ. राहुल मूंगी कर ने प्रस्तुत की। इस अवसर पर जनजातीय समुदाय और प्राकृतिक संरक्षण पर केंद्रित ऑडियो-विजुअल प्रस्तुति भी दी गई। राष्ट्रीय कार्यशाला के विभिन्न सत्रों में वन संरक्षण की वर्तमान कानूनी व्यवस्थाएं, उनकी सीमाएं और समाधान, जैव विविधता संशोधन अधिनियम-2023, सामुदायिक वन अधिकार, पारंपरिक ज्ञान का दस्तावेजीकरण और वन पुनर्स्थापन जैसे मुद्दों पर विस्तृत चर्चा होगी। बैंगलुरू से आ रहे प्रो. रमेश विशेषज्ञ वक्तव्य भी देंगे। कार्यशाला में डॉ. योगेश गोखले, डॉ. राजेन्द्र दहातोंडे आदि वक्ता विभिन्न सत्रों को संबोधित करेंगे।

समापन सत्र को राज्यपाल करेंगे संबोधित

राज्यपाल मंगुभाई पटेल राष्ट्रीय कार्य शाला के समापन-सत्र में मुख्य अतिथि होंगे। पूर्व राष्ट्रीय जनजातीय आयोग अध्यक्ष हर्ष चौहान समापन वक्तव्य देंगे। कार्यशाला में वनीकरण, जलवायु संवेदनशीलता और वनवासी समुदायों की समावेशी भागीदारी पर केन्द्रित डॉक्यूमेंट्री फिल्मों का भी प्रदर्शन किया जाएगा।

वनांचल में पलायन की स्थिति बनी

कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री दुर्गादास उईके ने कहा आज का विषय बहुत संवेदनशील और अंतर चेतना से जुड़ा हुआ विषय है। जन्म से लेकर मृत्यु तक सालों का हमारे जीवन से वनवासी समाज से जुड़ाव और संबंध है। वनवासी समाज की जो दिक्कत है परेशानियां हैं, और हमारी जो आरण्यक संस्कृति है उसके प्रति हमको बहुत गहराई से चिंतन मंथन करने की आवश्यकता है। जनजाति क्षेत्र में वन औषधियां, इमरती लड़कियां, लेमन ग्रास, आम, जाम, इमली, सफेद मूसली समेत कई प्रकार के कंदमूल फल और अलग-अलग प्रकार के उत्पादन और भाजी मिलती है। लेकिन वर्तमान में जनजातीय क्षेत्र का दौरा करने पर पता चलाता कि अधिकांश वन औषधियां विलुप्त हो गई है- वनांचल में जो वनवासी समाज का वन आधारित जीवन था, वहां से धीरे-धीरे पलायन की स्थितियां बनी है।

मुख्यमंत्री से थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने मुख्यमंत्री निवास पर सौजन्य भेंट की

मुख्यमंत्री डॉक्टर यादव ने पुष्प गुच्छ, अंग वस्त्रम और राजा भोज की मूर्ति भेंट कर थल सेना प्रमुख श्री द्विवेदी का स्वागत किया। मुख्यमंत्री डॉक्टर यादव को श्री द्विवेदी ने मणिपुरी शैली में निर्मित राधा कृष्ण की प्रतिकृति भेंट की। लेफ्टिनेंट जनरल पी .पी. सिंह तथा मेजर जनरल सुमित साथ थे।

चुनाव आयोग एआई पर नियम-तरीके तय करेगा

बिहार विधानसभा चुनाव में धरातल पर प्रभाव नजर आएगा

नई दिल्ली। चुनाव प्रचार के लिए कंटेंट तैयार करने में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की भूमिका तेजी से बढ़ रही है। इसे देखते हुए चुनाव आयोग इसके दुरुपयोग पर रोक लगाने और बेहतर इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए गाइड लाइन बना रहा है। इसका प्रभाव धरातल पर बिहार विधानसभा चुनाव में दिख सकता है। राजनीतिक दलों, मीडिया और सोशल मीडिया के लिए जनरेटिव एआई संबंधी कंटेंट के बारे में बताना होगा। प्रचार में एआई के इस्तेमाल के नियम और तरीके साफ किए जाएंगे। फेक और डीपफेक प्रचार वीडियो और ऑडियो के बारे में भी दिशा-निर्देश बनाए जा रहे हैं। चुनाव आयोग का मकसद है कि एआई कंटेंट का इस्तेमाल करके मतदाताओं को भ्रमित या उनकी पसंद को गलत तरीके से प्रभावित न किया जा सके। साथ ही यह करने की कोशिश की जाएगी कि मतदाताओं की निजता या चुनाव की निष्पक्षता पर आंच न आए।

एआई से 5 करोड़ से ज्यादा रोबोट कॉल की गई थीं- बता दें, लोकसभा चुनाव में 5 करोड़ से ज्यादा रोबोट कॉल हुई थीं। आयोग का यह कदम ग्लोबल इलेक्शन ट्रैकिंग की एआई पर रिपोर्ट को देखते हुए अहम है। इससे पता चला है कि 2024 लोकसभा चुनाव में एआई का इस्तेमाल अमेरिकी चुनाव से 10 प्रतिशत और ब्रिटिश चुनाव से 30 प्रतिशत ज्यादा है।

24 राज्यों में आंधी बारिश का अलर्ट

हिमाचल में 60-80 किमी की रफ्तार से हवा चली, पेड़ उखड़े, बीकानेर-बाड़मेर में पारा 45° पार

नई दिल्ली, एजेंसी। यूपी-बिहार समेत उत्तर भारत के राज्यों में गुरुवार को भारी बारिश और बिजली-आंधी देखने को मिला। यूपी में बीते 24 घंटे में 13 लोगों की मौत हो गई है। बिजली-आंधी से अयोध्या में 6, बाराबंकी में 5, अमेठी और बस्ती में 1-1 व्यक्ति की मौत हुई है। आज यूपी के 37 जिलों में बारिश का अलर्ट है।

इसके अलावा हिमाचल प्रदेश में 2 और पश्चिम बंगाल में बिजली गिरने से एक व्यक्ति की मौत हुई है। मौसम विभाग ने लगातार दूसरे दिन 24 राज्यों में आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया है। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और हरियाणा में तेज बारिश का ऑरेंज अलर्ट है।

इधर, राजस्थान के 9 जिलों में आज लू और धूलभरी आंधी की चेतावनी है। बीते दिन बीकानेर और बाड़मेर में पारा 45.1 और 45 डिग्री सेल्सियस रहा। हालांकि, 24 घंटे बाद तापमान में 2-4 डिग्री की गिरावट होने की संभावना है। मध्य प्रदेश के भोपाल, इंदौर समेत प्रदेश के 20 शहरों में दिन का तापमान 40 डिग्री के पार पहुंच गया।

मध्य प्रदेश- 20 शहरों में पारा 40ए पार, भोपाल, इंदौर-ग्वालियर में गर्मी बढ़ी; दोपहर में घर से न निकलने की सलाह।

हिमाचल में आया तूफान

हिमाचल प्रदेश में बुधवार आधी रात को आए तूफान ने भारी तबाही मचाई। 60 से 80 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा से कई घरों की छतें उड़ गईं। कई जगह पेड़ उखड़ गए और बिजली की लाइनें टूट गईं। इससे आधे हिमाचल में ब्लैक आउट हो गया है। राज्य में शुक्रवार को छह जिलों चंबा, कांगड़ा, कुल्लू, मंडी, शिमला और लाहौल-स्पीति में तूफान का ऑरेंज अलर्ट है। जबकि 19 अप्रैल को 9 जिलों ऑरेंज अलर्ट और 20 अप्रैल को यलो अलर्ट है। मौसम विभाग की भविष्यवाणी ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। यह सेब की फसल के लिए काफी नुकसानदायक है।

कान्हा में देश का पहला टाइगर ट्रेनिंग स्कूल, घायल और अनाथ बाघों को मिलती हैं नई जिंदगी

भोपाल। मध्यप्रदेश के मंडला जिले में स्थित कान्हा नेशनल पार्क आज देशभर में अपनी एक अनोखी पहल के लिए सुर्खियों में है। यहां स्थापित देश का पहला टाइगर रिवाइल्डिंग सेंटर यानी टाइगर ट्रेनिंग स्कूल, अब तक 14 बाघों को जंगल में जीने के काबिल बना चुका है। इन बाघों को न केवल प्राकृतिक वातावरण में रहना सिखाया गया, बल्कि खुद से शिकार करना और जंगल के नियमों के मुताबिक जीना भी सिखाया गया है। यह सेंटर खासतौर पर घायल और अनाथ बाघ शावकों के लिए बनाया गया है। जब किसी शावक की मां की मृत्यु हो जाती है या वह घायल अवस्था में पाया जाता है, तो उसे यहां लाकर प्रशिक्षित किया जाता है। ट्रेनिंग के दौरान उन्हें धीरे-धीरे जिंदा शिकार करना सिखाया जाता है, ताकि वे जंगल में अपने दम पर जिंदा रह सकें।

2005 में हुई थी इसकी शुरुआत

इस सेंटर की शुरुआत वर्ष 2005 में हुई थी, जब तीन बाघ शावकों की मां की मृत्यु हो गई थी। इन शावकों को शुरुआत में दूध पिलाकर ज़िंदा रखा गया और फिर एक बाड़े में रखकर ट्रेनिंग दी गई। पहले उन्हें जिंदा मुर्गा, फिर बकरा और अंत में चीतल का शिकार करना सिखाया गया। लगभग तीन वर्षों में ये शावक पूरी तरह से जंगल में रहने योग्य बन गए। इनमें से दो मादा शावकों को पन्ना टाइगर रिजर्व और एक नर शावक को भोपाल के वन विहार में छोड़ा गया।

विशेषज्ञों की निगरानी में चलता है पूरा प्रशिक्षण

इस रिवाइल्डिंग सेंटर का संचालन वन्यप्राणी विशेषज्ञ डॉ. संदीप अग्रवाल की देखरेख में किया जा रहा है। यहां शावकों को इस तरह से तैयार किया जाता है कि वे इंसानों पर निर्भर न रह जाएं और जंगल में अपनी स्वाभाविक भूमिका निभा सकें।

वर्तमान में 3 बाघ शावक कर रहे हैं ट्रेनिंग

फिलहाल इस सेंटर में तीन बाघ शावक प्रशिक्षण ले रहे हैं। जैसे ही ये जंगल में खुद से जीने और शिकार करने लायक बन जाएंगे, इन्हें भी स्वतंत्र रूप से जंगल में छोड़ दिया जाएगा। कान्हा का यह रिवाइल्डिंग सेंटर अब एक मॉडल बन गया है। इसकी सफलता के बाद अन्य राज्यों में भी इसी तर्ज पर सेंटर शुरू किए गए हैं।

राज्यमंत्री कृष्णा गौर ने किया निरीक्षण, जनसमस्याओं का किया त्वरित निराकरण

सांध्य प्रकाश संवाददाता ठ्ठ भोपाल

पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने क्षेत्र के विकास के लिए अधिकारियों से रोड़मैप बनाकर कार्य करने के निर्देश दिए हैं, ताकि किसी भी कार्य में लेटलतीफी ना हो। राज्यमंत्री श्रीमती गौर लगातार क्षेत्र का औचक निरीक्षण कर रही हैं और रहवासियों की समस्याएं सुनकर मौके पर ही निराकरण के लिए निर्देशित कर रही हैं। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने नारायण नगर नर्मदापुरम रोड के श्रीदुर्गा मंदिर से भ्रमण की शुरुआत की। नारायण नगर के रहवासियों ने पानी की समस्या से अवगत कराया। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने अधिकारियों को निर्देश दिए की सम्पवेल की मरम्मत कर उसे जल्द से जल्द शुरु करें। साथ ही पानी सप्लाई की समय सीमा तय करें, ताकि लोगों को किसी तरह की परेशानी नहीं हो। नारायण नगर की सीवेज लाइन को अमृत फेज-2 में शामिल कर इंटरनल नेटवर्क का रोडमेप तैयार करने के भी निर्देश दिए हैं। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने बावड़ियाकलां, आमनगर, डीके काटेज का भी भ्रमण किया। यहां के रहवासियों ने बताया कि उनके क्षेत्र की संजीवनी अस्पताल भवन के निर्माण को पूरा नहीं किया है। ठेकेदार ने लंबे समय से काम रोक कर रखा है। राज्यमंत्री श्री गौर ने अधिकारियों को ठेकेदार को ब्लैक लिस्ट घोषित करने के निर्देश दिए और किसी अन्य एजेंसी से कार्य को जल्द पूरा कराने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में जल्द ही हाईमास्क और पार्क का निर्माण भी कराया जाएगा। ऋषि बैली, रोहित नगर के रहवासियों ने बताया कि कालोनी के पीछे बिल्डर के प्राइवेट कंस्ट्रक्शन होने के कारण उनकी कालोनी का नाला पूरी तरह बंद हो गया है। ऐसे में जल निकासी नहीं होने से नालियों में पानी भरा है और बारिश में यह गंदा पानी घरों में आएगा। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने विल्डर को नोटिस देकर अवैध निर्माण को रोकने के निर्देश अधिकारियों को दिए। सलैया मिसरोद में फारच्यून लैंडमार्क, आईबीडी कालोनी और आकृति ग्रीन के लोगों ने पानी, बिजली और कचरे की समस्यां से अवगत कराया। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने नगर निगम के अधिकारियों को निर्देश दिया की महिलाओं को कचरा फेंकने कालोनी के बाहर नहीं जाना पड़े। इसके लिए डोर-टू-डोर कचरा उठाने की व्यवस्था करें।

इस दौरान प्रताप वारे, प्रदीप पाठक, ओमप्रकाश,जितेंद्र शुक्ला, रामबाबू पाटीदार, शीली पाटीदार, धर्मेंद परिहार, मोनिका ठाकुर सहित सैकड़ों की संख्या में जनता जनार्धन, कार्यकर्ता और अधिकारी मौजूद रहे।

ज्योतिष मठ संस्थान पहुंचे जादूगर ओपी शर्मा

भोपाल। विश्व प्रसिद्ध जादूगर ओपी शर्मा नेहरू नगर स्थित ज्योतिष मठ संस्थान पहुंचे। वहां पर उन्होंने पूजन अर्चना कर गुरु गादी का आशीर्वाद प्राप्त किया संस्थान के संचालक ज्योत्सचार पंडित विनोद गौतम एवं संस्थान के पदाधिकारीगणो द्वारा स्वागत सम्मान किया गया । इस अवसर पर प्रसिद्ध जादूगर श्री ओपी शर्मा ने कहा की जादू सिर्फ मनोरंजन के लिए है लेकिन कुछ लोग इसका दुरुपयोग कर ब्रह्म भृमजाल पैदा करते हैं यह स्वस्थ मनोरंजन है । हमें भी आध्यात्मिक शक्ति की आवश्यकता होती है। इस अवसर पर संस्थान के संचालक पंडित विनोद गौतम ने बताया की जादू और ज्योतिष भ्रम को दूर करता है ज्योतिष के माध्यम से लोग अपने जीवन में खुशियां प्राप्त कर सकते हैं एवं आने वाले दुखों से मुक्ति पा सकते हैं लेकिन कुछ ज्योतिषियों द्वारा इसे व्यापार बना दिया है और लोगों के दिलों में डर बनाकर रत्न का व्यापार कर रहे हैं इस प्रकार से ज्योतिष से आम जनता का विश्वास उठता जा रहा है यह ज्योतिष में घुन की तरह लग गया है इसे दूर कर स्वच्छ ज्योतिष शास्त्र अपनाना चाहिए रत्न के फेर से बचना चाहिए तथा अध्यात्म का सहारा लेना चाहिए सभी लोग अध्यात्म से अपना करियर बनाते हैं वर्तमान समय पर जादूगर ओपी शर्मा का शो भारत टॉकीज भोपाल में चल रहा है।

प्रबंधन के पास आया ई-मेल, इटारसी ऑर्डनेंस फैक्टरी को बम से उड़ाने की धमकी

भोपाल। नर्मदापुरम जिले के इटारसी में स्थित ऑर्डनेंस फैक्ट्री में धमकी भरा ई-मेल आने से फैक्टरी परिसर के साथ ही पुलिस में हड़कंप मच गया है। गुरुवार को आयुध निर्माणी में एक धमकी भरा मेल आया। इसके बाद जिले का पुलिस बल अलर्ट हो गया है। आयुध निर्माणी परिसर की बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वाड की मदद से घंटों जांच की गई। ऑर्डनेंस फैक्टरी में गुरुवार को एक धमकी भरे ई-मेल से निर्माणी प्रबंधन और पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया। निर्माणी प्रबंधन से मिली सूचना के बाद एसपी डॉ. गुरकरन सिंह बम निरोधक दस्ता और डॉग स्कवाड के साथ ही भारी पुलिस बल के साथ ऑर्डनेंस फैक्टरी पहुंचे। यहां प्रशासनिक भवन सहित कार्यस्थलों की बारीकी से जांच की। पुलिस ने जांच के दौरान पूरे प्रशासनिक भवन को खाली करा दिया था।

एमपी के छात्रों ने बनाई डिवाइस, हार्ट अटैक आने पर 100 नंबर पर जाएगा मैसेज

भोपाल। पिछले कुछ समय से देश में हार्ट अटैक के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। इसकी चपेट में आने वाले ज्यादातर युवा हैं। समय पर इलाज नहीं मिलने से अधिकांश लोग मौत के शिकार बन रहे हैं। इन्हीं हालातों को देखते हुए उज्जैन के युवाओं ने एक ऐसी आपातकालीन डिवाइस तैयार की है जो न केवल हार्ट अटैक, बल्कि सड़क हादसे, हमला, छीना-झपटी जैसी इमरजेंसी में भी तुरंत सहायता पहुंचाने में मददगार होगा। उज्जैन के गवर्मेंट इंजीनियरिंग कॉलेज के पांच छात्रों द्वारा तैयार की गई इस हाई-टेक डिवाइस में कई एडवांस फीचर्स जोड़े गए हैं-

हार्ट रेट मॉनिटरिंग। डिवाइस में पल्स सेंसर लगाये गए हैं। जैसे ही धड़कन असामान्य होती है, यह तुरंत अलर्ट भेज देता है।

SOS बटन: इमरजेंसी में बटन दबाते ही 100 पहले से सेव नंबरों पर अलर्ट जाता है।

GPS और GPRS: लोकेशन ट्रैकिंग के लिए डिवाइस में GPS सिस्टम है, जिससे सही स्थान की जानकारी मिलती है।

लाइव वीडियो कॉलिंग: जवाब न मिलने की स्थिति में डिवाइस स्वत: वीडियो कॉल करता है।

टू-वे कम्युनिकेशन: अलर्ट के बाद बात भी की जा सकती है।

कैसे आया आइडिया: डिवाइस बनाने वाले छात्र हर्ष श्रीवास्तव ने बताया कि अखबारों में हार्ट अटैक और महिलाओं-बुजुर्गों से जुड़ी आपात स्थितियों की खबरें पढ़ने के बाद इस दिशा में कुछ करने का यह विचार आया। टीम के अन्य सदस्य मोहित कुमार, राहुल सिंह रावत, ओम कृष्ण कुमार जायसवाल और विशाल रघुवंशी ने मिलकर यह डिवाइस तैयार किया। डिवाइस की क़ीमत 5000 रुपए है।

सबसे ज्यादा उपयोग यहां

सिंहस्थ कुंभ जैसे आयोजनों में जहां भारी भीड़ होती है, यह डिवाइस बहुत उपयोगी साबित हो सकता है। प्रोफेसर वाय.एस. ठाकुर के मार्गदर्शन में बना यह डिवाइस, भीड़ में किसी व्यक्ति की तबीयत खराब होने या संकट की स्थिति में उसे तुरंत मदद दिला सकता है।

मोबाइल एप के रूप में करेंगे विकसित

अभी यह डिवाइस प्रोटोटाइप के रूप में है, लेकिन आगे इसे मोबाइल एप या स्मार्ट वॉच के रूप में विकसित करने की योजना है। साथ ही, साइबर सेल से कनेक्ट कर इसे और भी प्रभावशाली बनाया जा सकता है।

युवाओं में बढ़ते हार्ट अटैक के कारण: खरब जीवनशैली, कोलेस्ट्रॉल की अधिक मात्रा, उच्च रक्तचाप, डायबिटीज के बढ़ते मामले, अनियमित नींद, मोटापा, स्मोकिंग और अल्कोहल

बचने के लिए अपनाएं ये तरीके: हर दिन आधा घंटा एक्सरसाइज को दें। कम से कम सात घंटे की अच्छी नींद लें।

जीतू पटवारी के बयान पर नरेंद्र सलूजा ने ली चुटकी

भोपाल। जीतू पटवारी के बयान पर पलटवार करते हुए नरेन्द्र सलूजा ने कहा कि आज तात्या टोपे जी का बलिदान दिवस है , जयंती नहीं... हम मानते है कि गर्मी बहुत पड रही है... आजकल आप बहकी- बहकी बाते भी बहुत कर रहे है। कल आप बुंदेलखंड में भी शादी वाले घोड़े - रेस वाले घोड़े , घोड़े पीछे रह गये, हार गये, जाने क्या - क्या बोल रहे थे.... थोड़ा आप ठंडे समय में निकलना शुरू कीजिये।

जलवायु अनुकूल कृषि पद्धतियों के तहत ज़ायद फसल एवं पराली प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

भोपाल। स्मॉल ग्रांट प्रोग्राम के 7 वें परिचालन चरण के अंतर्गत ऊर्जा और संसाधन संस्थान TERI के सहयोग से नेशनल सेंटर फॉर ह्यूमन सेटलमेंटस एंड एनवायरमेंट (एन.सी.एच.एस.ई) भोपाल द्वारा दमोह जिले की तेंदूखेड़ा तहसील के देवरी लीलाधर और पतलोनी गांव में जलवायु अनुकूल पद्धतियों को अपनाकर अवक्रमित/कृषि-पारिस्थितिकी तंत्र की स्थिरता और उत्पादकता में सुधार हेतु परियोजना क्रियान्वित की जा रही है। इस परियोजना का उद्देश्य ग्रामीण समुदाय को ऐसी प्रौद्योगिकियों और पद्धतियों को अपनाने के लिए शिक्षित और प्रोत्साहित करना है, जो प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, बदलती जलवायु परिस्थितियों के अनुरूप कृषि पद्धतियों, पारिस्थितिकी सेवाओं में सुधार के साथ-साथ पर्यावरण के और अधिक क्षरण को रोकने और उनकी आजीविका को बढ़ाने में सहायक हों।

इसी कड़ी के अंतर्गत ग्राम देवरी लीलाधर, विकासखण्ड- तेंदुखेड़ा जिला दमोह में 17 अप्रैल 2025 को ग्राम पंचायत भवन में महिला एवं पुरुष कृषकों को जलवायु अनुकूल कृषि पद्धतियों के तहत ज़ायद फसल एवं पराली प्रबंधन के संबंध में श्री बी. एल. साहू, वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक, कृषि विज्ञान केंद्र, दमोह एवं कृषि विभाग के कृषि विस्तार अधिकारी श्री दुर्गेश पटेल ने महत्वपूर्ण जानकारी साझा की।

उन्होंने पराली को जलाकर नष्ट करने की बजाय जमीन पर रोटावेटर चलाने की सलाह दी। उन्होंने सुपर सीडर की मदद से अगली फसल की बुआई करने के फायदे बताए। पराली जलाने से खेत की उर्वरा शक्ति तो कम होती ही है, इससे उठने वाले धुँए से पर्यावरण को भी बड़ा नुकसान पहुँचता है। श्री साहू ने प्रतिभागियों को रोटावेटर यंत्र के उपयोग के बारे में बताया, यह मुख्य रूप से मिट्टी की जुताई, भुरभुरी बनाने, और खरपतवारों को नष्ट करने के लिए किया जाता है. यह कृषि क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपकरण है जो फसल की पैदावार को बढ़ाने में मदद करता है. रोटावेटर फसल अवशेषों को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर मिट्टी में मिला देता है, जिससे मिट्टी में जैविक पदार्थ की मात्रा बढ़ती है। उन्होंने बताया कि सुपर सीडर मशीन का उपयोग मुख्य रूप से गेहूं की बुवाई के लिए किया जाता है, खासकर जब धान की कटाई के बाद खेत में अवशेष बचे हों. यह मशीन जुताई, बुवाई और अवशेषों को मिट्टी में मिलाने का काम एक साथ करती है।

भोपाल। गुड फ्राइडे पर राजधानी में गिरिजाघरों में प्रार्थना की गई

वैन ह्यूसेन ने भोपाल में की स्टाइलिश एंट्री

भोपाल। भारत के प्रमुख प्रीमियम फैशन ब्रांड वैन ह्यूसेन ने अब भोपाल में अपना नया स्टोर भव्य अंदाज़ में लॉन्च किया है। यह स्टोर पहली मंज़िल, दैनिक भास्कर मॉल, एफ-35, डीबी सिटी मॉल, ज़ोन-1, महाराणा प्रताप नगर, भोपाल में स्थित है जो शहर के सबसे व्यस्त और लोकप्रिय शॉपिंग हब्स में से एक है। यह स्टोर फॉर्मल वेयर, कैज़ुअल वेयर और अक्सेसरीज़ का शानदार संगम प्रस्तुत करता है, जो आज के मॉडर्न उपभोक्ताओं की बदलती ज़रूरतों को ध्यान में रखकर चुना गया है। फैशन, टेक्नोलॉजी और एक्सपीरियंस का अनोखा मेल: इस स्टोर की सबसे बड़ी खासियत है इसकी विविध प्रोडक्ट रेंज, जो प्रोफेशनल्स के साथ-साथ कैज़ुअल लुक्स पसंद करने वालों को भी आकर्षित करेगी। इंटीरियर डिज़ाइन में फ्लूइड पाथवेज, वॉर्म लाइटिंग, और मिनिमल रैकिंग सिस्टम का उपयोग किया गया है, जिससे प्रीमियम और आरामदायक इन-स्टोर अनुभव सुनिश्चित होता है।

जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने की सुदर्शन चक्र कोर की समीक्षा, पूर्व सैनिकों को किया सम्मानित

संत हिरदाराम नगर। थलसेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने सुदर्शन चक्र कोर का दौरा किया। उन्होंने परिचालन तैयारी की व्यापक समीक्षा की, भारतीय सेना की उच्च युद्ध तत्परता, नवाचार और पेशेवर उत्कृष्टता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को और मजबूत किया। अपने दौरे के दौरान उन्हें अत्याधुनिक तकनीकों के समावेश के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने सैनिकों से बातचीत की और उनकी परिचालन दक्षता, अनुकूलनशील प्रशिक्षण और युद्धक्षेत्र में नवाचार के प्रति समर्पण की सराहना की। इस दौरे के दौरान पांच विशिष्ट पूर्व सैनिकों को वेटरन अचीवर अवॉर्ड से सम्मानित किया। जिन्होंने समाज और राष्ट्र निर्माण में सतत् योगदान दिया। ब्रिगेडियर रामनारायण विनायक, वीएसएम सेवानिवृत्त पूर्व सैनिकों के कल्याण में सक्रिय, इन्होंने 300 से अधिक पूर्व सैनिकों को रोजगार देने वाली डीजीआर प्रायोजित सुरक्षा एजेंसी स्थापित की, 1962, 65 और 71 युद्धों की वीर नारियों के लिए ईसीएचएस लाभ सुनिश्चित किए और उदार पारिवारिक पेंशन के लिए आवाज उठाई। अपनी पत्नी के साथ, वे शौर्य स्मारक में शैक्षिक प्रस्तुतियों के माध्यम से शहीदों की विरासत को बढ़ावा देते हैं।

क्यू1'25 में अमेजन ने भोपाल और मध्य प्रदेश में होम, किचन और आउटडोर्स बिज़नेस में दो अंकों की जबरदस्त वृद्धि दर्ज की

भोपाल। अमेजन डाट इन ने क्यू1 '25 में भोपाल और मध्य प्रदेश में होम, किचन और आउटडोर्स बिज़नेस में 20प्रतिशत की सालाना वृद्धि दर्ज की है। यह बढ़ोतरी स्मार्ट होम डिवाइसेज़, फिटनेस और सुरक्षा से जुड़े प्रोडक्ट्स, किचन अप्लायंसेज़, डीआईवाई टूल्स, ऑटोमोटिव एसेसरीज़ और गार्डनिंग उपकरणों की बढ़ती मांग के कारण देखने को मिली। प्लेटफॉर्म पर नए ग्राहकों की संख्या में भी 10प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। एक दिलचस्प ट्रेंड यह रहा कि कैंपिंग से जुड़े उत्पादों की मांग में जबरदस्त उछाल आया, मध्य प्रदेश में इस श्रेणी में 80प्रतिशत और भोपाल में 145प्रतिशत की सालाना वृद्धि हुई। टेंट की बिक्री में 570 प्रतिशत की सालाना बढ़त देखी गई। इसके साथ ही आईपीएल सीजन की वजह से क्रिकेट से जुड़े सामानों की मांग में भी तेजी आई और शहर में इनकी बिक्री में 40प्रतिशत से अधिक की सालाना वृद्धि हुई। अमेजन प्राइम सदस्य अब 10,000 रुपये या उससे अधिक की होम और किचन अप्लायंसेज़ की खरीदारी पर 1,200 रुपये तक की छूट और 1,000 रुपये से अधिक की किचन आवश्यक वस्तुओं पर 150 रुपये की सीधी छूट का लाभ उठा सकते हैं। अमेजन डाट इन को आज भोपाल में आयोजित एक दिवसीय आयोजन के दौरान जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली, जिसमें फर्नीचर, होम एसेंशियल्स, किचन और अप्लायंसेज़, होम डेकोर और लाइटिंग, स्पोर्ट्स और फिटनेस, इलेक्ट्रिक व्हीकल्स, ऑटो एसेसरीज़, आउटडोर और गार्डनिंग जैसी श्रेणियों के उत्पाद प्रदर्शित किए गए थे।

विश्व विरासत दिवस: विरासत, देश और लोगों की पहचान को परिलाक्षित करती है: योग गुरु महेश अग्रवाल

भोपाल। आदर्श योग आध्यात्मिक केंद्र स्वर्ण जयंती पार्क कोलार रोड़ भोपाल के योग गुरू महेश अग्रवाल ने बताया कि विश्व धरोहर दिवस अथवा विश्व विरासत दिवस प्रतिवर्ष 18 अप्रैल को मनाया जाता है। इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य यह भी है कि पूरे विश्व में मानव सभ्यता से जुड़े ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थलों के संरक्षण के प्रति जागरूकता लाई जा सके। विश्व विरासत स्थल ऐसे खास स्थानों (जैसे वन क्षेत्र, पर्वत, झील, मरुस्थल, स्मारक, भवन, या शहर इत्यादि) को कहा जाता है, विरासत, देश और लोगों की पहचान को परिलाक्षित करती है। किसी भी व्यक्ति के लिए विरासत उसकी पहचान होती है। वह अपने समृद्ध विरासत के बल पर गौरव प्राप्त करता है। सांस्कृतिक विरासत जैसे रीति रिवाज, धर्म, संस्कृति, भाषा, संगीत, नृत्य, भवन, अभिलेख, सिक्के, रहन सहन, खान पान आदि।

योग गुरु अग्रवाल ने कहा कि भारतीय ऋषि-मुनियों की देन योग भारत की एक अत्यंत प्राचीन विरासत है। आज योग को जीवन जीने की एक कला एवं विज्ञान के साथ-साथ औषधि रहित चिकित्सा पद्धति के रूप में लोकप्रियता मिल रही है। योगविद्या भारतवर्ष की सबसे प्राचीन संस्कृति और जीवन पद्धति है तथा इसी विद्या के बल पर भारतवासी प्राचीनकाल में सुखी, समृद्ध और स्वस्थ जीवन बिताते थे। पूजा-पाठ, धर्म - कर्म से शान्ति मिलती है और योगाभ्यास से धन धान्य, समृद्धि और स्वास्थ्य। भारत में सुख, समृद्धि, शक्ति और स्वास्थ्य के लिए हर व्यक्ति को योगाभ्यास करना चाहिए। योग गुरु अग्रवाल ने इस अवसर पर योग और शारीरिक स्वास्थ्य विज्ञान के बारें में बताया कि योग का मनोदैहिक पक्ष अति महत्त्वपूर्ण है। यह प्राचीन विज्ञान मानव को मात्र एक जैव इकाई नहीं मानता। प्राचीन चिन्तकों ने मन के कार्यों और उसकी आन्तरिक संरचना पर अधिक ध्यान दिया है। आज, मनोविज्ञान ने भी अपने शोध क्षेत्र में इस मौलिक पक्ष को स्वीकार किया है और शरीर एवं मन के अन्तर्सम्बन्धों को अधिक से अधिक समझ रहा है। अत-यह स्पष्ट प्रतीत होता है कि किसी भी कार्य क्षेत्र में मनुष्य की प्रगति के लिए न केवल उसको शारीरिक रूप से स्वस्थ होना चाहिए, वरन् उसका मानसिक रूप से स्वस्थ होना भी अनिवार्य है। योग के क्षेत्र में मानव की उच्चतम प्रगति के लिए उसके स्वस्थ और समन्वित व्यक्तित्व के विकास को योग ने सदा ही अपना लक्ष्य माना है। अतः यह कोई आश्चर्यजनक बात नहीं कि महर्षि पतञ्जलि अपनी अष्टांग-योग-पद्धति में दोनों पक्षों- बहिरंग और अन्तरंग को योग की पूर्णता के लिए आवश्यक मानते हैं। प्रथम कोटि में आते हैं- यम, नियम, आसन और प्राणायाम तथा द्वितीय कोटि में आते हैं- प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और समाधि। प्रथम चार शारीरिक स्वास्थ्य के मौलिक तत्त्व हैं। यम, नियम, आसन और प्राणायाम सबके शारीरिक स्वास्थ्य के चार आधार स्तम्भ हैं। फिर हठयोग छः शुद्धिकारक तकनीकों, नेति, धौति, बस्ति, नौलि, त्राटक और कपालभाति को षट्कर्म के रूप में रखता है। ये सभी शारीरिक स्वास्थ्य विज्ञान की महत्त्वपूर्ण तकनीकें हैं। प्राचीन योग विज्ञान ने मेरुरज्जु और मस्तिष्क को केन्द्रीय तन्त्रिका तन्त्र के अवयव के रूप में माना है तथा उनको स्वस्थ रखने पर बल दिया है। योग में अन्तःस्रावी ग्रन्थियों की समुचित क्रियाशीलता और शरीर की रासायनिक प्रतिक्रियाओं को भी महत्त्वपूर्ण माना गया है। अतएव साधक प्रसन्नता से अपने जीवन के स्वैच्छिक नियमन के लिए तैयार हो जाता है। इसका यह अर्थ नहीं है कि उस समय वह अपने जीवन की मूलभूत आवश्यकताओं को अस्वीकार कर अपनी सहज प्रवृत्तियों का दमन करता है।

इंदौर में 27 अप्रैल को होगा एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 2025, नई टेक्नोलॉजी पॉलिसी की गाइडलाइन्स होंगी जारी

भोपाल। मध्य प्रदेश टेक्नोलॉजी सेक्टर को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाने जा रहा है। एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 2025 का आयोजन 27 अप्रैल को इंदौर में किया जाएगा। इस आयोजन में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के निवेशक, नीति निर्माता और तकनीकी क्षेत्र के अग्रणी विशेषज्ञ हिस्सा लेंगे। कॉन्क्लेव के दौरान राज्य सरकार द्वारा तैयार की गई ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (त्रष्टष्ह्य) पॉलिसी, सेमी-कंडक्टर्स पॉलिसी, ड्रोन पॉलिसी और एनीमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग, कॉमिक्स और एक्सटेंडेड रियलिटी (ङ्कत्रष्ट-ङ्गक्र) पॉलिसी के क्रियान्वयन के लिए गाइडलाइन्स जारी की जाएंगी। इन गाइडलाइन्स को निवेशकों और सरकार के बीच एक पारदर्शी सेतु के रूप में तैयार किया गया है। दस्तावेज में पात्रता मानदंड, आवेदन प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेज, मानक संचालन प्रक्रिया (स्ह्रक्क), समय-सीमा और अपील प्रक्रिया सहित सभी महत्वपूर्ण पहलुओं को स्पष्ट रूप से शामिल किया गया है। कॉन्क्लेव का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि इन सभी नीतियों को लागू करने की प्रक्रिया पूरी तरह डिजिटल और पेपरलेस होगी। MP Investment Portal के माध्यम से निवेशक रियल-टाइम डैशबोर्ड, ऑटोमेटेड वर्कफ्लो और एकीकृत सिंगल-विंडो सिस्टम के जरिए सुविधाजनक और पारदर्शी तरीके से आवेदन कर सकेंगे।

मध्य प्रदेश पुलिस विभाग में बड़ा फेरबदल, 300 से ज्यादा पुलिसकर्मियों के तबादले

भोपाल। मध्य प्रदेश में पुलिस कर्मचारियों के तबादले का सिलसिला लगातार जारी है। ताजा आदेश के तहत, पुलिस मुख्यालय भोपाल ने 300 से ज्यादा आरक्षकों के तबादलों की सूची जारी की है। यह तबादले पुलिस विभाग में महत्वपूर्ण बदलाव की ओर इशारा करते हैं और राज्यभर में सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने की दिशा में एक कदम माने जा रहे हैं। पुलिस स्थापना बोर्ड के अनुमोदन के बाद, मध्य प्रदेश पुलिस मुख्यालय ने आरक्षकों के तबादलों की लिस्ट जारी की है। इस सूची में 300 से ज्यादा पुलिस आरक्षकों के नाम शामिल हैं, जिन्हें विभिन्न जिलों और इकाइयों में स्थानांतरित किया गया है। राज्य सरकार द्वारा जारी स्थानांतरण नीति के अनुसार, तबादला होने वाले कर्मचारियों को निर्धारित समयावधि के भीतर कार्यमुक्त किया जाएगा। हालांकि, अगर कोई आरक्षक निलंबित स्थिति में है, तो उसे कार्यमुक्त नहीं किया जाएगा और उसकी सूचना पुलिस मुख्यालय को भेजी जाएगी। इस बड़े फेरबदल का उद्देश्य पुलिस विभाग की कार्यक्षमता में सुधार लाना और विभिन्न क्षेत्रों में सुरक्षा बलों की तैनाती को संतुलित करना है। यह कदम प्रशासन की ओर से पुलिस कार्यकुशलता को बढ़ाने के लिए उठाया गया है ताकि जनता की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा सके।

स.क.	कर्मचारी का नाम	वर्तमान पदस्थापना	नवीन पदस्थापना
1.	आरक्षक 10 गजेन्द्र सिंह	देवास	मुरैना
2.	आरक्षक 19 अस्मिता सिंह चौहान	रायसेन	उज्जैन
3.	आरक्षक 25 कविता राठौड	रेल इंदौर	मंदसौर
4.	आरक्षक 33 पवन मैंडा	मउगंज	रतलाम
5.	आरक्षक 41 सुनील शर्मा	रेल इन्दौर	मुरैना
6.	आरक्षक 48 बीरेन्द्र सिंह	छतरपुर	अशोकनगर
7.	आरक्षक 57 संजय धाकड	उज्जैन	ग्वालियर
8.	आरक्षक 72 धर्मेन्द्र यादव	पी.टी.एस.रीवा हाल जेएनपीए सागर	पीटीएस सागर
9.	आरक्षक 89 अश्विन गामड	पी.टी.एस.उमरिया	पीटीएस उज्जैन
10.	आरक्षक 105 नीरज कुमार वर्मा	मप्रपुअ भोपाल	भोपाल नगरीय
11.	आरक्षक 120 राहुल परौहा	मप्रपुअ भोपाल	जबलपुर
12.	आरक्षक 125 कैशलेन्द्र रावत	सिंगरौली	शिवपुरी
13.	आरक्षक 129 कैलाश भिलाला	देवास	श्योपुर
14.	आरक्षक 133 कमलेश परमार	मउगंज	खरगोन
15.	आरक्षक 153 मनोज टेकाम	गुना	हरदा
16.	आरक्षक 169 अरविंद जाटव	निवाडी	दतिया
17.	आरक्षक 182 सरोज सोलंकी	बैतूल	रतलाम
18.	आरक्षक 196 राकेश कुमार	भोपाल नगरीय	मुरैना
19.	आरक्षक 251 राजकिशोर पाण्डे	रेल इन्दौर	इंदौर नगरीय
20.	आरक्षक 261 रविकांत तिवारी	नरसिंहपुर	दमोह
21.	आरक्षक 275 शबाना बानो	शहडोल	मउगंज
22.	आरक्षक 287 अजय खैरवार	बैतूल	सिवनी
23.	आरक्षक 301 सुचित कुजूर	सिंगरौली	इंदौर नगरीय
24.	आरक्षक 302 मुकेश नरगावे	श्योपुर	खरगौन
25.	आरक्षक 303 आसम सोलंकी	श्योपुर	धार
26.	आरक्षक 331 अजय चौहान	शाजापुर	इंदौर नगरीय
27.	आरक्षक 345 ऋषिकेश	सीहोर	ग्वालियर
28.	आरक्षक 345 राकेश कनासे	अनूपपुर	खरगोन
29.	आरक्षक 352 राहुल सिंह गुर्जर	टीकमगढ	मुरैना
30.	आरक्षक 353 पंकज शर्मा	नरसिंहपुर	भिण्ड
31.	आरक्षक 363 निलेश दिगर	उमरिया	खण्डवा
32.	आरक्षक 365 बबलू कुमार बडोले	पन्ना	बडवानी
33.	आरक्षक 370 पीयूष चौरसिया	नर्मदापुरम	भोपाल नगरीय
34.	आरक्षक 371 मोतीराम सोलंकी	अनूपपुर	खरगोन
35.	आरक्षक 378 अमित जेरिया	सीधी	शाजापुर
36.	आरक्षक 393 मिथलेश पटेल	नरसिंहपुर	सिवनी
37.	आरक्षक 411 मनीष धोलपुरिया	शाजापुर	मंदसौर
38.	आरक्षक 418 उल्लास सोलंकी	नरसिंहपुर	मण्डला
39.	आरक्षक 424 राहुल सिंह राजपूत	भोपाल नगरीय	भिण्ड
40.	आरक्षक 425 शिवेन्द्र प्रताप सिंह	गुना	भिण्ड
41.	आरक्षक 448 प्रमोद कुमार	श्योपुर	शिवपुरी
42.	आरक्षक 455 सतेन्द्र जाटव	राजगढ	शिवपुरी
43.	आरक्षक 457 रामसनेही पटेल	सीधी	नर्मदापुरम
44.	आरक्षक 467 तेजेन्द्र पाराशर	टीकमगढ	भिण्ड
45.	आरक्षक 477 अजय रजक	भिण्ड	निवाडी
46.	आरक्षक 479 विक्रम परमार	अनूपपुर	धार
47.	आरक्षक 482 राम दीक्षित	टीकमगढ	शिवपुरी
48.	आरक्षक 492 बहादुर बघेल	श्योपुर	झाबुआ
49.	आरक्षक 495 राकेश पारगी	अनूपपुर	झाबुआ
50.	आरक्षक 495 सुभाष बघेल	बैतूल	भिण्ड
51.	आरक्षक 497 सचिन परिहार	खरगोन	गुना
52.	आरक्षक 503 मुन्ना चौहान	दमोह	बडवानी
53.	आरक्षक 506 कुलदीप बास्केल	अनूपपुर	बडवानी
54.	आरक्षक 518 अनिल दाहिमा	बुरहानपुर	मंदसौर
55.	आरक्षक 530 नीलेश कुमार	उज्जैन	निवाडी
56.	आरक्षक 531 अंकित रघुवंशी	अनूपपुर	गुना
57.	आरक्षक 541 अनिल सिसोदिया	अनूपपुर	इंदौर नगरीय
58.	आरक्षक 542 हर्ष कुमार पटेल	अनूपपुर	डिण्डौरी
59.	आरक्षक 543 सुम्मत सिंह केवडे	श्योपुर	पांढुर्ना
60.	आरक्षक 547 यशपाल सिंह	सीधी	विदिशा
61.	आरक्षक 549 संदीप पंवार	खरगोन	आगर मालवा
62.	आरक्षक 550 प्रदीप राणा	शिवपुरी	दतिया
63.	आरक्षक 555 देवेन्द्र लोधी	खरगोन	दतिया
64.	आरक्षक 557 आलोक त्रिपाठी	सीधी	निवाडी
65.	आरक्षक 561 राजू कुमार उइके	सीधी	बालाघाट
66.	आरक्षक 562 कमल पटेलिया	दमोह	अशोकनगर
67.	आरक्षक 568 प्रकाश बारस्कर	श्योपुर	पांढुर्ना
68.	आरक्षक 572 विक्रम सिंह	श्योपुर	बुरहानपुर
69.	आरक्षक 576 कन्हैया रघुवंशी	बैतूल	सिवनी
70.	आरक्षक 576 सौरभ सिकरवार	रायसेन	ग्वालियर
71.	आरक्षक 577 गिरीश चौहान	अनूपपुर	धार
72.	आरक्षक 589 भगवान दास मेहर	सीधी	उज्जैन
73.	आरक्षक 597 महेश कुमार मालवीय	बुरहानपुर	आगर मालवा
74.	आरक्षक 597 रश्मि त्रिपाठी	पन्ना	मैहर
75.	आरक्षक 599 दीपक जमरा	इंदौर नगरीय	बडवानी
76.	आरक्षक 601 प्रियंका राजपूत	बुरहानपुर	देवास
77.	आरक्षक 601 प्रकाश मण्डलोई	सीधी	अलीराजपुर
78.	आरक्षक 614 दीपक चोयल	बुरहानपुर	धार
79.	आरक्षक 616 पीथा नायक	खरगोन	रायसेन
80.	आरक्षक 620 श्याम मालवीय	बडवानी	आगर मालवा
81.	आरक्षक 624 बबन सोलंकी	श्योपुर	धार
82.	आरक्षक 637 समरथ राठोड	बडवानी	मंदसौर
83.	आरक्षक 643 दीपक कौशल	नीमच	दतिया
84.	आरक्षक 646 प्रफुल्ल धुर्वे	बैतूल	हरदा
85.	आरक्षक 658 अम्रता बडोले/चौहान	बैतूल	देवास
86.	आरक्षक 671 सतीश लौवंशी	बैतूल	हरदा
87.	आरक्षक 680 महेन्द्र बरडे	टीकमगढ	धार
88.	आरक्षक 691 सचिन सिंह	सीहोर	ग्वालियर
89.	आरक्षक 694 शिवशंकर कटारा	टीकमगढ	मंदसौर
90.	आरक्षक 694 गोविन्द सिंह	इंदौर नगरीय	भिण्ड
91.	आरक्षक 695 अशोक कर्मा	टीकमगढ	इंदौर नगरीय
92.	आरक्षक 696 नरेन्द्र सिंह	टीकमगढ	शिवपुरी
93.	आरक्षक 708 अतुल तिवारी	भोपाल नगरीय	सतना
94.	आरक्षक 715 कपिल परिहार	टीकमगढ	गुना
95.	आरक्षक 719 सोदान सिंह भिलाला	टीकमगढ	आगर मालवा
96.	आरक्षक 727 अजय कलमे	कटनी	बडवानी
97.	आरक्षक 734 राजू वसुनिया	दमोह	धार
98.	आरक्षक 737 कमल सोलंकी	दमोह	बडवानी
99.	आरक्षक 737 लोकेन्द्र सिकरवार	गुना	मुरैना
100.	आरक्षक 740 हेमंत सिंह कौरव	पन्ना	देवास
101.	आरक्षक 743 रणजीत सिंह राणा	दमोह	शिवपुरी
102.	आरक्षक 757 यश चौबे	नरसिंहपुर	भोपाल नगरीय
103.	आरक्षक 757 शिवकरण पाटिल	सिंगरौली	हरदा
104.	आरक्षक 758 धीरज कुमार मण्डलोई	सिंगरौली	खरगोन
105.	आरक्षक 770 भूपेन्द्र जाट	सिंगरौली	गुना
106.	आरक्षक 772 पवन शाक्य	पन्ना	भिण्ड
107.	आरक्षक 781 अनिल भील	दमोह	विदिशा
108.	आरक्षक 783 उत्कर्ष मिश्रा	गुना	भिण्ड
109.	आरक्षक 784 इंदर सिंह बरडे	गुना	धार
110.	आरक्षक 786 अनिल कुमार लोधी	सीहोर	रायसेन
111.	आरक्षक 808 प्रेमप्रकाश शुक्ला	छिंदवाडा	मउगंज
112.	आरक्षक 823 विनीता गिल	देवास	पीटीएस उज्जैन
113.	आरक्षक 824 लोकेश परमार	सतना	देवास
114.	आरक्षक 826 सार सिंह डावर	दतिया	खंडवा
115.	आरक्षक 828 अमित कुमार शाह	शहडोल	भोपाल नगरीय
116.	आरक्षक 834 सचिन राजपूत	खंडवा	विदिशा
117.	आरक्षक 835 सुनील मण्डलोई	दतिया	अलीराजपुर
118.	आरक्षक 838 सुनील बघेल	दतिया	धार
119.	आरक्षक 847 रविन्द्र वास्कले	दतिया	धार
120.	आरक्षक 864 कमलेश कुमार राठौर	खरगोन	मंदसौर
121.	आरक्षक 871 नवल सिंह	दमोह	धार
122.	आरक्षक 877 अनुज कुमार	धार	टीकमगढ
123.	आरक्षक 885 मिथलेश पडवार	सीहोर	मण्डला
124.	आरक्षक 886 देवेन्द्र सिंह	दतिया	इंदौर नगरीय
125.	आरक्षक 890 संतोष डावर	दतिया	बडवानी
126.	आरक्षक 908 विपिन गुप्ता	छतरपुर	कटनी
127.	आरक्षक 911 शशिकांत तिवारी	सीहोर	मउगंज
128.	आरक्षक 912 सलमान खान	खरगोन	भिण्ड
129.	आरक्षक 914 ब्रजेश खरते	दतिया	देवास
130.	आरक्षक 935 सुनील भील	पांढुर्णा	विदिशा
131.	आरक्षक 937 विश्वास राय	राजगढ	सीहोर
132.	आरक्षक 940 अनिल राठौर	दतिया	इंदौर नगरीय
133.	आरक्षक 964 भूपेश बर्मन	देवास	बडवानी
134.	आरक्षक 972 अनवार खान	छिंदवाडा	मुरैना
135.	आरक्षक 978 रूद्रप्रताप सिंह	खरगोन	सीहोर
136.	आरक्षक 979 ध्रुव कुमार खाण्डवाये	दतिया	सिवनी
137.	आरक्षक 983 अरूण डोडवा	सागर	अलिराजपुर
138.	आरक्षक 986 अनिल त्रिपाठी	छिंदवाडा	रायसेन
139.	आरक्षक 989 अजीत वर्मा	खरगोन	मुरैना
140.	आरक्षक 991 प्रमोद खिंची	खरगोन	मंदसौर
141.	आरक्षक 994 भाल सिंह	खरगोन	ग्वालियर
142.	आरक्षक 998 गोपाल सिंह चौहान	छिंदवाडा	मुरैना
143.	आरक्षक 1003 कुशल कुमार	खरगोन	दमोह
144.	आरक्षक 1004 दीपक बघेल	विदिशा	दतिया
145.	आरक्षक 1005 घनश्याम गौतम	खरगोन	सतना
146.	आरक्षक 1006 संजीव कुमार चौहान	इंदौर नगरीय	भोपाल नगरीय
147.	आरक्षक 1008 अमित योगी	खरगोन	निवाडी
148.	आरक्षक 1010 सुदामा शर्मा	राजगढ	भिण्ड
149.	आरक्षक 1015 मनीष	राजगढ	मंदसौर
150.	आरक्षक 1016 प्रदीप नरवरिया	धार	शिवपुरी
151.	आरक्षक 1023 संजय वास्कले	विदिशा	खण्डवा
152.	आरक्षक 1024 प्रतिभा शर्मा	मुरैना	भोपाल नगरीय
153.	आरक्षक 1028 राहुल लोधी	राजगढ	शिवपुरी
154.	आरक्षक 1043 अरूण पोरवाल	रतलाम	इन्दौर नगरीय
155.	आरक्षक 1044 विनय कुमार	सागर	भिण्ड
156.	आरक्षक 1045 अतुल पटेल	खरगोन	सागर
157.	आरक्षक 1047 राजेश भाभर	सतना	झाबुआ
158.	आरक्षक 1048 भेरु सिंह चौहान	राजगढ	मंदसौर
159.	आरक्षक 1051 प्रभाकर दत्त	खरगोन	छतरपुर
160.	आरक्षक 1059 राजू कुमार सिंह	खरगोन	सतना
161.	आरक्षक 1063 बुदन कटारे	सतना	खरगौन
162.	आरक्षक 1200 भेरूलाल	मुरैना	मंदसौर
163.	आरक्षक 1201 सुरेश चौहान	मुरैना	धार
164.	आरक्षक 1226 मोहन सिंह अलावा	मुरैना	धार
165.	आरक्षक 1228 हरि सिंह	मुरैना	इंदौर नगरीय
166.	आरक्षक 1235 पिंकेश कुमार सोलंकी	मुरैना	धार
167.	आरक्षक 1249 संजय बघेल	मुरैना	अलीराजपुर
168.	आरक्षक 1250 अमर सिंह मोरी	मुरैना	अलीराजपुर
169.	आरक्षक 1251 संतोष चौहान	मुरैना	झाबुआ
170.	आरक्षक 1259 मुकेश वास्केल	मुरैना	इंदौर नगरीय
171.	आरक्षक 1261 दिलीप डुडवे	मुरैना	धार
172.	आरक्षक 1262 महेश कुमार	मुरैना	खण्डवा
173.	आरक्षक 1266 सुमेर कुमार सिंह	इंदौर नगरीय	सतना
174.	आरक्षक 1276 दुर्गाप्रसाद	मुरैना	छिंदवाडा
175.	आरक्षक 1277 महेन्द्र सोलंकी	मुरैना	बडवानी
176.	आरक्षक 1352 उमेश गेहलोत	सागर	अलीराजपुर
177.	आरक्षक 1358 रन्धौर सिंह यादव	छतरपुर	ग्वालियर
178.	आरक्षक 1374 बृजेन्द्र यादव	छतरपुर	निवाडी
179.	आरक्षक 1431 रूप सिंह जाटव	छतरपुर	अशोकनगर
180.	आरक्षक 1490 राजेश मुहारे	जबलपुर	हरदा
181.	आरक्षक 1719 हरिओम तोमर	जबलपुर	मुरैना
182.	आरक्षक 1771 दिनेश यादव	भोपाल नगरीय	छतरपुर
183.	आरक्षक 1784 गजेन्द्र जाटव	सागर	शिवपुरी
184.	आरक्षक 1785 सचिन सिकरवार	सागर	ग्वालियर
185.	आरक्षक 1809 अजय मालवीय	सागर	देवास
186.	आरक्षक 1821 राहुल सिंह	सागर	मुरैना
187.	आरक्षक 1823 साकेत सिंह यादव	सागर	नरसिंहपुर
188.	आरक्षक 1985 मुन्ना सिंह	भोपाल नगरीय	ग्वालियर
189.	आरक्षक 2222 अमित कुमार	इंदौर नगरीय	ग्वालियर
190.	आरक्षक 2262 धीरज सिंह	भोपाल नगरीय	भिण्ड
191.	आरक्षक 2459 अंशुल दुबे	इंदौर नगरीय	भोपाल नगरीय
192.	आरक्षक 2483 विकास सिंह	इंदौर नगरीय	सिंगरौली
193.	आरक्षक 2603 मुलायम सिंह कुशवाह	भोपाल नगरीय	भिण्ड
194.	आरक्षक 2657 आशीष उपाध्याय	जबलपुर	दतिया
195.	आरक्षक 2681 मोनू करारे	जबलपुर	गुना
196.	आरक्षक 2692 अरविन्द त्यागी	इंदौर नगरीय	शाजापुर
197.	आरक्षक 2725 संकल्प कामलेकर	जबलपुर	खण्डवा
198.	आरक्षक 2726 सुरजीत सिंह	जबलपुर	भिण्ड
199.	आरक्षक 2759 मुकेश चौहान	जबलपुर	बडवानी
200.	आरक्षक 2845 कालुसिंह कलेश	जबलपुर	झाबुआ
201.	आरक्षक 2847 विरेन्द्र निमाडी	जबलपुर	धार
202.	आरक्षक 2872 सोनू सिंह राजपूत	इंदौर नगरीय	मुरैना
203.	आरक्षक 2953 कैलाश सोलंकी	जबलपुर	खण्डवा
204.	आरक्षक 2956 जयप्रकाश	जबलपुर	ग्वालियर
205.	आरक्षक 2971 सोहित कुमार मिश्रा	जबलपुर	मैहर
206.	आरक्षक 3000 रामलखन रावत	जबलपुर	श्योपुर
207.	आरक्षक 3006 सुनील बघेल	जबलपुर	इंदौर नगरीय
208.	आरक्षक 3383 सोनू सिंह घोष	इंदौर नगरीय	निवाडी
209.	आरक्षक 3435 शत्रुघन ओझा	भोपाल नगरीय	निवाडी
210.	आरक्षक 3442 आकांक्षा मिश्रा	भोपाल नगरीय	निवाडी
211.	आरक्षक 3974 विजय सिंह राठोर	भोपाल नगरीय	उज्जैन
212.	आरक्षक 4035 नितिन मालवीय	भोपाल नगरीय	देवास
213.	आरक्षक 4038 राहुल पटेल	भोपाल नगरीय	इंदौर नगरीय
214.	आरक्षक 4048 विनय कुमार घोघरे	इंदौर नगरीय	पांढुर्णा
215.	आरक्षक 4057 अंकित सेंगर	भोपाल नगरीय	देवास
216.	आरक्षक 4152 विनोद कुमार	भोपाल नगरीय	ग्वालियर
217.	आरक्षक 4184 पंकज कुमार शर्मा	इंदौर नगरीय	जबलपुर
218.	आरक्षक 4245 हर्षित गौतम	इंदौर नगरीय	अनूपपुर
219.	आरक्षक 4929 हरिओम यादव	भोपाल नगरीय	सागर
220.	आरक्षक 555 शोभित शरण मिश्रा	नरसिंहपुर	भोपाल नगरीय
221.	आरक्षक 2750 पंकज चौहान	जबलपुर	मंदसौर
222.	आरक्षक 341 गणेश पहाडे	रायसेन	छिंदवाडा
223.	आरक्षक 166 राकेश सिंह	रेल इंदौर	इंदौर नगरीय
224.	आरक्षक 3862 सत्यम नायक	इंदौर	भोपाल नगरीय
225.	आरक्षक 519 गजेन्द्र कुमार	मैहर	पांढुर्ना
226.	आरक्षक 896 विकास शिवहरे	मैहर	शिवपुरी
227.	आरक्षक 1440 अंकिता भदौरिया	छतरपुर	ग्वालियर
228.	आरक्षक 3380 राजसिंह बैस	इन्दौर	मुरैना
229.	आरक्षक 2535 राजपाल सिंह	इन्दौर	भिण्ड
230.	आरक्षक 4181 अवधेश प्रताप सिंह बघेल	इन्दौर	जबलपुर
231.	आरक्षक 991 सत्यम शर्मा	देवास	ग्वालियर
232.	आरक्षक 816 सुन्दरसिंह अहोरिया	शहडोल	बडवानी
233.	आरक्षक 915 अंजेश कुमार अहिरवार	विदिशा	टीकमगढ
234.	आरक्षक 4075 लोकेश सिंह	भोपाल	ग्वालियर
235.	आरक्षक 966 रवि शर्मा	राजगढ	शिवपुरी
236.	आरक्षक 346 अर्चित सेन	रेल भोपाल	देवास
237.	आरक्षक 815 सपना तोमर	खण्डवा	ग्वालियर
238.	आरक्षक 4867 राजेश्वरी खजुरिया	भोपाल ग्रामीण	जबलपुर
239.	आरक्षक 1295 विजय मिंज	मुरैना	पीटीसी इंदौर
240.	आरक्षक 1066 विजय कुमार महावर	खरगोन	भोपाल नगरीय
241.	आरक्षक 317 योगेश सिंह	उज्जैन	ग्वालियर
242.	आरक्षक 767 केशर सिंह मोरी	सिंगरोली	झाबुआ
243.	आरक्षक 40 सुनील सूर्यवंशी	बुरहानपुर	गुना
244.	आरक्षक 1016 राजेश कुमार कोली	राजगढ	ग्वालियर
245.	आरक्षक 4148 गिर्राज सिंह तोमर	भोपाल	ग्वालियर
246.	आरक्षक 797 सुनिल अनारे	शहडोल	इंदौर नगरीय
247.	आरक्षक 651 रामेंन्द्र पाल सिंह	सागर	मुरैना
248.	आरक्षक 69 जयदेव गौतम	पन्ना	दतिया
249.	आरक्षक 783 सोनू मीना	पन्ना	भोपाल नगरीय
250.	आरक्षक 835 भारत सिंह चौहान	रायसेन	देवास
251.	आरक्षक 464 अरविंद रावत	जबलपुर	दतिया
252.	आरक्षक 755 जीवनलाल पाटीदार	पन्ना	रतलाम
253.	आरक्षक 916 अजय सिरोही	खरगोन	दतिया
254.	आरक्षक 717 मांगीलाल वर्मा	पन्ना	भोपाल नगरीय
255.	आरक्षक 149 सोविंद ठाकुर	रायसेन	विदिशा
256.	आरक्षक 260 फरेन्द्र सिंह	भोपाल	मुरैना
257.	आरक्षक 437 विजय कुमार	बुरहानपुर	मंदसौर
258.	आरक्षक 783 पुनीत शुक्ला	शहडोल	मैहर
259.	आरक्षक 1839 अजय यशपाल	इंदौर	मुरैना
260.	आरक्षक 859 दीपक जाटव	राजगढ	मुरैना
261.	आरक्षक 1936 विनय समाधिया	ग्वालियर	पीटीएस तिघरा ग्वालियर
262.	आरक्षक 41 श्याम बाबु सिंह	रेल जबलपुर	सिंगरौली
263.	आरक्षक 116 मनीष राजपूत	जे.एन.पी.ए.सागर	सागर
264.	आरक्षक 250 नितेश कुमार जामलिया	राजगढ़	शाजापुर
265.	आरक्षक 316 सोनपाल गोस्वामी	दतिया	रायसेन
266.	आरक्षक 327 अनुपी रावत	दतिया	पीटीएस तिघरा ग्वालियर
267.	आरक्षक 460 लोकेन्द्र सिंह	गुना	भोपाल नगरीय
268.	आरक्षक 621 सीमा चौहान	गुना	नीमच
269.	आरक्षक 700 योगेन्द्र सिंह	दतिया	पीटीएस तिघरा ग्वालियर
270.	आरक्षक 716 देवराज दांगी	इंदौर नगरीय	सीहोर
271.	आरक्षक 747 शीतल रघुवंशी	नर्मदापुरम	पांढुर्णा
272.	आरक्षक 870 नंदलाल कोल	ग्वालियर	सतना
273.	आरक्षक 909 विकास सिंह भदौरिया	इंदौर नगरीय	शिवपुरी
274.	आरक्षक 961 प्रदीप सिंह	दतिया	निवाडी
275.	आरक्षक 1131 रविन्द्र सिंह	ग्वालियर	मुरैना
276.	आरक्षक 2093 कैलाश गुप्ता	इंदौर नगरीय	विदिशा
277.	आरक्षक 2589 राहुल दुबे	ग्वालियर	पीटीएस तिघरा ग्वालियर
278.	आरक्षक 3656 अजित कुमार सिंह	इंदौर नगरीय	पीटीसी इंदौर
279.	आरक्षक 12 सचिन सिसोदिया	विदिशा	शाजापुर
280.	आरक्षक 47 हरिओम पाटीदार	रतलाम	मंदसौर
281.	आरक्षक 59 प्रमोद सिंह अहिरवार	पीटीएस उमरिया	सागर
282.	आरक्षक 65 अमित साहू	पीटीएस उमरिया	दमोह
283.	आरक्षक 70 ओमकार कुमरे	उज्जैन	छिंदवाडा
284.	आरक्षक 73 केशव सिंह	पीटीएस उमरिया	पीटीएस तिघरा ग्वालियर
285.	आरक्षक 489 जितेन्द्र यादव	श्योपुर	पीटीएस तिघरा ग्वालियर
286.	आरक्षक 104 अनिल कौरव	रेल इंदौर	इंदौर नगरीय
287.	आरक्षक 122 अरूण मुजाल्दा	बड़वानी	पीटीसी इंदौर
288.	आरक्षक 152 विजय मुकाती	रेल भोपाल	सीहोर
289.	आरक्षक 201 गोविंदा सेंगर	रेल इंदौर	भोपाल नगरीय
290.	आरक्षक 211 लाल सिंह मंडेलिया	शिवपुरी	भिण्ड
291.	आरक्षक 250 देवेन्द्र सिंह रघुवंशी	हरदा	पांढुर्णा
292.	आरक्षक 264 राम सोनी	आगर–मालवा	उज्जैन
293.	आरक्षक 317 रविकान्त प्रजापति	श्योपुर	पीटीसी इंदौर
294.	आरक्षक 333 संतोष शर्मा	अशोकनगर	भिण्ड
295.	आरक्षक 373 आशीष भदौरिया	खंडवा	देवास
296.	आरक्षक 381 राहुल सिंह चौहान	दतिया	राजगढ
297.	आरक्षक 396 मुकेश साहू	गुना	दतिया
298.	आरक्षक 440 मूलचंद रघुवंशी	नर्मदापुरम	पांढुर्णा
299.	आरक्षक 450 यशोदा मरावी	गुना	उमरिया
300.	आरक्षक 501 कमल किशोर	श्योपुर	इंदौर नगरीय
301.	आरक्षक 539 योगेन्द्र सिंह	झाबुआ	ग्वालियर
302.	आरक्षक 611 सोबल सिंह	सिंगरौली	इंदौर नगरीय
303.	आरक्षक 616 रंजीत सिंह	पन्ना	कटनी
304.	आरक्षक 652 राकेश खन्ना	शहडोल	बड़वानी
305.	आरक्षक 667 तेज सिंह गौड़	सीहोर	रायसेन
306.	आरक्षक 706 हरिओम सिंह तोमर	दतिया	ग्वालियर
307.	आरक्षक 738 बहादुर सिंह अलावा	गुना	देवास
308.	आरक्षक 876 सौरभ श्रीवास्तव	विदिशा	शिवपुरी
309.	आरक्षक 881 जितेन्द्र पटेल	सतना	दमोह
310.	आरक्षक 923 भारत बारिया	सतना	खरगोन
311.	आरक्षक 938 गगन सिंह मण्डलोई	सतना	बड़वानी
312.	आरक्षक 1022 विवेक सिंह तोमर	ग्वालियर	पीटीएस तिघरा ग्वालियर
313.	आरक्षक 1057 अजय कुमार रामपुरे	मुरैना	ग्वालियर
314.	आरक्षक 1086 नीरज शाक्य	रीवा	मुरैना
315.	आरक्षक 1225 संदीप सिंह राजावत	सागर	ग्वालियर
316.	आरक्षक 1390 विकास पाठक	उज्जैन	दतिया
317.	आरक्षक 1454 प्रशांत उपाध्याय	उज्जैन	अशोकनगर
318.	आरक्षक 1759 ईश्वर बिश्नोई	इंदौर नगरीय	देवास
319.	आरक्षक 1823 वीरनारायण सिंह	इंदौर नगरीय	पीटीसी इंदौर
320.	आरक्षक 2189 अनूप कुमार कुशवाहा	जबलपुर	पीटीएस रीवा
321.	आरक्षक 2257 नरेन्द्र सिंह मौर्य	जबलपुर	शिवपुरी
322.	आरक्षक 3138 रविन्द्र कुमार	इंदौर नगरीय	ग्वालियर
323.	आरक्षक 3261 पंकज शर्मा	भोपाल नगरीय	पांढुर्णा
324.	आरक्षक 3556 संतराज अहमद	भोपाल नगरीय	रायसेन
325.	आरक्षक 3837 चंद्रशेखर प्रसाद यादव	भोपाल नगरीय	कटनी
326.	आरक्षक 3870 पान सिंह धाकड़	इंदौर नगरीय	पीटीसी इंदौर
327.	आरक्षक 4831 गणेश कौशिक	इंदौर नगरीय	शिवपुरी
328.	आरक्षक 740 रजेसिंह तेकाम	गुना	जबलपुर
329.	आरक्षक 223 प्रकाश द्विवेदी	शहडोल	मउगंज
330.	आरक्षक 3282 सपना खत्री	इंदौर नगरीय	पीटीसी इंदौर
331.	आरक्षक 354 शैलेष सिंगल	गुना	दतिया
332.	आरक्षक 429 सतेन्द्र सिकरवार	दतिया	ग्वालियर
333.	आरक्षक 355 नितिन सिंह ठाकुर	शहडोल	कटनी
334.	आरक्षक 733 सुनील बघेल	शहडोल	धार
335.	आरक्षक 574 राकेश सिंह भदौरिया	रीवा	मुरैना
336.	आरक्षक 969 बनवारी प्रसाद सालवी	खरगोन	मंदसौर
337.	आरक्षक 574 योगेश खापरे	रेल इंदौर	पांढुर्ना
338.	आरक्षक 686 सचिन बुंदेला	बालाघाट	बडवानी
339.	आरक्षक 813 रणवीर मुवेल	शहडोल	बडवानी
340.	आरक्षक 337 सर्वजीत सिंह	सतना	ग्वालियर
341.	आरक्षक 838 राहुल सिंह सिकरवार	राजगढ	मुरैना
342.	आरक्षक 89 सर्वजीत सिंह भदौरिया	अलीराजपुर	भिण्ड
343.	आरक्षक 3026 रिसाल सिंह	जबलपुर	दतिया

पंचायतें विकसित होंगी तभी विकसित रीवा का सपना साकार होगा: उप मुख्यमंत्री शुक्ल

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि लंबे अंतराल के बाद पंच-सरपंचों से संवाद का स्वागत योग्य अवसर आया है। जिले के प्रभारी मंत्री श्री पटेल की पहल से ग्राम पंचायतों के विकास को गति मिलेगी। ग्राम पंचायतों का विकास होगा तभी रीवा का विकास संभव है। देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी तथा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव गांव के विकास के लिए पर्याप्त राशि प्रदान कर रहे हैं। रीवा जिले में केवल जल जीवन मिशन से ही तीन हजार करोड़ रुपए के निर्माण कार्य मंजूर किए गए हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना तथा आवास प्लस का 98 प्रतिशत लक्ष्य पूरा हो गया है। जिले में लाखों गरीब परिवारों को इनसे पक्के आवास मिले हैं। बेसहारा गायों के लिए गौशालाओं का निर्माण कराया गया है। गौशाला में प्रत्येक गाय के लिए प्रतिदिन 20 रुपए की राशि बढ़ाकर 40 रुपए कर दी गई है। स्वास्थ्य व्यवस्था को बेहतर करने के लिए 3500 डॉक्टरों और 10 हजार चिकित्सा कर्मियों की भर्ती इस माह अक्टूबर माह तक पूरी कर ली जाएगी। उप स्वास्थ्य केन्द्र तक टेलीमेडिसिन की सुविधा उपलब्ध हो गई है। पंचायत पदाधिकारियों की जो कठिनाईयाँ हैं उन्हें हल करके पंचायतों के विकास का मार्ग प्रशस्त किया जाएगा।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास और श्रम एवं रीवा जिले के प्रभारी मंत्री श्री प्रहलाद पटेल के मुख्य आतिथ्य में पंच-सरपंच सम्मेलन का आयोजन किया गया। प्रभारी मंत्री श्री पटेल ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने ग्राम पंचायतों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाकर पंच परमेश्वर की कल्पना की थी। राष्ट्रपिता की परिकल्पना में पंचायतों का कर्तव्य महत्पूर्ण था। पंचायत राज अधिनियम में कर्तव्यों के स्थान पर ग्राम पंचायतों के अधिकारों को बल दिया गया। पंचायत पदाधिकारी अपने अधिकारों के साथ कर्तव्यों पर भी ध्यान दें। विवाद और झगड़े से विकास के कार्य संभव नहीं हैं। ग्राम पंचायतों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाकर और प्रशासनिक व्यवस्था से समन्वय बनाकर ही पंचायतों का विकास होगा। ग्राम पंचायतों को गांव की साफ-सफाई, सड़कों के निर्माण, कचरा प्रबंधन, गंदे पानी की निकासी, स्वच्छ पेयजल व्यवस्था, शिक्षा के विकास, जल संरक्षण के कार्य तथा सामाजिक विकास पर ध्यान देना आवश्यक है। जब हम आम नागरिकों को सुविधाएं देंगे तो व्यवस्था बनाने के लिए टैक्स भी लगाना होगा। पंचायत पदाधिकारियों से मैं लगातार संवाद कर रहा हूँ। ग्राम पंचायत की वास्तविकताओं का मुझे पूरा एहसास है।

प्रभारी मंत्री ने कहा कि पंचायतों को सशक्त करने के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है। सरपंचों की 15 लाख रुपए की सीमा को बढ़ाकर 25 लाख रुपए कर दिया गया है। 15वें वित्त आयोग में हर पंचायत को पर्याप्त राशि दी जा रही है। राज्य वित्त आयोग से ग्राम पंचायतों को 1400 करोड़ रुपए दिए गए हैं। इस वर्ष मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इसे बढ़ाकर 6 हजार करोड़ रुपए कर दिया है। पंचायतों में अब राशि की कोई कमी नहीं है। हम जिस तरह अपने परिवार का वित्तीय प्रबंधन करते हैं उसी तरह ग्राम पंचायत का भी वित्तीय प्रबंधन करना होगा। ग्रामीण विकास से जुड़े अधिकारी पंचायतों के विकास की मंशा से कार्य कर रहे हैं। इनमें यदि कोई लापरवाही बरतेगा तो उस पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी। सरपंच और जनपद सदस्य अपनी कठिनाईयों से अवश्य अवगत कराएं। इन कठिनाईयों को दूर करके ही पंचायतों के विकास का मार्ग प्रशस्त होगा। कोरोना काल में कार्यों के बंद होने के कारण मजदूरी और मटेरियल के अनुपात में असंतुलन हो गया है। इसे विकासखण्ड स्तर से निर्धारित करके ठीक किया जा रहा है। विकास के कार्य में राशि की कोई कमी नहीं है। भवन विहीन सभी ग्राम पंचायतों को बिना मांगे पंचायत भवन तथा सामुदायिक भवन दिया जा रहा है।

पंचायत सचिवों और रोजगार सहायकों की स्थानांतरण नीति शीघ्र होगी घोषित: मंत्री पटेल

रीवा जिला योजना समिति की बैठक में कई प्रस्तावों को मंजूरी

भोपाल। पंचायत एवं ग्रामीण विकास व श्रम एवं रीवा जिले के प्रभारी मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल की अध्यक्षता में गुरूवार को जिला योजना समिति की बैठक हुई। बैठक में शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज का नाम कल्पना चावला पॉलिटेक्निक कालेज करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। मेसर्स गोकुलदास एक्सपोर्ट लिमिटेड बैंगलोर के सहयोग से शासकीय कन्या महाविद्यालय के छात्रावास में सिलाई एवं कम्प्यूटर प्रशिक्षण केन्द्र शुरू करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि ग्राम पंचायत सचिवों तथा ग्राम रोजगार सहायकों के स्थानांतरण की नीति शीघ्र घोषित होगी। इसके अनुसार ही स्थानांतरण किए जाएंगे।

मंत्री श्री पटेल ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन करें। जिले की प्रत्येक ग्राम पंचायत में इस अभियान के तहत जल संरक्षण के कार्य कराएं। जिन गांवों में गत वर्षों में पानी का संकट रहा वहाँ हैण्डपंप तथा कुओं में रिचार्ज पिट प्राथमिकता से बनाएं। अभियान में शामिल जल संरक्षण कार्यों की तकनीकी और प्रशासकीय स्वीकृति तत्काल जारी करके निर्माण कार्य तेजी से पूरा कराएं। अभियान के तहत मनरेगा से मंजूर सभी अधूरे कार्य 15 मई तक पूरे कराएं। प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान से 50 हजार से अधिक खेत तालाबों का निर्माण कराया जाएगा।प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण की समीक्षा करते हुए मंत्री श्री पटेल ने कहा कि इस योजना से रीवा जिले ही नहीं पूरे विन्ध्य में बहुत अच्छा कार्य हुआ है। नए पात्र परिवारों को योजना का लाभ देने के लिए एक लाख 72 हजार परिवार चिन्हित किए गए हैं। प्रधानमंत्री आवास प्लस योजना से प्रदेश में 27 लाख गरीब परिवारों को आवास मंजूर किए गए हैं। इसके शेष 6 लाख 50 हजार आवास शीघ्र स्वीकृत किए जा रहे हैं। उन्होंने निर्देश दिये कि ग्रामीण क्षेत्र में गरीब परिवारों को पक्के आवास के लिए सभी एसडीएम प्राथमिकता से जमीन उपलब्ध कराएं। इस योजना से मल्टी स्टोरी आवास भी बनाए जा

रीवा जिले के प्रभारी मंत्री तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग एवं श्रम मंत्री प्रहलाद पटेल आज उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल के अमहिया स्थित निज निवास पहुंचकर सौजन्य भेंट की तथा विकास कार्यों पर चर्चा की।

संपादकीय

गांधी परिवार पर चार्जशीट राजनीतिक रूप से संवेदनशील?

सोनिया गांधी, राहुल गांधी के मामले में राजनीति नई करवट ले सकती है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 'नेशनल हेराल्ड' अखबार और एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) मामले में जो आरोप-पत्र अदालत में दाखिल किया है, उसमें सोनिया गांधी को पहला और राहुल गांधी को दूसरा आरोपित बनाया गया है। गांधी परिवार के खिलाफ यह पहला आरोप-पत्र है। मोतीलाल वोरा और ऑस्कर फर्नांडीज दोनों दिवंगत नेता हैं, फिर भी ईडी ने उन्हें आरोपित बनाया है। कांग्रेस ने इस कार्रवाई के खिलाफ देश भर में विरोध-प्रदर्शन शुरू किए हैं। धनशोधन कानून के मुताबिक, गांधी परिवार के नेताओं पर सजा की तलवार लटकी है, लेकिन दोनों नेता दिसंबर, 2015 से जमानत पर हैं। वह निर्णय भी विशेष अदालत का था। जब तक अदालत नया गिरफ्तारी वारंट जारी नहीं करती, तब तक जमानत पर तत्काल संकट नहीं है। भविष्य में अदालत के फैसलों के आधार पर इसमें परिवर्तन संभव है। इसके अलावा, ईडी जुलाई, 2022 में लगातार तीन दिनों में 11 घंटे सोनिया गांधी और लगातार 5 दिनों में करीब 50 घंटे तक राहुल गांधी से सघन पूछताछ कर चुका है, लिहाजा आरोप-पत्र दाखिल करने और अदालत के संज्ञान लेने के बाद गांधी नेताओं की गिरफ्तारी संभव और प्रासंगिक नहीं लगती। अलबत्ता आरोप-पत्र में 'अपराध से अर्जित आय' 988 करोड़ रुपए मानी गई है। संबद्ध संपत्तियों का बाजार मूल्य करीब 5000 करोड़ रुपए आंका गया है। आरोप एजेएल की 2000 करोड़ रुपए की संपत्तियों पर कब्जे के लिए उसका अधिग्रहण, निजी कंपनी 'यंग इंडियन' के जरिए, मात्र 50 लाख रुपए में किए जाने का भी है। ईडी ने पीएमएलए की धारा 4 के तहत सजा भी मांगी है। इसमें 7 साल तक की जेल का प्रावधान है। यदि 25 अप्रैल को विशेष अदालत के न्यायाधीश इस आरोप-पत्र पर संज्ञान लेते हैं, तो उस दिन और ट्रायल के दौरान सोनिया-राहुल गांधी को अदालत में उपस्थित रहना होगा। इस मामले के तमाम ब्यौरे देश के सामने हैं। 2012 में डॉ. सुब्रह्मण्यम स्वामी ने अदालत में याचिका दी थी। तब केंद्र में कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार थी। सवाल है कि करीब 13 साल के बाद एक आरोप-पत्र दाखिल क्यों किया गया? सघन पूछताछ के भी तीन साल गुजर चुके हैं, लिहाजा ऐसे अतिविशिष्ट मामले में जांच एजेंसियां इतनी लेट-लतीफी क्यों करती हैं? हरियाणा में मनोहर लाल खट्टर और नायब सिंह सैनी की 2014 से सरकार है। तब खूब शोर मचाया जाता था कि गांधी परिवार के दामाद रॉबर्ट वाड्रा को सलाखों के पीछे भेजा जाएगा। ईडी ने 15 अप्रैल को उनसे भी 6 घंटे से अधिक समय तक पूछताछ की। वाड्रा आज भी स्वतंत्र हैं। दरअसल कुछ सवाल ईडी की जांच की विश्वसनीयता और उसकी सजा-दर पर भी किए जा सकते हैं। करीब 96 फीसदी मामले विपक्षी नेताओं के ही खिलाफ क्यों दर्ज किए जाते हैं? गौरतलब यह है कि अशोक चव्हाण, नारायण राणे (दोनों महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री) सहित अजित पवार, प्रफुल्ल पटेल, हिमंता बिस्व सरमा, सुवेन्दु अधिकारी, नवीन जिन्दल सरीखे नेताओं की लंबी फेहरिस्त है, जो कभी गैर-भाजपा दलों में रहे और विभिन्न घोटालों में आरोपित हुए, लेकिन वे 'भाजपाई' हैं, लिहाजा तमाम आरोपों और जांच से मुक्त हैं। यह ईडी जैसी प्रमुख आर्थिक जांच एजेंसी की स्वायत्तता पर 'काला सवाल' है। कांग्रेस इसे ही 'प्रतिशोध की राजनीति' करार दे रही है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने गांधी परिवार पर आरोप-पत्र को प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह की 'बदले की राजनीति' के संदर्भ में देखा है और उसके खिलाफ 'सत्यमेव जयते' का नारा बुलंद किया है। बहरहाल यह मामला राजनीतिक रूप से संवेदनशील साबित हो सकता है।

'दिल्ली' ने अपनाया 'जबलपुर मॉडल' निजी स्कूलों की मनमानी से खफा 'रेखा

कौशल किशोर चतुर्वेदी

मध्यप्रदेश में डॉ. मोहन यादव के मुख्यमंत्री बनने के बाद जबलपुर कलेक्टर दीपक सक्सेना के नेतृत्व में निजी स्कूलों में मनमानी फीस बढ़ोतरी और किताब माफिया के खिलाफ जो सख्त एक्शन मई 2024 में हुआ था, उसके अच्छे परिणाम सत्र 2025 में पूरी तरह से मिल गए। जबलपुर में जहां मनमानी फीस बढ़ोतरी पर लगाम लगी है, वहीं ज्यादातर स्कूलों द्वारा एनसीईआरटी की किताबें लागू करने से अभिभावक स्कूल-किताब विक्रेता नेक्सस से मुक्ति पा चुके हैं। 8000 की किताबें-स्टेशनरी अब दो-ढाई हजार तक सिमट गई है। निजी स्कूलों की मनमानी का खात्मा करने वाला यह 'जबलपुर मॉडल' अब दिल्ली सरकार ने अपना लिया है। दिल्ली के 600 स्कूलों पर बड़ा एक?शन हो रहा है। फ?ीस बढ़ाने पर रेखा गुप?ता सरकार ने पहले चरण में 10 स्कूलों को नोटिस थमा दिया है। स्कूलों से हिसाब-किताब मांगा जा रहा है।

दिल्ली सरकार ने फीस बढ़ोतरी के मामले में 600 स्कूलों की ऑडिट रिपोर्ट ली और 10 स्कूलों को कारण बताओ नोटिस जारी कर मनमानी फीस बढ़ोतरी पर सख्त एक्शन लिया है। अभिभावकों ने शिक्षा निदेशालय के सामने प्रदर्शन किया। इसके बाद दिल्ली में स्कूलों द्वारा की गई फीस बढ़ोतरी के मामले में दिल्ली सरकार ने बहुत बड़ा कदम

उठाया है। फीस बढ़ाने के खिलाफ अभिभावकों ने शिक्षा निदेशालय के सामने प्रदर्शन किया था। दिल्ली शिक्षा निदेशालय कार्यालय के बाहर कई अभिभावकों ने विरोध प्रदर्शन कर स्कूलों द्वारा कथित रूप से बढ़ाई गई फीस को तुरंत वापस लेने तथा मामले में अधिकारियों के हस्तक्षेप की मांग की थी।दिल्ली में निजी गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों के 'लगातार और बहुत ज्यादा' फीस बढ़ाने के खिलाफ माता-पिता और अभिभावक लंबे समय से शिकायतें कर रहे हैं। उन्होंने स्कूलों पर दबाव डालने का भी आरोप लगाया है। जिसमें बोर्ड परीक्षाओं के लिए प्रवेश पत्र देने से इनकार करना और अनधिकृत शुल्क का भुगतान न करने पर विद्यार्थियों के नाम काटने की धमकी देना शामिल है।

'लूट मचाना बंद करो' और 'स्कूलों की मनमानी बंद करो, हमारी फीस कम करो' जैसे नारे लिखी तख्तियां लेकर आए अभिभावकों ने दावा किया कि फीस वृद्धि बिना किसी पूर्व सूचना या आधिकारिक मंजूरी के लागू की जा रही है। उन्होंने स्कूलों पर शिक्षा का व्यवसायीकरण करने तथा परिवारों की वित्तीय स्थिति की अनदेखी करने का आरोप लगाया। और निजी स्कूलों के बारे में सही बात यही है कि स्कूल बिना किसी नोटिस या मंजूरी के अवैधानिक रूप से फीस बढ़ा देते हैं। जब अभिभावक प्रिंसिपल से मिलने की कोशिश करते हैं, तो उन्हें या तो लौटा दिया जाता है या हफ्तों तक इंतजार कराया जाता है। और जब आखिरकार वह प्रिंसिपल से मिलते हैं, तो कहा जाता है कि अगर आप भुगतान नहीं कर सकते, तो अपने बच्चे को स्कूल से निकाल लें।' ऐसे में मजबूर और लाचार माता-पिता बच्चों की बेहतर शिक्षा-दीक्षा के सामने समझौता कर लेते हैं। और हर मुश्किल का सामना कर आर्थिक बंदोबस्त कर बच्चों को शिक्षा दिलाते हैं।

पर अब यह माना जा सकता है कि मध्यप्रदेश के जबलपुर से शुरू हुई किताब माफिया और मनमानी फीस बढ़ोतरी के खिलाफ बेहद सख्त कार्यवाही पूरे देश में आधुनिक शिक्षा क्रांति का जनक बनने जा रही है। जबलपुर में मुख्यमंत्री की मंशा पर कमान कलेक्टर दीपक सक्सेना और उनकी टीम ने संभाली थी। तो दिल्ली में कमान खुद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने संभाल ली है। और धीरे-धीरे इस आधुनिक शिक्षा क्रांति के इस 'जबलपुर मॉडल' का फैलाव पूरे देश में होने जा रहा है। और मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पूरे मध्यप्रदेश में 'शिक्षा क्रांति के जबलपुर मॉडल' को सख्ती से लागू करना ही चाहिए। ताकि शिक्षा सस्ती और सबको सुलभ हो सकेज।

तमिलनाडु के राज्यपाल के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का फैसला केरल के लिए एक बड़ी राहत

पी. श्रीकुमारन

इस बीच, तमिलनाडु ने विधायी इतिहास रच दिया जब राज्य सरकार ने सरकारी राजपत्र में 10 अधिनियमों को अधिसूचित किया, जिससे वे राष्ट्रपति या राज्यपाल की मंजूरी के बिना कानून बनने वाले पहले विधेयक बन गये। यह सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद हुआ है कि राज्य विधानसभा द्वारा पुन- अपनाये गये और राज्यपाल द्वारा राष्ट्रपति को भेजे गये इन विधेयकों को %मंजूरी% मिल गयी है।

तमिलनाडु के सन्दर्भ में राज्य विधान सभाओं द्वारा पारित विधेयकों के मामले में राष्ट्रपति और राज्यपालों के लिए कार्रवाई करने के लिए समय-सीमा तय करने वाले सुप्रीम कोर्ट के आदेश ने केरल को एक ब?ी राहत दी है। सर्वोच्च न्यायालय के ऐतिहासिक आदेश से उत्साहित केरल यह तर्क देने के लिए तैयार है कि तमिलनाडु के मामले में शीर्ष अदालत द्वारा निर्धारित सिद्धांतों को केरल के मामले में भी लागू किया जाना चाहिए और विधेयकों को राज्यपाल के समक्ष प्रस्तुत किये जाने की तिथि पर ही स्वीकृत माना जाना चाहिए।

उल्लेखनीय है कि केरल ने पहले भी पूर्व राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान के इसी तरह के कृत्यों के खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय का रुख किया था। इसने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा कई विधेयकों पर मंजूरी न देने के कृत्य के खिलाफ भी सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था।

केरल का तर्क इस प्रकार होगा – राज्यपाल द्वारा विधेयकों पर बैठे रहना और बाद में उन्हें राष्ट्रपति के पास भेजना %कानूनी रूप से त्रुटिपूर्ण% था। राज्य द्वारा इस तथ्य को उजागर किया जायेगा कि राष्ट्रपति ने विधेयकों पर सहमति न देने का कोई कारण नहीं बताया था।

तमिलनाडु के राज्यपाल के मामले में सर्वोच्च न्यायालय के आदेश की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि शीर्ष अदालत ने यह स्पष्ट कर दिया कि राष्ट्रपति को लंबित विधेयकों पर मंजूरी देने से इंकार करते समय स्पष्ट और पर्याप्त रूप से विस्तृत कारण बताने चाहिए।

केरल के मामले में राष्ट्रपति की मंजूरी का इंतजार कर रहे विधेयकों में शामिल हैं- विश्वविद्यालय कानून

(संशोधन) विधेयक, 2021; विश्वविद्यालय कानून (संशोधन संख्या 2) विधेयक, 2021; केरल सहकारी समितियां (संशोधन) विधेयक, 2022; और विश्वविद्यालय कानून (संशोधन संख्या 3) विधेयक, 2022, जिसे राज्यपाल ने राष्ट्रपति को भेजा था। इसके अलावा केरल राज्य निजी विश्वविद्यालय (स्थापना और विनियमन) विधेयक, 2025; केरल राज्य बुजुर्ग आयोग विधेयक, 2025 और केरल औद्योगिक अवसंरचना विकास (संशोधन) विधेयक, 2024 भी मंजूरी के लिए लंबित हैं।

केरल के तर्कों में एक निर्णायक बात यह होगी- तमिलनाडु के मामले में शीर्ष अदालत द्वारा तैयार किये गये दिशा-निर्देशों को अपनी शिकायतों पर लागू करने से पता चलेगा कि आरिफ मोहम्मद खान के कृत्य भी कानून की दृष्टि से गलत थे और इसलिए उन्हें रद्द किया जाना चाहिए। संयोग से, खान ने विधेयकों को राष्ट्रपति के पास भेजा था, जब उन्होंने उन्हें अध्यादेश के रूप में प्रख्यापित किया था!

महत्वपूर्ण बात यह है कि शीर्ष अदालत, जिसने राज्यपालों के लिए विधेयकों पर कार्रवाई करने के लिए समय-सीमा निर्धारित की है, ने कहा है कि संविधान के अनुच्छेद 200 के तहत उनकी भूमिका तीन विकल्पों तक सीमित थी- स्वीकृति देना, स्वीकृति रोकना या विधेयक को राष्ट्रपति के विचार के लिए आरक्षित करना।

यदि केरल के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर विधेयक को राष्ट्रपति के पास भेजने या मंजूरी न देने का निर्णय लेते हैं, तो विधेयक के उनके पास पहुंचने के एक महीने के भीतर निर्णय लेना होगा। यदि वे मंजूरी न देने का निर्णय लेते हैं, तो विधेयक को तीन महीने के भीतर राज्य विधानमंडल को वापस करना होगा। राज्यपाल विधेयक को प्राप्त करने के तीन महीने के भीतर राष्ट्रपति के पास भेजने के लिए भी सुरक्षित रखेंगे।

सुप्रीम कोर्ट ने राज्यपालों से यह भी कहा है कि वे विधानमंडल द्वारा पुनः पारित और पुनः प्रस्तुत किये गये विधेयकों को एक महीने के भीतर मंजूरी प्रदान करें। तमिलनाडु के राज्यपाल के मामले में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के आलोक में, केरल जल्द ही राज्यपाल की मंजूरी के लिए विधेयकों को प्रस्तुत करेगा।

इस बीच, तमिलनाडु ने विधायी इतिहास रच दिया जब राज्य सरकार ने सरकारी राजपत्र में 10 अधिनियमों को अधिसूचित किया, जिससे वे राष्ट्रपति या राज्यपाल की मंजूरी के बिना कानून बनने वाले पहले विधेयक बन गये। यह सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद हुआ है कि राज्य विधानसभा द्वारा पुनः अपनाये गये और राज्यपाल द्वारा राष्ट्रपति को भेजे गये इन विधेयकों को मंजूरी मिल गयी है।

एक अन्य घटनाक्रम में, केंद्रीय गृह मंत्रालय सर्वोच्च न्यायालय के 8 अप्रैल के फैसले के खिलाफ समीक्षा याचिका दायर कर सकता है, जिसमें राज्यपालों द्वारा विधायी विधेयकों को बहुत लंबे समय तक मंजूरी न दिये जाने की स्थिति में न्यायिक हस्तक्षेप की अनुमति दी गयी है।

केरल के राज्यपाल आर्लेकर ने सर्वोच्च न्यायालय के आदेश की आलोचना करके पूरे मामले में एक नया आयाम जो? दिया है, जिसे उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय के अधिकार से परे बताया है। मीडिया को दिये साक्षात्कार में आर्लेकर ने कहा कि तमिलनाडु के मामले को संविधान पीठ को भेजा जाना चाहिए था।

केरल के राज्यपाल का मानना था कि राज्यपाल द्वारा विधेयकों को मंजूरी देने के लिए समय-सीमा तय करना संविधान संशोधन के समान है, जो संसद का विशेषाधिकार है। राज्यपाल को एक निश्चित समय के भीतर कार्य करने के लिए कहने का संविधान में कोई प्रावधान नहीं है।

आर्लेकर की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए केरल के कानून मंत्री पी. राजीव ने कहा कि राज्यपाल को सर्वोच्च न्यायालय के फैसले की आलोचना करने का पूरा अधिकार है। हालांकि, उन्होंने तर्क दिया कि सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय देश का कानून है, तथा सर्वोच्च न्यायालय को संसद द्वारा किये गये संवैधानिक संशोधनों की वैधता की समीक्षा करने का भी अधिकार है।

नई विश्व संरचना में विरासत एवं विकास का समन्वय अपेक्षित

ललित गर्ग

विश्व धरोहर दिवस अथवा विश्व विरासत दिवस मानव सभ्यता के इतिहास और विरासत को एक साथ सम्मान देने एवं ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थलों के संरक्षित करने के लिए हर साल 18 अप्रैल को मनाया जाता है। जिसका उद्देश्य सांस्कृतिक परिदृश्यों और संरचनाओं का जश्न मनाना और उन पर ध्यान आकर्षित करना है, जो व्यक्तियों, समुदायों और राष्ट्रों के जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। संयुक्त राष्ट्र की संस्था यूनेस्को की पहल पर एक अंतर्राष्ट्रीय संधि की गई जो विश्व के सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक धरोहरों के संरक्षण हेतु प्रतिबद्ध है। यह संधि सन् 1972 में लागू की गई। प्रारंभ में मुख्यतः तीन श्रेणियों में धरोहर स्थलों को शामिल किया गया। पहले वह धरोहर स्थल जो प्राकृतिक रूप से संबद्ध हो अर्थात प्राकृतिक धरोहर स्थल, दूसरे सांस्कृतिक धरोहर स्थल और तीसरे मिश्रित धरोहर स्थल। वर्ष 1982 में इकोमार्क नामक संस्था के ट्यूनिशिया में अंतर्राष्ट्रीय स्मारक और स्थल दिवस में यह बात उठी कि विश्व भर में विरासत दिवस का आयोजन किया जाना चाहिए। यूनेस्को के महासम्मेलन में इसके अनुमोदन के पश्चात विश्व धरोहर दिवस के रूप में मनाने के लिए घोषणा की गई। हर साल धरोहर दिवस की एक खास थीम होती है। साल 2024 में विश्व विरासत दिवस की थीम विविधता की खोज और अनुभव थी। वहीं इस साल थीम है आपदाओं और संघर्षों से खतरे में पड़ी विरासतः आईसीओएमएस की 60 वर्षों की कार्रवाइयों से तैयारी और सीख। यह थीम गौरवशाली अतीत में विश्व संस्कृतियों की सुंदरता को बढ़ाने एवं संरक्षित के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

दुनिया के तमाम देशों में कई सांस्कृतिक और प्राकृतिक धरोहरें हैं, जिन्हें यूनेस्को ने विश्व विरासत घोषित किया है। इनमें से आठ ऐसी विश्व धरोहर हैं जो पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा प्रसिद्ध और लोकप्रिय हैं। जिनमें मिस्र में मौजूद गी?ा का 'ग्रेट पिरामिड' आज भी रहस्य बना हुआ है। 481 फीट ऊंचा यह पिरामिड विश्व के आठ प्राचीन अजूबों में शामिल है और माना जाता है कि इसे चांद से भी देखा जा सकता है। माचू पिच्चू, पेरू यह ऐतिहासिक स्थल पेरू की पहाड़ियों पर बसा है और रहस्यमयी और खूबसूरत माचू पिच्चू को 'इंकाओं का खोया हुआ शहर' भी कहा जाता है। चीन की महान दीवार दुनिया की सबसे लंबी दीवार है, जिसकी लंबाई करीब 21,196 किलोमीटर है। यह दीवार कई राजाओं और साम्राज्यों द्वारा रक्षा के लिए बनाई गई थी। आगरा का ताजमहल मोहब्बत एवं प्रेम की सबसे खूबसूरत मिसाल है। इसे शाहजहाँ ने अपनी पत्नी मुमताज की याद में बनवाया था। यह सफेद संगमरमर की इमारत भारत की सबसे मशहूर धरोहरों में से एक है। क्राइस्ट द रिडीमर, ब्राजील रियो डी जेनेरियो में स्थित यीशु की यह विशाल प्रतिमा 30 मीटर ऊंची है। यह प्रतिमा न सिर्फ धार्मिक प्रतीक है, बल्कि शहर का प्रमुख पर्यटन स्थल भी है। पेट्रा, जॉर्डन रेगिस्तान के बीच स्थित पेट्रा शहर अपनी अनोखी लाल पत्थर की इमारतों और मंदिरों के लिए जाना जाता है। इसकी वास्तुकला और नक्काशी पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देती है। कोलोसियम, रोम (इटली) प्राचीन रोम के सम्राटों द्वारा बनवाया गया यह विशाल अखा?ा कभी ग्लैडिएटरों की लड़ाई का गवाह था। यह आज भी रोम की पहचान बना हुआ है और विश्व धरोहर सूची में शामिल है। चिचेन इट्जा, मेक्सिको यह माया सभ्यता का प्रमुख धार्मिक स्थल रहा है। यहां बना 'एल कैस्टिलो' पिरामिड देखने लायक है। चिचेन इट्जा को मेक्सिको का सबसे संरक्षित पुरातात्विक स्थल माना जाता है।

भारत में ऐतिहासिक, प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों से समृद्ध है। भारत में 43 यूनेस्को आधारित विश्व धरोहर स्थल हैं। इनमें से 35 सांस्कृतिक हैं, सात प्राकृतिक हैं और कंचनजंगा राष्ट्रीय उद्यान एक मिश्रित स्थल है। 62 अन्य संभावित सूची में हैं, यहाँ ऐतिहासिक स्थलों का खजाना है जो इसकी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाता है। 2024 में, असम से चराइदेव मोइदम विश्व धरोहर सूची में शामिल होने वाली नवीनतम भारतीय प्रविष्टि बन गई। अहोम राजघरानों के द?न टीलों में गुंबददार कक्ष हैं, जो अक्सर दो-मंजिला होते हैं और जहां मेहराबदार मार्गों से पहुँचा जा सकता है। इन कक्षों में, मृतक को उनके सामान, जिसमें कपड़े और आभूषण, हथियार,

फर्नीचर और दैनिक उपयोग की अन्य वस्तुओं के साथ सुरक्षित रखा गया है।

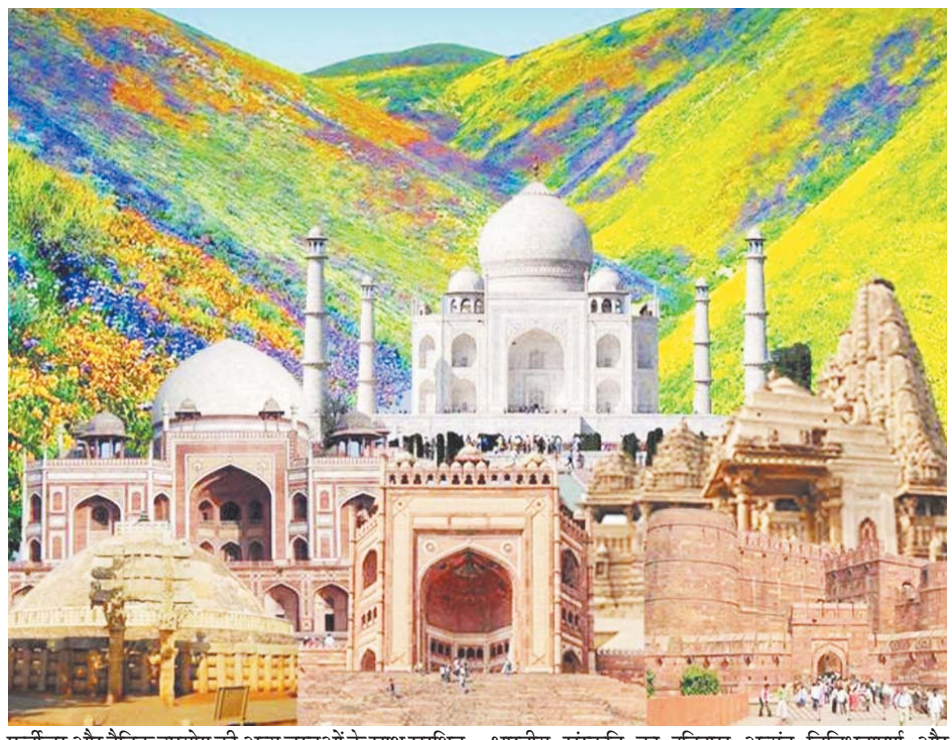

विश्व विरासत दिवस सिर्फ हमारे जीवन में खुशियों के पलों को लाने में ही मदद नहीं करता बल्कि यह देश के सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनैतिक और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका का माध्यम भी है। यह पर्यटन को प्रोत्साहन देने का सशक्त माध्यम है। भारत की अर्थव्यवस्था पर्यटन-उद्योग के इर्द-गिर्द घूमती रही है। भारत की विरासत विश्व में सबसे प्राचीन और समृद्ध विरासतों में से एक मानी जाती है। ह?ारों वर्षों से यह भूमि सांस्कृतिक, धार्मिक, प्राकृतिक और ऐतिहासिक दृष्टिकोण से अनेक महान परिवर्तनों एवं प्रगतियों की साक्षी रही है। भारतीय संस्कृति का इतिहास अत्यंत विविधतापूर्ण और बहुआयामी है, जिसने न केवल भारत बल्कि समग्र मानवता को गहराई से प्रभावित किया है। भारत की विकास यात्रा का इतिहास रोमांचक और प्रेरणादायक रहा है। स्वतंत्रता के बाद देश को एक ऐसे रास्ते पर चलना था जहाँ उसे पुनर्निर्माण के साथ-साथ आधुनिकता की ओर कदम ब?ाना था। वर्तमान में भारत विश्व की प्रमुख आर्थिक एवं प्रौद्योगिकीय शक्तियों में से एक है, लेकिन यह यात्रा आसान नहीं थी। स्वतंत्रता के बाद भारत को न केवल अपने सामाजिक और आर्थिक ढाँचे को पुनर्स्थापित करना था, बल्कि उसे एक ऐसे लोकतांत्रिक देश का निर्माण करना था जो अपने नागरिकों को समान अवसर और अधिकार प्रदान कर सके। इस वर्ष गणतंत्र दिवस की थीम 'स्वर्णिम भारत- विकास के साथ विरासत' है। यह थीम देश की विरासत को संभालते हुए भारत की प्रगति की यात्रा को दर्शाती है। भारत अपनी सुंदरता के लिए पूरे विश्व में प्रसिद्ध है।

राजस्थान भारत का एक राज्य है जो विश्व विरासत का समृद्ध केन्द्र है, यह पर्यटन के लिए सबसे समृद्ध राज्य माना जाता है। राजस्थान की पुरातात्विक विरासत या सांस्कृतिक धरोहर केवल दार्शनिक, धार्मिक, सांस्कृतिक स्थल के लिए नहीं है बल्कि यह राजस्व प्राप्ति का भी स्रोत है। यूं तो भारत के सभी राज्यों में समृद्ध विरासत देखने को मिलती है। पर्यटन क्षेत्रों से कई लोगों की रोजी-रोटी भी जुड़ी है। प्राकृतिक सुंदरता और महान इतिहास से संपन्न राजस्थान में पर्यटन उद्योग समृद्धिशाली है। राजस्थान देशीय और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों, दोनों के लिए एक सर्वाधिक आकर्षक पर्यटन स्थल है। भारत की सैर करने वाला हर तीसरा विदेशी सैलानी राजस्थान देखने ?रूर आता है। जयपुर के महल, उदयपुर की झीलें और जोधपुर, बीकानेर तथा जैसलमेर के भव्य दुर्ग भारतीय और विदेशी सैलानियों के लिए सबसे पसंदीदा जगहों में से एक हैं। इन प्रसिद्ध विरासत स्थलों को देखने के लिए यहाँ हजारों पर्यटक आते हैं। जयपुर का हवामहल, जोधपुर, बीकानेर और जैसलमेर के धोरे काफी प्रसिद्ध हैं। जोधपुर का मेहरानगर दुर्ग, सवाई माधोपुर का रणथम्भोर दुर्ग एवं चित्तौगढ़ दुर्ग काफी प्रसिद्ध है। यहाँ शेखावटी की कई पुरानी हवेलियाँ भी हैं जो वर्तमान में हैरीटेज होटलें बन चुकी हैं।

विश्व विरासत दिवस केवल उत्सव मनाने का दिन नहीं है, बल्कि चिंतन, कार्रवाई और प्रतिबद्धता का दिन है। इस अवसर का उपयोग सभी के लाभ के लिए अपने सांस्कृतिक धरोहर और प्राकृतिक संरक्षण में योगदान देना है। यह वैश्विक आयोजन सांस्कृतिक धरोहर के प्रति चिंतन करता है और इन अमूल्य खजानों के साथ जुड़ाव को प्रोत्साहित करता है। यह भविष्य की पीढ़ियों के लिए इन सांस्कृतिक, प्राकृतिक, ऐतिहासिक स्थलों को संरक्षित और सुरक्षित रखने के महत्व को पहचानने, दुनिया भर में उनकी सुंदरता, ऐतिहासिक महत्व और सांस्कृतिक महत्व के लिए सराहना को बढावा देने का अवसर है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म. प्र. ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

धर्मशाला के लिए ढाई करोड़ रुपए की जमीन दान की समाज ने किया सम्मान

आष्टा। राठौर समाज के लिए बहुत बड़ी खुशखबरी आज का दिन श्री क्षत्रिय राठौर समाज आष्टा के लिए बहुत बड़ासौभाग्यशाली दिन मनोज राठौर पिता शांति लाल राठौर द्वारा राठौर समाज को एक एकड़ जमीन दान दी जिसकी कीमत लगभग दो करोड 50,000,00 लाख रुपए है नेशनल हाइव से 752 से लगी हुई जमीन है एवं ओर बाकी की बची जमीन 8 एकड़ 5 साल के लिए खेती करने के लिए श्री क्षत्रिय राठौर समाज को दी गई पूरा राठौर समाज आपका हमेशा आभारी रहेगा राठौर समाज के ऐसे प्रेरणादायक समाजसेवी आदरणीय चाचा स्वर्गीय श्री श्री शांति लाल जी के चरणों में मैं कोटि-कोटि नमन करता हूं और मनोज जी राठौड़ और उनके पूरे परिवार को नमन करता हूं उनके इस निर्णय से आगे भी समाज को प्रेरणा मिलेगी वह समाज के अन्य व्यक्ति भी इस तरह के कार्य के लिए आगे आएंगे। पूरा राठौर समाज आपके साथ रहेगा।

वनमंडलाधिकारी के प्रयास से 36 बेरोजगार युवाओं को मिला रोजगार का अवसर

सांध्य प्रकाश बैतूल। दक्षिण वन मंडल के डीएफओ विजयानन्तम टी.आर. के अथक प्रयासों और मार्गदर्शन में दक्षिण वन मंडल के अंतर्गत आने वाले परिक्षेत्र ताप्ती,आमला, मुलताई, भैसदेही, सावलमेंढा एवं आठनेर से कुल 36 ग्रामीण बेरोजगार युवाओं को एलएंडटी लखनादौन, सिवनी में निःशुल्क कौशल उन्नयन प्रशिक्षण हेतु भेजा गया। प्रशिक्षण के बाद इन युवाओं को एलएंडटी कंपनी में प्रतिमाह 15 से 20 हजार रुपये के वेतन पर प्लेसमेंट भी दिया जाएगा। इससे युवाओं की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। उनके सामाजिक स्तर में भी सुधार आएगा और वे आत्मनिर्भर बन सकेंगे। इस कार्य में युवाओं को प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए प्रेरित करने में उपवन मंडल अधिकारियों एवं संबंधित वन परिक्षेत्र अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। ग्रामीण युवाओं का चयन कर इस प्रकार का सुनियोजित अवसर देना वन विभाग की एक सराहनीय पहल मानी जा रही है, जिससे उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव की आशा की जा रही है।

नगरपालिका परिषद् द्वारा कराया गया 85 जोड़ों का सामूहिक विवाह

खरगोन। शासन की मुख्यमंत्री कन्यादान योजनांतर्गत 16 अप्रैल को सर्व समाज वर्ग की कन्याओं का सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन

कपास मण्डी आनंद नगर खरगोन में संपन्न हुआ। इस सामूहिक विवाह कार्यक्रम कुल 85 जो?ों का विवाह संपन्न हुआ है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायक श्री बालकृष्ण पाटीदार, नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती छाया अरूण जोशी, नगरपालिका उपाध्यक्ष श्री भोलू कर्मा, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्री बीएस कलेश, सामाजिक न्याय विभाग के उपसंचालक श्री धर्मेन्द्र गांगले, मुख्य नगरपालिका अधिकारी श्री एमआर निगवाल, इंजीनियर श्री केके जोशी, राजस्व अधिकारी श्री महेश वर्मा, श्री राजेन्द्र चौहान सहित समस्त अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

नरवाई जलाने पर 7 व्यक्तियों पर एफआईआर दर्ज

सिवनी। कृषि विभाग द्वारा जिले में नरवाई जलाने को लेकर प्रतिबंधात्मक आदेश जारी होने के उपरांत भी खेत की नरवाई जलाना पाया जाने पर ग्राम बींझावाड़ा के 07 व?यक्तियों पर एफआईआर दर्ज कराई गई है।जिसमें शिवकुमार बघेल, दिलिप बघेल, नितिन बघेल, शेरसिंह बघेल, ओंम बघेल, दिपक बघेल तथा दिलेर सिंह बघेल पर एफआईआर दर्ज की गई है। उल?लेखनीय है कि नरवाई जलाने से आगजनी की घटनाओं तथा पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभाव के मद्देनजर कलेक?टर एवं जिला दण?डाधिकारी सिवनी के आदेश क्रमांक 1990/एचडब?लू/2025 दिनांक 17 मार्च 2025 के माध्यम से भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 अंतर्गत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किये गए हैं।

आयुष अस्पताल बनकर तैयार: सीएम डॉ. मोहन सिंधिया करेंगे शुभारंभ, मई में होगा उद्घाटन

इंदौर। मध्य प्रदेश के इंदौर में सबसे बड़ा आयुष अस्पताल बनकर तैयार हो गया है। इसका उद्घाटन मई के महीने में होगा। प्रदेश के सीएम डॉ मोहन यादव और केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया इस हॉस्पिटल का शुभारंभ करेंगे। जल संसाधन मंत्री ने अस्पताल का निरीक्षण कर अधिकारियों को जरूरी दिशा निर्देश दिए हैं।

इंदौर के मांगलिया क्षेत्र में बना 60 बिस्तरों वाला शासकीय आयुष (आयुर्वेद) चिकित्सालय अब उद्घाटन के लिए तैयार है। लगभग 6 करोड़ रुपये की लागत से तैयार इस अस्पताल का शुभारंभ मई महीने में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की मौजूदगी में किया जाएगा। गुरुवार को जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट ने अस्पताल भवन का निरीक्षण किया और चल रहे कार्यों की समीक्षा की।

उन्होंने बताया कि भवन का सिविल वर्क पूरा हो चुका है और अब मशीनें और जरूरी मेडिकल उपकरण लगाने का काम अंतिम चरण में है। मंत्री सिलावट ने कहा कि यह अस्पताल न सिर्फ ग्रामीणों के लिए बड़ी सुविधा साबित होगा, बल्कि यह स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में एक नई पहचान भी बनाएगा। उन्होंने अस्पताल में 10 एसी लगाने और एक एंबुलेंस उपलब्ध कराने की घोषणा की।

साथ ही परिसर में बगीचा विकसित करने और पास के नाले के सौंदर्यीकरण के निर्देश भी दिए। अस्पताल में पंचकर्म, योग, सोनोग्राफी, एक्स-रे, पैथोलॉजी, प्रसव जैसी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। मंत्री ने अस्पताल में सीटी स्कैन मशीन भी लगाने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

इसी दिन मंत्री सिलावट ने सांवेर क्षेत्र के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र डकाच्या का भी निरीक्षण किया। स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर करने के लिए केंद्र का अपग्रेडेशन किया जा रहा है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन से इसके लिए 1.59 करोड़ रुपये की मंजूरी मिल चुकी है। केंद्र में वार्ड, लैब, ओटी, लेबर रूम, रिकॉर्ड रूम, और वेटिंग एरिया जैसी सुविधाएं तैयार की जा रही हैं।

जल गंगा संवर्धन अभियान, गांव की बच्चियों ने हाथों में मेहंदी रचाकर पानी बचाने के लिए लोगों को किया जागरुक

छतरपुर जिले में कलेक्टर पार्थ जैसवाल के निर्देशन में जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत आमजन को जल संरक्षण जागरूकता शपथ, जलाशयों में श्रमदान कर स्वच्छता कार्य सहित जल की महत्वता पर जन चौपालों के माध्यम से परिचर्चाएं की जा रही है। विगत दो दिवसों में जल गंगा संवर्धन में ग्राम पंचायत पहाड़ी मैमारू में ग्रामीण लोगों की बैठक कर लोगों को तालाबों, कुएं एवं बाव?यों की सफाई करने के लिए प्रेरित किया गया और श्रमदान करने की शपथ दिलाई गई। साथ ही गांव की बच्चियों ने जल गंगा संवर्धन अभियान चलने पर हाथों में मेहंदी लगाकर लोगों को जागरूक किया। इस जागरूकता बैठक में परामर्शदाता वंदना तिवारी, समाजसेवी रितमता सक्सेना और सीएमसीएलडीपी छात्र उपस्थित रहे। साथ ही जल गंगा संवर्धन अभियान में प्रताप सागर तालाब की सफाई अभियान का कार्यक्रम कराया गया। कार्यक्रम में विशेष रूप से नवांकुर संस्था से अनूप तिवारी, हाइड्रोलॉजिस्ट राहुल दुबे, कृषि विशेषज्ञ इरशाद खान, नामांकित संस्था से नेहा तिवारी एवं उनकी टीम में शिप्रा तिवारी, प्रीति पांडे, परामर्शदाता वंदना तिवारी, एमएसडब्ल्यू बस स्टूडेंट के सहयोग से प्रताप सागर सरोवर की सफाई कार्य किया गया।

पत्रकारों की सुरक्षा को लेकर पत्रकारों ने सौंपा ज्ञापन

मप्र में भी लागू हो छत्तीसगढ़ जैसा पत्रकार सुरक्षा कानून

मंडला। लोकतंत्र का चौथा स्तंभ इस समय संकट में है। इस स्तंभ को चकनाचूर करने के लिए मध्य प्रदेश के मंडला जिले में लगातार साजिश की जा रही है। लगातार पत्रकार साजिश का शिकार हो रहे हैं।पत्रकारों के साथ मारपीट की घटनाएं झूठे केस में फसाने और कई तरह से प्रताड़ित करने की घटनाएं अब आम बात हो गई है।जो पत्रकार जनहित में जिले में काम कर रहे हैं।जन समस्याओं को प्रकाशित कर शासन प्रशासन का ध्यान आकर्षण करा रहे हैं सरकारी योजना में हो रही गड़बड़ी को उजागर कर रहे हैं उन्हें जिले में निशाना बनाया जा रहा है।पिछले दिनों मध्य प्रदेश के मंडला जिले की जनपद पंचायत नैनपुर क्षेत्र की पंचायत में एक पत्रकार के साथ सामूहिक रूप से मारपीट की गई और झूठा आरोप लगाकर शिकायत की और आपस में राजीनामा करने का दबाव बना लिया।मंडला के पत्रकारों ने जिले के पुलिस अधीक्षक को इस आशय का ज्ञापन सौंपा है कि सही जांच पड़ताल की जाए और दोषियों पर कार्यवाही की जाए साथ में मांग की गई है कि पत्रकारों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाए,जिस तरह से निकटवर्ती राज्य छत्तीसगढ़ में पत्रकार सुरक्षा कानून लागू हुआ है।उसी तरह से मध्य प्रदेश में पत्रकारों की सुरक्षा के लिए कानून लागू किया जाए। पत्रकार आलोक जैन,सावन सिंह ठाकुर, राजेश यादव, सुरेन्द्र श्रीवास, विजय साहू, हरवंश ठाकुर, शंभू शुक्ला, टीकाराम चौधरी, संजय ताम्रकार, प्राशांत पटेल मौजूद रहे।

राज्यपाल 19 अप्रैल को प्रतापगढ़ में संविधान गौरव सम्मान कार्यक्रम में होंगे सम्मिलित

राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग के सदस्य कानूनगो ने प्रतापगढ़ का भ्रमण

औबेदुल्लागंज (संवाददाता)। राज्यपाल मंगुभाई पटेल 19 अप्रैल को जिले की सिलवानी तहसील के ग्राम प्रतापग? में आयोजित संविधान गौरव सम्मान कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। राज्यपाल मंगुभाई पटेल 19 अप्रैल को प्रातः 10.50 बजे ग्राम प्रतापग? पहुचेंगे और यहां प्रातः 11 बजे से दोपहर 12 बजे तक संविधान गौरव सम्मान कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। इसके उपरांत ग्राम प्रतापग? में विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों के आवासों का भ्रमण कर संवाद करेंगे। राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग के सदस्य प्रियंक कानूनगो द्वारा गुरूवार को प्रतापग? का भ्रमण कर कार्यक्रम की तैयारियों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ अंजू पवन भदौरिया द्वारा उन्हें कार्यक्रम की तैयारियों से अवगत कराया गया। प्रियंक कानूनगो द्वारा सिलवानी स्थित विश्राम गृह में पत्रकारगणों से राज्यपाल के आगमन तथा कार्यक्रम की रूपरेखा के संबंध में चर्चा भी की गई।

प्रदेश की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी कैबिनेट मंत्री एवं भाजपा जिला अध्यक्ष ने प्रकट किया आभार

मप्र के मुखिया डॉ मोहन यादव के मंडला आगमन पर हुए विभिन्न कार्यक्रम संपन्न

मण्डला। मध्य प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के मंडला आगमन पर आयोजित कार्यक्रमों में लाडली बहन योजना अंतर्गत 1.27 करोड़ लाडली बहनों को 1552.38 करोड़ राशि का वितरण,1100 जोड़ों का सामूहिक विवाह,सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना अंतर्गत 56 लाख से अधिक हितग्राहियों को 340 करोड़ रुपए से अधिक की राशि हस्तांतरण, 450 रुपए में गैस सिलेंडर रिफिल योजना अंतर्गत 25 लाख से अधिक बहनों के खाते में 57 करोड़ रुपए से अधिक की राशि अंतरण और लगभग 232 करोड़ रुपए की लागत के 66 विकास कार्यों के लोकार्पण और शिलान्यास कार्यक्रम में पधारे समस्त आगंतुक जनों,कार्यक्रम के सफलतापूर्वक संचालन की व्यवस्था में भूमिका निभाने वाले सदस्यों,स्थानीय निकायों के जनप्रतिनिधियों,भाजपा के पदाधिकारियों ,कार्यकर्ताओं एवं कार्यक्रम में पधारे जनसमूह का कैबिनेट मंत्री श्रीमती संपतिया उइके एवं भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा ने आभार व्यक्त किया।

लाडो अभियान के तहत जिला प्रशासन की अपील,नाबालिगों की शादी नहीं करें

छतरपुर। कलेक्टर पार्थ जैसवाल ने जिले के लोगों से 30 अप्रैल 2025 को अक्षय तृतीया एवं विशेष तिथियों पर होने वाले विवाहों में बाल विवाह नहीं करने की अपील आम जनता से की है। बाल विवाह होने की सूचना निकटतम थाने सहित आंगनवाढ़ी कार्यकर्ता, निर्धारित टोल-फ्री नम्बर एवं संबंधित परियोजना कार्यालय में दें। जिला महिला बाल विकास अधिकारी राजीव सिंह ने लाडो अभियान के तहत बाल विवाह को रोकने के लिये सामूहिक विवाह करवाने वाले आयोजकों, प्रिंटिंग प्रेस ऑनर्स, हलवाई, सामाजिक धर्म गुरूओं, मैरिज हाउस के मालिकों से अपील की है कि बालक एवं बालिकाओं के बालिक होने संबंधी प्रमाण पत्र प्राप्त करने के बाद ही सेवाएं प्रदान करें। मुद्रकों से अपील की गई है कि वैवाहिक पत्रिका में स्पष्ट रूप से उल्लेख करें कि वर-बधु बालिक है। आयु प्रमाण के लिये स्कूल की अंकसूची, जन्म प्रमाण पत्र एवं आंगनवा?ी केन्द्र के रिकार्ड से मिलान करें। इसके लिये मेडिकल बोर्ड द्वारा जारी आयु प्रमाण पत्र मान्य किया जाएगा। बाल विवाह रोकने के लिये महिला बाल विकास कार्यालय में जिला स्तरीय नियंत्रण कक्ष बनाया गया है। जिसका दूरभाष क्र. 07682-243590, मोबाइल नम्बर 8516841808 सहित चाइल्ड हेल्प लाइन नम्बर 1098 के अलावा डायल 100 पर भी सूचना दी जा सकेगी। राजनगर में रजनी शुक्ला के मोबाइल नम्बर 9343219162, बिजावर के लिए राजकुमार बागरी 7389856220, बक्स्वाहा हेमलता सिंह 8269722375, ईशानगर के लिए कृपाल आठिया 6266078721, के मोबाइल नंबर 9165848289 पर बाल विवाह संबंधी सूचना दी जा सकती है।

खनिज माफियाओं के विरुद्ध जिला प्रशासन छतरपुर ने एक बार फिर कार्रवाई की

छतरपुर। जिला प्रशासन छतरपुर द्वारा जिले में अवैध रूप से खनिज भण्डारण और परिवहन पर लगातार कार्यवाहियां कर शिकंजा कसा जा रहा है। कलेक्टर पार्थ जैसवाल द्वारा विगत बुधवार को 5 अनावेदकों के खिलाफ अवैध रूप से उत्खनन, परिवहन व भंडारण करने पर खनिज विभाग में दर्ज प्रकरणों में प्रतिवेदन के आधार पर कुल 1 लाख 66 हजार 322 रुपए राशि की पेनाल्टी अधिरोपित कर सम्बन्धित को पेनाल्टी राशि जमा कराने के आदेश दिए गए है। जिसके अंतर्गत सभी अनावेदक के वाहन ट्रेक्टर द्वारा अवैध उत्खनन, परिवहन व भंडारण परिवहन करते पाए जाने पर वाहन जब्त कर मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन, तथा भण्डारण का निवारण) नियम 2022 के नियम 18 (2) के उप-नियम (1) के प्रावधानों के अंतर्गत निराकरण के लिए प्रतिवेदन प्राप्त हुआ था। उक्त सम्बंधित पर प्रकरण दर्ज कर संबंधित को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए थे। जिसके जवाब अनावेदक वाहन चालकों ने उपस्थित होकर दिए और बगैर ईटीपी खनिज उत्खनन, परिवहन व भंडारण के अपराध को स्वीकार किया। उपरोक्त प्रकरणों में कलेक्टर श्री जैसवाल द्वारा संबंधित के विरुद्ध पेनाल्टी राशि अधिरोपित कर अनावेदक वाहन चालकों द्वारा अर्थशास्ति व प्रशनन की राशि का भुगतान कर देने के उपरांत प्रकरण का प्रशमन कर वाहन मुक्त करने का खनिज विभाग को निर्देश दिया है।

अनाधिकृत रूप से बबरिया तालाब से सिंचाई के लिए पानी ले रहे व्यक्तियों की मोटर जब्त

सिवनी। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सिवनी सुश्री मेघा शर्मा के निर्देशन में जल संकट के समय अनाधिकृत रूप से बबरिया तालाब से मोटर पम्प के द्वारा सिंचाई के लिए पानी ले रहें हेमराज बघेल, हेमकरन सनोड़िया एवं रक्षित विश्वकर्मा की दल द्वारा मोटर एवं पाईप जप्ती की कार्यवाही की गई। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी सिवनी सुश्री संस्कृति जैन के जल संकट निवारण के लिए नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 अंतर्गत जारी प्रतिबंधात्मक आदेश का उल्लंघन कर उक्त व्यक्तियों द्वारा बबरिया तालाब में मोटर डाल कर फसल सिंचाई की जा रही थी।

सोनिया , राहुल पर ईडी की कार्यवाही का इटारसी में विरोध

सांध्य प्रकाश इटारसी। मोदी सरकार के इशारे पर ईडी द्वारा कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी और लोकसभा में प्रतिपक्ष सदस्य राहुल गांधी व अन्य कांग्रेस नेताओं पर विद्वेषपूर्ण कार्यवाही के विरोध में कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता गुफरान अंसारी, कांग्रेस सेवादल यंग ब्रिगेड प्रदेशाध्यक्ष गजानन तिवारी ,पूर्व नगर कांग्रेस अध्यक्ष पंकज राठौर के नेतृत्व में जयस्तंभ चौक पर धरना प्रदर्शन किया गया।

धरना प्रदर्शन को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय प्रवक्ता युवा कांग्रेस गुफरान अंसारी ने कहा कि आजादी की लड़ाई में प्रमुख भूमिका निभाने वाले समाचार पत्र नेशनल हेराल्ड मामले में सरकार द्वारा कार्यवाही की जा रही है उसमे ई डी के द्वारा कोई कार्यवाही बनती ही नहीं है पर मोदी सरकार कांग्रेस के नेताओं के प्रश्न से घबरा कर झूठे प्रकरण बना कर दबाव बना रही है ।

कांग्रेस सेवादल यंग बिग्रेड प्रदेश अध्यक्ष गजानन तिवारी ने कहा कि हमने पिछले साल में ई डी की कार्यवाही के विरोध में दिल्ली में सप्ताह भर पूरे प्रदेश के साथियों के साथ प्रदर्शन किया था। राष्ट्रीय सेवादल के अध्यक्ष लालजी भाई देसाई ने नारा दिया था न डरे न डरते है गांधी उनको कहते है,और मंच से चेतावनी देते हुए कहा कि गांधी परिवार सहित पूरे देश के कांग्रेस जन जेल भरो आंदोलन के लिए तैयार है, तुम्हारी जेल में इतनी जगह नहीं जितने लोग सोनिया गांधी और राहुल गांधी के समर्थन में जेल भरो आंदोलन के लिए तैयार होंगे। देश सहित पूरे प्रदेश और इटारसी के सभी कांग्रेस परिवार के साथी कंधे से कंधा मिलाकर गांधी परिवार और कांग्रेस के साथखड़े हैं ।पूर्व नगर कांग्रेस अध्यक्ष पंकज राठौर ने कहा कि मोदी सरकार सिर्फ विपक्ष व कांग्रेस के नेताओं को ही जबरन निशाना बना कर असल मुद्दो से ध्यान भटका रही है मोदी सरकार अदानी,अंबानी, सेवी की पूर्व निदेशक माधवी बुच पर कार्यवाही क्यों नहीं करती। सरकार राहुल गांधी के असल सवालों से डर कर यह कार्यवाही कर रही है।वरिष्ठ कांग्रेस नेता अशोक जैन ने कहा कि मोदी शाह देश का वातावरण बिगाड़ रहे है धर्म जाति के नाम पर लोगो को लड़ा कर महंगाई,बेरोजगारी,अर्थव्यवस्था बिगड़ती कानून व्यवस्था से ध्यान हटा रही है।

वरिष्ठ अधिवक्ता कांग्रेस नेता संतोष गुरयानी ने कहा कि मोदी के कार्यकाल में इतने भ्रष्टाचार हुए है जो उनके पार्टी के नेताओं व उद्योग पति मित्रों को बचाने के विरोधी नेताओ को सरकारी एजेंसियों के द्वारा टारगेट कर रही है। जिला महिला कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष नेहा चावरे ने कहा कि कांग्रेस नेता त्याग समर्पण की मिसाल है उन्होंने प्रधान मंत्री पद ठुकरा दिया उन पर राहुल पर ई डी की कार्यवाही अनुचित है इसका कांग्रेस पार्टी सड़क व संसद में जवाब देगी।

कार्यक्रम का संचालन गुफरान अंसारी व आभार प्रदर्शन संजय धर ने कियारमेश वामने,लाली सलूजा, योगेश त्रिवेदी ,अंटू भाटिया,पार्षद दिलीप गोस्वामी,पार्षद सीमा भदोरिया,इरशाद अहमद सिद्दीकी,राकेश चंदेले,नगर कांग्रेस अध्यक्ष मयूर जायसवाल, कमल दर्डा,रामशंकर सोनकर, गोल्डी बेस,अमित गुप्ता ज्ञानेंद्र गुल्लू उपाध्याय ,दयाल लालवानी ,शंकर तिवारी, राहुल वर्मा चंद्रकांत दुबे, गोल्डी चौधरी ,सौम्य दुबे ,राहुल दुबे , गौतम मैना ,शुभम वालिया प्रशांत श्रीवास संतोष बामने सागर सेन, शेख जावेद शेख हारून आदि मौजूद रहे।

बैतूल कोतवाली क्षेत्र नगर में फल फूल रहा सट्टे जुंआ का कारोबार

प्रभारी बने एस आई कुमरे ने चौबीस घंटों में खोल कर रख दी थी पोल

योगेश गुप्ता बैतूल। जिला मुख्यालय में सट्टे का कारोबार चरम सीमा पार करता जा रहा है। जिसको लेकर अब पुलिस विभाग पर से आम जनता का भरोसा पूरी तरह उठ चूका है। नगर सट्टा खब?ी की सड़को गलियो ,चौक चौराहों, नुक्कड़ो जैसे सदर ,ओवर ब्रिज जे नीचे, मुर्गी चौक , लोहिया वार्ड गंज क्षेत्र पर सट्टा बाजार का कारोबार इस कदर बेखौफ चल रहा है। कि अब जनता के बीच यह चर्चा का विषय बन गया है। कि कोतवाली पुलिस की नाक के नीचे सट्टा बाजार ओपन संचालित है।जिसके लिए अब टी आई रविकांत डेहरिया की कार्य प्रणाली पर संदेह जता रहे है। बल्कि सूत्र की माने तो खबा?ी कि तमाम अवैध गति विधियो की जानकारी होने के बाउजूद भी कोतवाल साहब की कोई प्रतिक्रिया समझ नही आती आँख मूंद लेने वाली बात है। जिससे खबाडो के हौसले ब?ते जा रहे है। और लोगो को मिली भगत होने का ताना कसने का मौका मिल रहा है। इसमें हैरान करने वाली बात यह है। टी आई डहेरिया के अधीनस्थ रह चुके सब इंस्पेक्टर दिनेश कुमरे को महज़ चौबीस घंटे के लिए बैतुल कोतवाली का प्रभार सौंपा गया था। तो उन्होंने शहर के विभिन्न इलाकों में खुलेआम सट्टे की पर्ची लिखने वाले सईद बाबा कोठी बाजार, राजा खान कोठी बाजार बस स्टेण्ड सोएब भाई मुर्गी चौक निखिल जैसे अन्य कुल 18 लोगो के विरुद्ध सट्टा पर्ची की ताबतो? कार्यवाही करके प्रकरण दर्ज किये थे। अब सवाल यह की जब एक दिन के लिए प्रभारी बने सब इंस्पेक्टर श्री कुमरे को सामाज को खोकला करने वाले माफियाओ की तमाम जानकारी हो सकती है। तो स्थायी टी आई रविकांत साहब के सुचना तंत्र अधिक मजबूत होने

के बावजूद जुंआ और सट्टा खबा?ी के खिलाफ कोई बड़ी कार्यवाही ना करना सीधे पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करता है। सब इंस्पेक्टर श्री कुमरे की कार्यवाही से यह तो स्पष्ट हो गया कि सट्टा संचालक के खिलाफ कार्यवाही करना मुश्किल काम नहीं है। बस कर्तव्य के प्रति अडिक रहने की जरुवत है। जिसके लिए क्या एस आई दिनेश कुमरे को दुबारा मौका मिलना चाहिए। अब जनता के मन की बात को समझे तो कोतवाल और गंज थाना के साहब अपने कर्तव्य सटीक है। तो नगर में ये सट्टा बाजार का फुल फ्लेश में संचालित होना कैसे संभव हो सकता है। और ये बिना मैनेजमेंट के संभव नहीं है। इसलिए लोग पुलिस विभाग पर भ्रस्टाचार और अन्य प्रकार की टिका टिप्पणी करने से नहीं चूकते। बल्कि सट्टा बाजार के संचलाक के साथ अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने वाली बात प्रतीत होती है। अब ऐसे में लगता है। कि पुलिस अधीक्षक निश्चल झारिया साहब जुंआ और सट्टे के मामले को संज्ञान में लेकर निर्देश जारी करेंगे तब ही नगर और जिले में सट्टा और जुंआ संचालन पर प्रतिबंध लगेगा। सूत्रों की माने तो घुस लेने तक की चर्चा आम हो रही है। सवाल उठता है। कि क्या जिम्मेदार ही ऐसे अपराधों के संरक्षक है। पुलिस विभाग ऐसे कुछ पात्र पाए जाने निलंबित की कार्यवाही भी होना गलत नही होगा। अन्य मामलो में भी लापरवाही के चलते अनदेखी करना और जिले को भ्रष्टाचार और घुस खोरी से मुक्त किया जाना अब जरूरी हो गया है। ताकि सट्टा और जुंआ बाजार संचालन को रोकने पर जनता के बीच बैतुल पुलिस पर भरोसा खत्म होने से बचा रहे।

इनका कहना है

मै गारंटी से कहता हूँ की मेरे कोतवाली क्षेत्र में सट्टा और जुंआ पूरी तरह बंद है कोई भी नहीं चला रहा। अगर ऐसी कोई जानकारी मिलती है। तो कार्यवाही जरूर होगी।

रविकांत डहेरिया , बैतूल कोतवाली

एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 2025 का आयोजन 27 अप्रैल को इंदौर में

इंदौर। एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 2025 का आयोजन 27 अप्रैल को इंदौर में किया जा रहा है। इसमें राष्टीय और अंतरराष्टीय निवेशकों, नीति निर्माताओं और तकनीकी क्षेत्र के अग्रणी विशेषज्ञ शामिल होंगे। कॉन्क्लेव में मध्यप्रदेश सरकार की ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स पॉलिसी, सेमी-कंडक्टर्स पॉलिसी, ड्रोन पॉलिसी और एनीमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग, कॉमिक्स और एक्सटेंडेड रियलिटी पॉलिसी के क्रियान्वयन के लिए गाइडलाइन जारी की जाएंगी। यह गाइडलाइन्स सरकार और निवेशकों के बीच एक पारदर्शी सेतु का कार्य करेगी। गाइडलान्स में पात्रता मापदंड, आवेदन प्रक्रिया, आवश्यक प्रपत्र, मानक संचालन प्रक्रिया, समय-सीमाएँ और अपील प्रणाली जैसे सभी पहलुओं को विस्तारपूर्वक समझाया गया है।

एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज ने रेफ्रिजरेटर और एयर कंडीशनर पर ग्रीष्मकालीन ऑफर पेश किए

मुंबई, एजेंसी। एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज ने अपने घरेलू उपकरणों को अपग्रेड करने की योजना बना रहे ग्राहकों के लिए विशेष ग्रीष्मकालीन ऑफर शुरू किए हैं। सीमित अवधि के इस अभियान में रेफ्रिजरेटर और एयर कंडीशनर पर 15त्न तक कैशबैक के साथ-साथ खरीदारी को और अधिक किफायती बनाने के लिए नो-कॉस्ट ईएमआई विकल्प भी दिए जा रहे हैं। ग्राहक चुनिंदा रेफ्रिजरेटर मॉडल पर 25,000 रुपये तक कैशबैक और पात्र एयर कंडीशनर पर 15,000 रुपये तक कैशबैक का आनंद ले सकते हैं। ये ऑफर पूरे भारत में उपलब्ध हैं और प्रमुख निर्माताओं और वितरकों के साथ साझेदारी के माध्यम से सुगम बनाए गए हैं। एचडीबीएफएस न्यूनतम दस्तावेजीकरण, आसान पुनर्भुगतान शर्तों और तत्काल अनुमोदन द्वारा समर्थित नो-कॉस्ट ईएमआई विकल्प की पेशकश कर रहा है, जिससे ग्राहकों के लिए इस गर्मी से बचना पहले से कहीं अधिक आसान हो गया है। यह प्रमोशनल ऑफर 1 अप्रैल से 30 अप्रैल, 2025 तक वैध है।

लौट रहा है गर्मियों में टीवी पर राज करने? हमारा नटखटों का सरदार- शिन चेन!

मुंबई, एजेंसी। वो शरारती है, वो मनमोहक है, और जरा भी रुकने वाला नहीं है- इस सीज़न में वह फिर लौट रहा है, पूरे धमाके के साथ! तैयार हो जाइए हंसी के नॉन-स्टॉप डोज़ के लिए। इनमें होंगे पहले कभी न देखे गए एपिसोड्स और आपकी पसंदीदा फिल्में - सिर्फ सोनी ये! पर। लेकिन इतना ही नहीं - शिन चेन अब सिर्फ आपकी स्क्रीन पर नहीं, बल्कि जहां आप जाएंगे वहां भी नजर आएगा। मॉल्स से लेकर शहर के इवेंट्स तक शिन चेन आ रहा है असली दुनिया में भी, हंसी, मस्ती और ढेर सारी फोटो के साथ।

एचडीएफसी बैंक परिवर्तन ने ग्रामीण विकास पहल के तहत 298 सीमावर्ती गांवों को कवर किया

मुंबई, एजेंसी। भारत के सबसे बड़े निजी क्षेत्र के बैंक एचडीएफसी बैंक ने अपनी सीएसआर शाखा परिवर्तन के तहत देश भर में 298 सीमावर्ती गांवों को अपने ग्रामीण विकास पहल के तहत कवर किया है। गांवों के ये समूह असम, अरुणाचल प्रदेश, बिहार, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, राजस्थान, सिक्किम, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के सीमावर्ती क्षेत्रों में स्थित हैं। बैंक की योजना आने वाले वर्षों में 150 अतिरिक्त सीमावर्ती गांवों तक अपनी पहुंच बढ़ाने की है। ये पहल केंद्र के बॉर्डर एरिया डेवलपमेंट प्रोग्राम और वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम में उल्लिखित राष्ट्रीय विकास लक्ष्यों के साथ संरेखित हैं।

हंगामा ओटीटी की सबसे ज़्यादा देखी जाने वाली सीरीज 'हसरतें' का दूसरा सीजन रिलीज

मुंबई, एजेंसी। हंगामा ओटीटी प्लैटफ़ॉर्म पर सबसे ज्यादा देखे जाने वाली ओरिजनल सीरीज 'हसरतें' के पहले सीजन की शानदार सफलता के बाद अब आ रहा है इसका दूसरा सीजन। देश के सबसे लोकप्रिय डिजिटल एंटरटेन्मेंट प्लैटफ़ॉर्म में शुमार हंगामा डिजिटल मीडिया ने अपनी उस सीरीज के दूसरे सीजन की घोषणा की जिसका सभी को बेसब्री से इंतजार था और यह लोकप्रिय सीरीज है- 'हसरतें-2'। यह सीरीज एक साथ कई कहानियों या एपिसोड का गुलदस्ता है। 17 अप्रैल 2025 से शुरु होने वाली इस सीरीज के दो एपिसोड इस दिन जारी कर दिए जाएंगे और अपने सीजन-2 के साथ यह सीरीज दर्शकों को महिलाओं की भावनात्मक, अंतरंग और अनकही दुनिया में ले जाएगी।

'द रॉयल्स' 9 मई से नेटफ्लिक्स पर

मुंबई, एजेंसी। नेटफ्लिक्स और प्रीतिश नंदी कम्युनिकेशंस पहिली बार साथ आ रहे हैं, एक ऐसी रॉयल रोम कॉम लेकर जो प्यार, जुनून और दमदार ड्रामा से भरपूर है। शाही हुकुमद्वारा, मोरपुर के राजसिंहासन के ढहते झूमरों के नीचे से जारी किया गया फरमान... 'द रॉयल्स' 9 मई को केवल नेटफ्लिक्स पर प्रीमियर होगा। किसी ज़माने में, रंगीन शहर मोरपुर में एक शाही परिवार रहता था, जिनके पास खुद की कोई दौलत नहीं थी। फिर आई उनके बीचएक तेज-तर्रार लड़की, जो एक बिल्कुल अलग दुनिया से ताल्लुक रखती है। उसका एक ही मकसद होता है—शाही ज़िंदगी को संवारना। लेकिन मोरपुर पैलेस के 'गरीब राजकुमार' को संभालना, उतना आसान नहीं जितना लगता है।

एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक ने एयू आईवी और एयू इटर्निटी ग्राहकों के लिए शुरू की कंसीयर्ज सेवा

मुंबई, एजेंसी। भारत के सबसे बड़े स्मॉल फाइनेंस बैंक एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक ने अपने प्रीमियम बैंकिंग प्रोग्राम्स एयू आईवी और एयू इटर्निटी के ग्राहकों के लिए विशेष कंसीयर्ज सेवा की शुरुआत की है। विशेष रूप से तैयार किया गया यह बैंकिंग प्रोग्राम्, स्न्नक्क के प्रतिष्ठित ग्राहकों को बैंकिंग के अलावा, उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान करेगा। कंसीयर्ज सेवाओं के माध्यम से ग्राहकों को यात्रा योजनाएं बनाने, अपॉइंटमेंट शेड्यूल करने और रोजमर्रा के कार्यों में सहायता कराई जाएंगी। इन सेवाओं का उद्देश्य ग्राहकों को उनकी जीवनशैली के अनुरूप सुविधाजनक और निर्बाध अनुभव प्रदान करना है। यह सेवा एयू एसएफबी के प्रीमियम ग्राहकों को तेज, प्रभावी और व्यक्तिगत सहायता प्रदान करने के लिए तैयार की गई है, जो ग्राहकों के अनुभव को और बेहतर बनाएगी।

भारतीय गेहूं उद्योग को वैश्विक पहचान देने के लिए इंदौर में दो दिवसीय कॉन्क्लेव का आयोजन

इंदौर। गेहूं और गेहूं उत्पादों के क्षेत्र में नवाचार, स्थिरता और मूल्य वर्धन को बढ़ावा देने के लिए कार्य करने वाले अग्रणी उद्योग संघ व्हीट प्रोडक्ट्स प्रमोशन सोसाइटी द्वारा आयोजित डब्ल्यूपीपीएस सीईओ कॉन्क्लेव 2025 आगामी 24-25 अप्रैल को इंदौर के मैरियट होटल में आयोजित किया जाएगा। यह दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय स्तर का कॉन्क्लेव भारत के गेहूं उद्योग को वैश्विक मंच पर स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है। गेहूं और गेहूं आधारित उत्पाद- सतत विकास और बाज़ार नेतृत्व के लिए सहयोग विषय पर केंद्रित यह आयोजन, 400 से अधिक उद्योग प्रमुखों, अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों, नीति निर्माताओं, तकनीकी विशेषज्ञों और खाद्य नवाचार में कार्यरत प्रोफेशनल्स को एक साझा मंच प्रदान करेगा।

फिर महंगा हुआ सोना, चांदी में भी उछाल

मुंबई, एजेंसी। अप्रैल महीने में सोने और चांदी की कीमतों में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। यदि आप आज सोना या चांदी खरीदने जा रहे हैं, तो बाजार में चल रहे ताजा भावों पर एक नजर डालना बेहद जरूरी है। शुक्रवार को सोने की कीमतों में तेज उछाल देखा गया, जहां प्रति 10 ग्राम सोना 1140 रुपये महंगा हो गया। हालांकि, चांदी की कीमतों में इस दौरान कोई बदलाव नहीं देखा गया और यह स्थिर बनी रही। शुक्रवार, 18 अप्रैल 2025 को सर्राफा बाजार द्वारा जारी ताजा दरों के अनुसार, 22 कैरेट सोना 89,350 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है, जबकि 24 कैरेट शुद्ध सोना 97,460 रुपये प्रति 10 ग्राम की दर से बिक रहा है। इसके अलावा, 18 कैरेट सोने की कीमत फिलहाल 73,110 रुपये प्रति 10 ग्राम पर ट्रेंड कर रही है। चांदी की बात करें तो आज 1 किलो चांदी का भाव 1,00,000 रुपये बना हुआ है। इस तेजी के साथ अब सोना 97 हजार के पार और चांदी 1 लाख रुपये प्रति किलो के आंकड़े के आसपास पहुंच गई है। आइए अब जानते हैं कि विभिन्न शहरों में आज के सोने के 18, 22 और 24 कैरेट के लेटेस्ट रेट क्या हैं।

8 कैरेट सोने के ताजा भाव

दिल्ली रुपए 73,120 प्रति 10 ग्राम, कोलकाता और मुंबई: 72,990 प्रति 10 ग्राम

भोपाल और इंदौर: 73,480 प्रति 10 ग्राम, चेन्नई 73,910 प्रति 10 ग्राम, 22 कैरेट सोने के ताजा भाव: चेन्नई 89,210 रुपए प्रति 10 ग्राम, भोपाल और इंदौ: 89,160 प्रति 10 ग्राम, दिल्ली, जयपुर, लखनऊ: 89,360 प्रति 10 ग्राम, हैदराबाद, केरल, कोलकाता, मुंबई: रुपए 89,210 प्रति 10 ग्राम।

24 कैरेट सोने के ताजा भाव: भोपाल और इंदौर रुपए 97,100 प्रति 10 ग्राम, दल्ली, जयपुर, लखनऊ, चंडीगढ़: रुपए 97,320 प्रति 10 ग्राम हैदराबाद, केरल, बेंगलुरु, मुंबई रुपए 97,170 प्रति 10 ग्राम। चेन्नई: रुपए 97,320 प्रति 10 ग्राम।

चांदी की ताजा कीमतें: जयपुर, कोलकाता, अहमदाबाद, लखनऊ, मुंबई, दिल्ली: रुपए 99,900 प्रति किल, चेन्नई, मदुरै, हैदराबाद, केरल 1,09,900 प्रति किलो, भोपाल, इंदौर : 99,900 प्रति किलो।

केंद्र ने अपर सचिव से सचिव स्तर के 3 और अपर सचिव स्तर का एक पद अपग्रेड किया, वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों का कार्यकाल बढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र ने अपर सचिव से सचिव स्तर के 3 और संयुक्त सचिव से अपर सचिव स्तर के एक पद को अपग्रेड किया है। कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने अतिरिक्त सचिव से सचिव के समकक्ष स्तर पर पदोन्नत किए गए 3 प्रमुख पदों का कार्यकाल बढ़ा दिया । तीनों वरिष्ठ IAS अधिकारी भारत सरकार में सचिव के पद और वेतन पर कार्यरत हैं। तदनुसार भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार के महानिदेशक का पद वर्तमान में संस्कृति मंत्रालय के अधीन अरुण सिंघल के पास 30.04.2025 तक के कार्यकाल के लिए है। यह रेखांकित किया जा सकता है कि अरुण सिंघल भारत सरकार में सचिव के पद और वेतन में महानिदेशक के रूप में कार्य कर रहे हैं। सदस्य सचिव , राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र योजना बोर्ड वर्तमान में अर्चना अग्रवाल (ढ्ढस्न 1990) आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय के तहत 01.05.2026 तक की अवधि के लिए कार्यरत हैं। यह रेखांकित किया जा सकता है कि अर्चना अग्रवाल भारत सरकार के सचिव के पद और वेतन में NCRPB के सचिव के रूप में कार्य कर रही हैं।

वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डॉ. एम.एल. जाट बने ICAR के नए महानिदेशक और डेयर सचिव, कृषि क्षेत्र में किए हैं कई बड़े काम

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डॉ. एम.एल. जाट को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के नए महानिदेशक (डीजी) और कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग (डेयर) के सचिव नियुक्त किए गये है. कार्मिक मंत्रालय द्वारा जारी किए गए आधिकारिक आदेश के अनुसार, मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने उनकी इस नियुक्ति को अपनी स्वीकृति प्रदान कर दी है।

यह नियुक्ति उनके पदभार ग्रहण करने की तिथि से प्रभावी होकर उनकी 60 वर्ष की आयु पूर्ण होने तक जारी रहेगी वर्तमान में, डॉ. जाट हैदराबाद स्थित अंतर्राष्ट्रीय अर्ध-शुष्क उष्णकटिबंधीय फसल अनुसंधान संस्थान में उपमहानिदेशक अनुसंधान के पद पर कार्यरत हैं. वे एक जाने-माने सिस्टम एग्रोनोमिस्ट हैं और विकासशील देशों में सिस्टम साइंस के क्षेत्र में उन्हें 25 वर्षों से भी अधिक का अनुभव है. डॉ एमएल. जाट, पूर्व महानिदेशक डॉ हिमांशु पाठक की सेवानिवृत्ति के बाद, आईसीएआर के डीजी और डेयर के सचिव का अहम कार्यभार संभालेंगे. डॉ. पाठक ने आईसीएआर से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेने के बाद 6 मार्च को ICRISAT के महानिदेशक के रूप में पदभार ग्रहण किया था. इसके बाद भारत सरकार के कृषि सचिव देवेश चतुर्वेदी को ICAR का महानिदेशक का चार्ज दिया गया था. आईसीएआर के नियमों के अनुसार, कृषि वैज्ञानिकों को सामान्यत: 62 वर्ष की आयु तक सेवा करने की अनुमति है. हालांकि, आईसीएआर के महानिदेशक के पद पर नियुक्ति के लिए अधिकतम आयु सीमा 60 वर्ष निर्धारित है, क्योंकि इस पद पर आसीन व्यक्ति डेयर में सचिव के रूप में भी कार्य करता है. डॉ. जाट की नियुक्ति इन नियमों के अनुरूप ही की गई है।

फ्लैट में रहने वालों की बढ़ी मुसीबतें, मेंटेनेंस पर देना होगा 18 प्रतिशत का जीएसटी

नई दिल्ली, एजेंसी। फ्लैट में रहने वालों के लिए एक बड़ी खबर सामने आ रही है. सरकार हाउसिंग सोसाइटी पर 75,00 रुपये ज्यादा महीने के मेंटेनेंस पर 18 प्रतिशत जीएसटी लगा रही है. सरकार की ओर से सोसाइटी में रहने वाले लोगों पर मेंटेनेंस शुल्क के तौर पर ज्यादा पैसे वसूले जाएंगे. इसके बाद से सोसाइटी में रहने वाले लोगों की बीच इस बात को लेकर बातचीत हो रही है कि क्या उनकी सोसाइटी या अपार्टमेंट पर भी यह जीएसटी लागू होगा. इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, सरकार ने हाउसिंग नियमों में बदलाव किया है, जिसके बाद से जिस अपार्टमेंट का रखरखाव खर्च महीने में 75,00 रुपये से ज्यादा आएगा. या फिर सोसाइटी का कुल मेंटेनेंस खर्च 20 लाख रुपये से ज्यादा होगा, तो उन पर 18 प्रतिशत जीएसटी का नियम का लागू होगा. रिपोर्ट के मुताबिक, बेंगलुरु में करीब 50 लाख लोग अपार्टमेंट में रहते हैं, और मैसूर, मंगलुरु, हुबली और बेलगावी जैसे शहरों में कम से कम 40 लाख लोग अपार्टमेंट में रहते हैं. 18 प्रतिशत की जीएसटी का नियम किन फ्लैट्स पर लगेगा. इसके टैक्स ऑफिस से क्लीयर किया जा सकता है. सरकार की ओर से सभी अपार्टमेंट पर जीएसटी को 18 प्रतिशत नहीं लगाया जाएगा. अगर किसी व्यक्ति को यह कन्फ्यूजन है कि उसका फ्लैट या सोसाइटी इस दायरे में आएगी या नहीं, तो इसके लिए वह लोकल ष्टश्वद्बद्दह्ल्ष्द्बड्डद्य टैक्स ऑफिस में जाकर 500 रुपये देकर अपनी सोसाइटी के स्टेटस को चेक कर सकता है. रिपोर्ट के मुताबिक, बेंगलुरु में अपार्टमेंट में रहने वाले लोगों के बीच यह चर्चा शुरू हो गई है, कि उन्हें क्या अब त्नस्ञ्ज का रजिस्ट्रेशन कराना चाहिए. अगर इसके तहत एक बार रजिस्ट्रेशन करा लिया, तो उन्हें महीने में 2 बार रिटर्न दाखिल करना होगा. पहला महीने की 11 तारीख को और दूसरा 20 तारीख को. इसके अलावा साल भर का रिटर्न तो भरना ही पड़ेगा. बार-बार रिटर्न भरने पर लोगों को 1-2 लाख रुपये खर्च करने पड़ सकते हैं.

इंदौर के चौराहों पर विज्ञापन होर्डिंग्स रात से हटने शुरू, उधर अब जागे नेता प्रतिपक्ष, लगाए आरोप

इंदौर। इंदौर में चौराहों पर वाहन चालकों को छांव देने के नाम पर लगाए गए होर्डिंग्स को लेकर एक घोटाला सामने आया था। द सूत्र द्वारा इस मुद्दे को उठाए जाने के बाद इन होर्डिंग्स को हटाने का काम शुरू हो गया है। गुरुवार दोपहर में होर्डिंग्स वालों के साथ महापौर पुष्यमित्र भार्गव, निगमायुक्त शिवम वर्मा की संयुक्त बैठक के बाद कड़े निर्देश दिए गए और साफ कहा गया कि विज्ञापन तो नहीं चलेंगे। इसके बाद गुरुवार देर रात इन्हें हटाने का काम शुरू हो गया और ग्रीन नेट लगाई जा रही है।

यह विवाद सबसे पहले पलासिया चौराहे पर लगे होर्डिंग्स से ही हुआ था। यहां इंदौर की हैलोवीन पार्टी के मुख्य भूतों (अक्षय बम, जैन व अन्य) द्वारा श्रीधी दूध, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ ला व अन्य के विज्ञापन लगाते हुए करीब 400 वर्गफीट का विज्ञापन डोम या जंगला ही खड़ा कर दिया था।

इनकी तैयारी पूरे शहर के हर चौराहे पर यही कांड करने का था। उनके देखादेखी हुकुमचंद घंटाघर, हाईकोर्ट तिराहे पर भी मोयरा सरिया, मदनलाल-छगनलाल ज्वेलर्स, कल्याण ग्रुप ने भी यही तरीका खोजा और 40 से अधिक कंपनियां इसमें तगड़ा मुनाफा देख आगे आ गई। लेकिन अब द सूत्र की खबरों से इस पूरे घोटाले पर रोक लग गई।उधर कांग्रेस के निगम में नेता प्रतिपक्ष चिंटू चौकसे यह सब कांड हो जाने और होर्डिंग्स उतरने की शुरुआत होने के बाद पूरी घटना के सात दिन बाद जागे हैं। उन्होंने अब बयान जारी कर इसे घोटाला बताते हुए इन कंपनियों से एक करोड़ की टैक्स चोरी की राशि निगम खाते में जमा कराने की मांग की है। साथ ही इस घोटाले के लिए महापौर पुष्यमित्र भार्गव पर खुलकर आरोप लगाए और कहा कि उन्होंने इन कंपनियों को आगे बढ़ाया।

गुरुवार की बैठक में हुआ था तय

1- बड़े-बड़े विज्ञापन लगे हैं, इस पर क्या होगा?

तय- यह हटेंगे, इन होर्डिंग्स में जो संगठन सौजन्य से यह काम कर रहा है, केवल उनका नाम रहेगा और इसकी भी एक जगह एक पट्टी अलग तय होगी। इसमें विज्ञापन नहीं होंगे।

2- स्ट्रक्चर की मजबूती का क्या होगा?

तय- इसकी जांच होगी, निगम का इंजीनियर इसे देखेगा, साथ ही एक पांच सदस्यीय कमेटी रहेगी, इसमें निगम के अधिकारी, इंजीनियर के साथ मानव कल्याण संगठन के विनी बड़जात्या व अन्य होंगे। जो सभी मुद्दे को समझकर नियमों के तहत आगे बढ़ेगी

3- ट्रैफिक को लेकर क्या स्थिति होगी?

तय- कमेटी ही देखेगी कि स्ट्रक्चर इस तरह से हो कि ट्रैफिक प्रभावित नहीं हो। यह स्ट्रक्चर लगने से रोड की चौड़ाई प्रभावित नहीं हो।

आयकर विभाग में 17 अधिकारियों का हुआ ट्रांसफर

भोपाल। आयकर विभाग में अधिकारियों को इधर से उधर किया गया है। मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ के 17 अधिकारियों के तबादले हुए हैं। इन तबादलों में अंजू अरोरा पीसीआइटी भोपाल को एक विंग से दूसरे जोन में भेजा गया हैं। राहुल रमन पीसीआइटी इंदौर को एक विंग से दूसरे विंग में इंदौर में ही भेजा गया है। इसी प्रकार सुनील कुमार सिंह को रायपुर में एक विंग से दूसरे विंग में भेजा है। किशोर बी. को दिल्ली से भोपाल पीसीआइटी सेंट्रल बनाकर भेजा है। प्रदीप हेडाऊ ओएसडी से इंदौर सीसीआइटी बनाकर भेजा है। राजाराम शाह को दिल्ली से पीसीआइटी उज्जैन, माया माहेश्वरी को पीआर एडीजी (एनएडीटी आरसी) भोपाल से पीसीआइटी मुंबई, सुखवीर चौधरी पीसीआइटी गुवाहाटी से पीसीआइटी ग्वालियर और मुनीश कुमार पीसीआइटी रायपुर पदस्थ किए हैं। रुजनी मोहंती को एडीजी भोपाल पदस्थ किया गया है। इसी तरह कोलाकलूरी रवि किरन पीडीआइटी रायपुर बनाए गए हैं।

क्रॉम्पटन ने महाराष्ट्र ऊर्जा विकास एजेंसी से सौर जल पंप ऑर्डर के साथ हरित ऊर्जा के प्रति प्रतिबद्धता को मजबूत किया

मुंबई, एजेंसी। पंप उद्योग में अपनी नवोन्मेषी समाधानों के लिए प्रसिद्ध क्रॉम्पटन ग्रीव्स कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड ने नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। कंपनी को प्रतिष्ठित प्रधानमंत्री-कुसुम योजना (पीएम-कुसुम) के अंतर्गत सौर जल पंपिंग प्रणाली के लिए ऑर्डरमिलाहै। इस क्षेत्र में अपनी स्थिति मजबूत करते हुए, कंपनी को महाराष्ट्र ऊर्जा विकास एजेंसी से महाराष्ट्र के विभिन्न स्थानों पर 10.60 करोड़ से अधिक मूल्य के सौर फोटोवोल्टिक जल पंपिंग सिस्टम के डिजाइन, निर्माण, आपूर्ति, परिवहन, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग के लिए लेटर ऑफ अवार्ड (एलओए) प्राप्त हुआ है। इस ऑर्डर के साथ, क्रॉम्पटन विश्वसनीय और कुशल सौर जलपंपिंगसमाधानों के माध्यम से टिकाऊ खेती को सुलभकरने की अपनी प्रतिबद्धता को पूरा करना जारी रखेगा। कंपनी की मज़बूत सेवा नेटवर्क, सक्षम चैनल पार्टनर और प्रदर्शन की विश्वसनीय विरासत इसे इस बढ़ती मांग को पूरा करने में सक्षम बनाती है।

OUR PREDICTION CAME TRUE
WHISPERSINTHECORRIDORS.COM
Om Prakash Sinha selected Director (Exp) ONGC on April 17
(WE SAID THIS ON APRIL 10, 2025)
Om Prakash Sinha in race for Director (Exp), ONGC
Om Prakash Sinha, ED, ONGC Limited is in the race for the post of Director (Exploration), Oil & Natural Gas Corporation Limited (ONGC).

आरसीबी ने दिल्ली हाईकोर्ट में उबर के खिलाफ दायर किया मुकदमा आईपीएल 2025 के बीच ट्रेविस हेड के विज्ञापन पर बवाल

नई दिल्ली,एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2025 के रोमांच के बीच रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने एक बड़ा लीगल कदम उठाया है। ऋष्टक्क ने उबर इंडिया के खिलाफ दिल्ली हाई कोर्ट में मुकदमा दायर किया है, जिसमें सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाड़ी ट्रेविस हेड से जुड़े एक विज्ञापन पर ट्रेडमार्क के दुरुपयोग और ब्रांड की छवि खराब करने का आरोप लगाया गया है। यह मामला Baddies in Bengaluru नामक उबर मोटो के यूट्यूब विज्ञापन से जुड़ा है, जिसे 1.3 मिलियन से ज्यादा लोग देख चुके हैं। ऋष्टक्क ने दिल्ली हाई कोर्ट में उबर के खिलाफ दायर किया मुकदमा के तहत यह मामला नामक उबर मोटो के यूट्यूब विज्ञापन से जुड़ा है, जिसे 1.3 मिलियन से ज्यादा लोग देख चुके हैं। आइए, इस विवाद की पूरी जानकारी सरल भाषा में समझें।

RCB Filed Case Against Uber आधार उबर मोटो का 59 सेकंड का विज्ञापन है, जिसमें ट्रेविस हेड को बेंगलुरु के स्टेडियम में लिखते दिखाया गया है। ऋष्टक्क का कहना है कि यह उनके आधिकारिक नाम और मशहूर नारेइस साल कप हमारा है का अपमान करता है। ऋष्टक्क की वकील श्वेताश्री मजूमदार ने कोर्ट में कहा, यह विज्ञापन हमारी ब्रांड वैल्यू को नुकसान पहुँचाता है और ट्रेडमार्क का गलत इस्तेमाल है। ट्रेविस हेड, जो पहले ऋष्टक्क के साथ थे, को ऐसा करने से हमारी फैनबेस में गलत संदेश जाता है कोर्ट में जस्टिस सौरभ बनर्जी ने प्रारंभिक तौर पर माना कि विज्ञापन में कुछ बदलाव की जरूरत है और अंतरिम निषेधाज्ञा पर फैसला सुरक्षित रखा।

उबर ने अपना बचाव करते हुए कहा कि यह विज्ञापन मजाकिया और रचनात्मक है, जो बेंगलुरु के ट्रैफिक और उबर मोटो की तेज सेवा को हाइलाइट करता है। उबर के वकील ने दलील दी, विज्ञापन में ÒRoyally ChallengedÓ का मतलब है कि SRH, ऋष्टक्क को 13 मई के मैच में कड़ी चुनौती देगा। यह कॉमर्शियल फ्री स्पीच का हिस्सा है और ऋष्टक्क ने भारतीय दर्शकों के हास्य को कम आँका है। उन्होंने यह भी कहा कि विज्ञापन में ऋष्टक्क का ट्रेडमार्क सीधे इस्तेमाल नहीं हुआ, बल्कि ÒBengaluru vs HyderabadÓ एक सामान्य उल्लेख है। जस्टिस बनर्जी ने टिप्पणी की, यह विज्ञापन पर निर्भर है। अलग-अलग लोग इसे अलग तरह से देख सकते हैं। कोर्ट ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रखा।

ऋष्टक्क और उबर का पक्ष- क्या है असली मुद्दा? ऋष्टक्क का तर्क है कि उबर, जो स्क्रा। का कमर्शियल स्पॉन्सर है, ने उनके ट्रेडमार्क का गलत इस्तेमाल कर उनकी छवि को नुकसान पहुँचाया। ऋष्टक्क के फैंस ने सोशल मीडिया पर इस विज्ञापन को अपमानजनक बताया, जिससे ऑनलाइन मजाक उड़ा। ऋष्टक्क की वकील ने कहा, हास्य में कोई दिक्कत नहीं, लेकिन हमारी ब्रांड वैल्यू का इस्तेमाल बिना इजाजत नहीं हो सकता। दूसरी ओर, उबर का कहना है कि यह विज्ञापन सिर्फ हल्का-फुल्का मजाक है, जो ढ्ढक्रु के उत्साह को भुनाने के लिए बनाया गया। उबर ने इसे प्रीपोस्टरस (बेतुका) करार देते हुए कहा कि ऋष्टक्क को हास्य के साथ जवाब देना चाहिए, न कि मुकदमे से। 025 के बीच एक नया मोड़ ला दिया है। यह मामला ब्रांडिंग, ट्रेडमार्क, और विज्ञापन की सीमाओं पर सवाल उठाता है। अगर कोर्ट ऋष्टक्क के पक्ष में फैसला देता है, तो उबर को विज्ञापन हटाना पड़ सकता है या उसमें बदलाव करना होगा। वहीं, उबर के पक्ष में फैसला आने पर यह विज्ञापन और ऐसे रचनात्मक कैंपेन को बढ़ावा मिल सकता है। सोशल मीडिया पर फैंस बँटे हुए हैं—कुछ ऋष्टक्क के कदम को सही मान रहे हैं, तो कुछ इसे हास्य का हिस्सा बता रहे हैं। क्या यह विवाद ऋष्टक्क की ब्रांड वैल्यू को और मजबूत करेगा, या उबर का मजाकिया अंदाज जीत हासिल करेगा? कोर्ट का फैसला बताएगा।

ब्रिज के नीचे खतरनाक स्टंट करने वाले तीन युवक गिरफ्तार, 5 हजार रुपए का जुर्माना

छिंदवाड़ा। कुछ दिन पहले सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें तीन अज्ञात युवक फोर व्हीलर वाहन पर खतरनाक तरीके से स्टंट करते हुए इमलीखेड़ा ब्रिज के नीचे रील बनाते नजर आए। सार्वजनिक सड़क पर इस तरह के स्टंट करते हुए युवकों ने यातायात नियमों का गंभीर उल्लंघन किया।पुलिस ने वीडियो का संज्ञान लेते हुए त्वरित कार्रवाई की और वीडियो में दिख रहे युवकों की पहचान कर ली। उनकी पहचान निम्नानुसार है1. सदाव अली पिता इसरार अली, उम्र 27 वर्ष 2. तंज़ीम खान पिता इस्माइल खान, उम्र 26 वर्ष 3. दानिश अली पिता इरशाद अली, उम्र 18 वर्ष (तीनों निवासी श्रीवास्तव कॉलोनी, छिंदवाड़ा)उक्त तीनों व्यक्तियों पर मोटर वाहन अधिनियम की धारा 115/190(2) के अंतर्गत रू.5000 का जुर्माना लगाया गया और आवश्यक हिदायत देने के बाद उन्हें छोड़ा गया। इसके साथ ही ब्हस्स्की धारा 126(क्) व 135(3) के अंतर्गत प्रतिरोधात्मक कार्रवाई भी की गई है, ताकि भविष्य में ऐसे खतरनाक कृत्य दोबारा न हों।पुलिस विभाग ने आम जनता से अपील की है कि सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करें और स्टंट जैसे जोखिमपूर्ण कार्यों से बचें। कानून तोड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

दीवार लेखन कर जल संरक्षण के प्रति किया जा रहा लोगों को जागरुक

छिन्दवाड़ा। पांढुर्णा कलेक्टर अजय देव शर्मा के निर्देशानुसार म.प्र.जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक श्री अखिलेश जैन एवं ब्लॉक समन्वयक श्री दिलीप आठनेरे के मार्गदर्शन में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत पानी को संवर्धित करने तथा पानी का दुरूपयोग न कर सदुपयोग करते हुए आने वाले वर्षा के दिनों में वर्षा जल संग्रहण की जानकारी देकर जन जागरूक किया गया तथा दीवार लेखन भी किया गया। इस अवसर पर परामर्शदाता श्री श्याम दलवी, वर्षा खुरसंगे तथा सीएमसीएलडीपी के छात्र मंगेश गजभिए, रोशन पोतदार, धीरज राऊत उपस्थित थे।

विकासखंड चौरई में जल संरक्षण के अंतर्गत की गई पहल

छिन्दवाड़ा। (कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह के निर्देशानुसार म.प्र. जन अभियान परिषद छिंदवाड़ा के जिला समन्वयक श्री अखिलेश जैन एवं विकासखंड समन्वयक श्री ललिता कुशरे की उपस्थिति में विकासखंड चौरई के सेक्टर क्रमांक-2 के ग्राम बिंझावाडा में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत नदी में पानी संचय एवं जानवरों के लिये पीने का पानी उपलब्ध हो सके की पहल की गई। इस कार्य में सीएमसीएलडीपी के छात्र, परामर्शदाता श्री मनीष तिवारी, श्री गहरसिंह म्हन्दोले, प्रस्फुटन समिति से श्री संजय शर्मा उपस्थित रहे एवं जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जल संरक्षण के लिये नदी में स्वछता अभियान चलाया गया तथा इसके बाद जल संरक्षण व संवर्धन की शपथ भी दिलाई गई।

बिछुआ कुंडा में आयोजित भागवत कथा का आज पंचम दिन

चौरई । क्षेत्र के ग्राम बिछुआ कुंडा में श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन हो रहा है जिसके आज पंचम दिन बड़ी संख्या में ग्राम वासियों ने पहुंचकर कथा का श्रवण किया है तथा का आयोजन 12 मार्च से कलश यात्रा के साथ शुभारंभ हुआ है और जिसका समापन 19 मार्च को होगा । कथा के प्रथम दिन से लेकर आज तक ग्राम वासियों के द्वारा अलग-अलग वेशभूषा तैयार कर आध्यात्मिक झांकी प्रस्तुत की जा रही आयोजन के संबंध में सरल सक्सेना ने मीडिया को चर्चा में बताया है कि योग सम्राट महामंडलेश्वर श्री नागेंद्र ब्रह्मचारी जी महाराज के मुखारविंद से संगीत में श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन हो रहा है जिसमें ग्राम वासियों के साथ बड़ी संख्या में क्षेत्र के जनप्रतिनिधि पहुंचकर कथा का श्रवण कर रहे हैं तथा के प्रारंभ से ही आयोजन में बड़ी संख्या में महिलाये अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर रही । कथा में ग्रामवासी पूर्ण उत्साह के साथ सहयोग कर भक्ति भाव के साथ कथा का श्रवण कर भाव विभोर हो रहे हैं आज पंचम दिन कथा में क्षेत्र के विधायक सुजीत सिंह चौधरी पूर्व विधायक पंडित रमेश दुबे ने पहुंचकर कथा का श्रवण कर व्यास पीठ से आशीर्वाद लिया है ।

लाडो अभियान के अंतर्गत बाल विवाह रोकथाम की कार्यशाला का हुआ आयोजन

छिन्दवाडा । कलेक्टर कार्यालय छिंदवा?ा के सभाकक्ष में गत दिवस लाडो अभियान के अंतर्गत बाल विवाह रोकथाम की कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में बाल विवाह के संबंध में जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला

एवं बाल विकास डॉ.हेमंत छेकर द्वारा बाल विवाह रोकथाम के संबंध में जानकारी दी गई । इस दौरान अपर कलेक्टर श्री के.सी.बोपचे के द्वारा सभी उपस्थित जनों को बाल विवाह रोकथाम की शपथ दिलाई गई। इस कार्यशाला में संयुक्त कलेक्टर श्रीमती ज्योति ठाकुर एवं एसीओ श्री राजोदिया एवं अन्य विभागों के अधिकारी व कर्मचारी तथा महिला एवं बाल विकास के कर्मचारी के साथ ही इस कार्यशाला में 300 लोग उपस्थित थे ।

पत्रकारों पर होने वाले हमले रोकने दिया ज्ञापन

छिंदवाड़ा। जिले के चौरई तहसील में देशी शराब दुकान पर एक आप्रिय घटना घट गई जब, पत्रकार योगेश जैन अपने परिवार के साथ मंदिर से लौट रहे थे, तभी शराब दुकान से बोलेरो से शराब कि पेटियां लोड हो रही थी, जिसे देखकर दोनों युवा जिज्ञासु पत्रकार भाई बहन ने शराब कि पेटियों और गाड़ी का विडियो बनाने लगे तभी, शराब दुकान या यूँ कहे शराब ठेकेदार के कर्मचारियों ने दोनों भाई बहन पर जानलेवा हमला कर दिया। जिससे भाई योगेश जैन को गंभीर चोटें आई एवं बहन के हाथों से एक नया वनप्लस मोबाइल छीनकर तोड़ दिया गया, जिसमे यहाँ घटना रिकॉर्ड हो रही थीं, वहीं घायल योगेश जैन ने बताया कि हम शराब दुकान से अवैध रूप से गाँव गाँव में बिक रही अवैध शराब पर लगातार प्रमाणिक खबरें प्रकाशित कर रहे थे, ऐसा ही मामला आज सुबह दुकान से एक बोलेरो वाहन में शराब कि पेटिया लोड होकर जा रही थी तभी शराब ठेकेदार के गुंडों हमारे ऊपर प्राणघातक हमला कर दिया जिसमे हमला करने वाले, युवक शेखर चौरसिया एवं पप्पू साहू दोनों थे, इन्होने कहा कि आजकल तुम बहुत खबर बना रहे हो रुको तुम्हे देखता हूँ, ऐसा कहकर यहाँ मेरे साथ मारपीट करने लगे वाही मेरी बहन के हाथों से मोबाइल छीनकर सड़क पर टोड दिया, एवं मेरे परिवार को जान से मारने कि धमकी ने लगे, इससे आकलन लगाया जा सकता है।

महिलाओं के गहने पहनने के पीछे क्या है वैज्ञानिक कारण

सोना के गहनों पर एंटी-इंफ्लामेट्री गुण पाए जाते है। जोकि आपके रंग को निखारता है। साथ ही इसको पहनने से आप की उम्र भी कई गुना बढ़ जाती है।गहने प्रकृति की गहनता और विस्तार को समेटे शरीर का संतुलन बनाते हैं। परंपराओं में देखें तो आभूषण न केवल इस युग में मानव से जुड़े हैं, बल्कि देवी-देवताओं से भी जुड़े दिखाई देते हैं। गहनों का वैज्ञानिक आधार है। औरतों का शरीर और मन पुरुषों की अपेक्षा कोमल, संवेदनशील माना गया है. औरतों के शरीर में हारमोंस के उतार चढाव का शरीर और मन, विचारों पर काफी प्रभाव होता है. घर परिवार की जिम्मेदारियों की बात की जाय तो औरतें तन-मन से समर्पित रहती हैज्ऐसे में प्राचीन ऋषियों ने कुछ ऐसे उपकरण बनाये जिससे औरतों के मन और स्वास्थ्य की रक्षा हो सके. प्रचलन में बढ़ने पर इनको सुन्दर गहनों का रूप मिलने लगा और यह नियमपूर्वक पहने जाने लगेज्सोने के गहने गर्मी और चांदी के गहने ठंडी का असर शरीर में पैदा करते हैं. कमर के ऊपर के अंगों में सोने के गहने और कमर से नीचे के अंग में चांदी के आभूषण पहनने चाहिए. यह नियम शरीर में गर्मी और शीतलता का संतुलन बनाये रखता है।

चूड़ी पहनने के फायदे : चूड़ी कलाई की त्वचा से घर्षण करके हाथों में रक्त संचार बढाती है. यह घर्षण ऊर्जा भी पैदा करता है जोकि थकान को जल्दी हावी नहीं होने देता..कलाई में गहने पहनने से श्वास रोग, ह्दय रोग की सम्भावना घटती है. चूड़ी मानसिक संतुलन बनाने में सहायक है चटकी हुई या दरार पड़ी हुई चूड़ियाँ नहीं पहननी चाहिए. इससे नकारात्मक ऊर्जा बढती है.. लाल रंग और हरे रंग की चूड़ियाँ सबसे अच्छे असर वाली मानी जाती हैं।

बिछिया पहनने के फायदे : विवाहित महिलाएं पैरो में बीच की 3 उँगलियों में बिछिया पहनती है. यह गहना सिर्फ साज-श्रृंगार की वस्तु नही है.. दोनों पैरों में बिछिया पहनने से महिलाओं का हार्मोनल सिस्टम सही रूप से कार्य करता है, बिछिया पहनने से थाइराइड की संभावना कम हो जाती हैज बिछिया एक्यूप्रेशर उपचार पद्दति पर कार्य करती है जिससे शरीर के निचले अंगों के तंत्रिका तंत्र और मांसपेशियां सबल रहती हैंज बिछिया एक खास नस पर प्रेशर बनाती है जोकि गर्भाशय में समुचित रक्तसंचार प्रवहित करती है. इस प्रकार बिछिया औरतों की गर्भधारण क्षमता को स्वस्थ रखती हैज मछ्ली की आकार की बिछिया सबसे असरदार मानी जाती है. मछ्ली का आकार मतलब बीच में गोलाकार और आगे पीछे कुछ नोकदार सी।

पायल पहनने के फायदे : पायल पैरों से निकलने वाली शारीरिक विद्युत ऊर्जा को शरीर में संरक्षित रखती हैज्पायल महिलाओं के पेट और निचले अंगों में वसा (फैट) बढ़ने की गति को रोकती हैज्वास्तु के अनुसार पायल की छनक निगेटिव ऊर्जा को दूर करती हैज्चांदी की पायल पैरो से घर्षण करके पैरों की हड्डियाँ मजबूत बनाती हैं.. पैर में पायल पहनने से महिला की इच्छा-शक्ति मजबूत होती है.जिससे औरतें अपने स्वास्थ्य की चिंता किये बिना पूरी लगन से परिवार के भरण-पोषण में जुटी रहती हैं.. पैरों में हमेशा चांदी की पायल पहने. सोने की पायल शारीरिक गर्मी का संतुलन खराब करके रोग उत्पन्न कर सकती हैं।

अंगूठी पहनने के फायदे : अँगूठी ऊर्जा के विकास, मानसिक तनाव दूर करने, जननेन्द्रिय पर नियंत्रण पाने, कामवासना पर नियंत्रण रखने और पाचनतंत्र को मजबूत बनाने हेतु मिलावटरहित सोने की अँगूठी पहनी जाती है । विभिन्न धातुओं की अँगूठी का शरीर पर अलग- अलग प्रभाव पड़ता है, ऐसे ही अलग-अलग रत्नों (नगों) का भी अपना अलग-अलग प्रभाव होता है।

कर्ण-कुंडल पहनने के फायदे : कर्ण-कुंडल भारतीय संस्कृति कर्ण-छेदन का भी एक विशेष महत्त्व है । चिकित्सकों और भारतीय दर्शनशास्त्रियों का मानना है कि कर्णछेदन से बुद्धिशक्ति, विचारशक्ति और निर्णयशक्ति का विकास होता है । वाणी के व्यय से जीवनशक्ति का ह्रास होता है । कर्णछेदन से वाणी के संयम में सहायता मिलती है इससे उच्छृंखलता नियंत्रित होती है और कर्णनलिका दोषरहित बनती है । यह विचार पाश्चात्य जगत के लोगों को भी जँचा और वहाँ आज फैशन के रूप में कर्णछेदन कराकर कुंडल पहने जाते हैं ।

करधनी पहनने के फायदे : करधनी यह मूलाधार केन्द्र को जागृत करके किडनी और मूत्राशय की कार्यक्षमता को बढ़ाती है तथा कमर आदि के दर्दों में राहत देती है।

जल गंगा संवर्धन अभियानः ग्राम देवगड़ में बीएसडब्ल्यू व एमएसडब्ल्यू के विद्यार्थियों ने श्रमदान कर की बावड़ी की साफ-सफाई

छिन्दवाडा । प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मध्यप्रदेश शासन के द्वारा चलाया जा रहा जल गंगा संवर्धन अभियान जो की 30 मार्च से प्रारम्भ है और 30 जून तक चलेगा, इस जल गंगा संवर्धन अभियान को सफल बनाने के लिये म.प्र. जन अभियान परिषद सतत कार्य कर रहा है।

इसी कड़ी में कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह के निर्देशानुसार म.प्र. जन अभियान परिषद छिंदवा?ा के जिला समन्वयक श्री अखिलेश जैन व विकासखंड समन्वयक मोहखेड़ भवानी प्रसाद कुमरे के कुशल मार्गदर्शन में संचालित सीएमसीएलडीपी समाज कार्य के छात्रों द्वारा मोहखेड के सेक्टर-01 से श्रीमती आरती माटे के सहयोग से ग्राम देवगड़ में ÷जल गंगा संवर्धन अभियान÷ के अंतर्गत देवगड़ की एक वाव?ी की साफ-सफाई की गई एवं वावढ़ी पर जमीं हुई काई एवं अपशिष्ट कचरा हटाकर पानी को साफ किया गया। इस श्रमदान कार्य में बीसएसडब्ल्यू व एमएसडब्ल्यू के विद्यार्थी पंकज गाडरे व सागर पवार की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

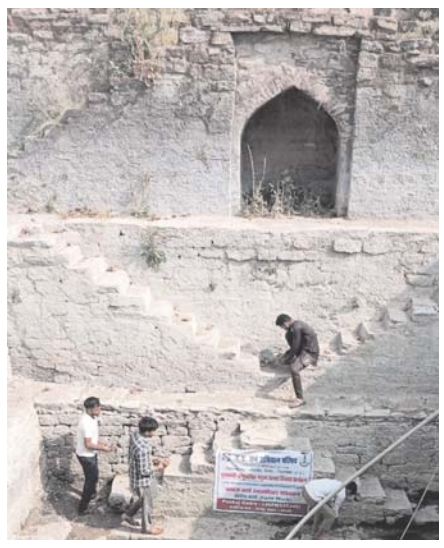

जल गंगा संवर्धन अभियानः आदर्श ग्राम रिंजीढाना में आयोजित हुई जल संगोष्ठी

छिन्दवाडा । प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव का मिशन जल गंगा संवर्धन महाअभियान के रूप में निरंतर 30 मार्च से 30 जून तक सभी विभागों के समन्वित प्रयासों से जल संरक्षण और संवर्धन के लिये पुरातन जल स्त्रोतों की सफाई और गहरीकरण तथा जल के सदुपयोग के लिए जन जागरूकता कार्यक्रम, जल संगोष्ठी, दीवार लेखन, जल शपथ तथा पौधारोपण आदि गतिविधियां अनवरत रूप से जारी है। इसी कड़ी में कलेक्टर श्री शीलेन्द्र सिंह के निर्देशानुसार म.प्र. जन अभियान परिषद छिंदवा?ा के जिला समन्वयक श्री अखिलेश जैन व विकासखंड समन्वयक भवानी प्रसाद कुमरे के कुशल मार्गदर्शन में सेक्टर क्रमांक-03 लावघोघरी के चयनित आदर्श ग्राम रिंजीढाना में हनुमान मंदिर में जल संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें ग्राम के सभी वरिष्ठ जनों द्वारा जल पीढ़ी संवाद के माध्यम से पानी के रखरखाव एवं उपयोग पर विस्तृत चर्चा की गई। चर्चा के दौरान नवांकुर संस्था प्रमुख श्री अनिल कुमार डेहरिया ने सभी लोगों से अपील की कि धरती का जल स्तर बढ़ाने के

लिये हमें व्यक्तिगत रूप से अपना योगदान देना होगा। हमें खेत का पानी खेत में और गांव का पानी गांव में रोकने के लिए छोटी-छोटी जल संरचनाएं बनाना होगा तथा सभी को एक पेड़ अवश्य ही लगाना चाहिए तथा अंत में सभी को जल के सदुपयोग करने तथा पानी बचाने के लिये शपथ भी दिलाई गई। इस अवसर पर नवांकुर संस्था प्रमुख श्री अनिल कुमार डेहरिया, अध्यक्ष श्री शंकरलाल कुमरे, सरपंच श्रीमती नीरू/रेमशाह कवरेती, सचिव श्री शेवराव फालके, सहायक सचिव श्री लेखराम आहके, पूर्व सरपंच श्री हीरेश राम कुमरे तथा ब?ी संख्या में ग्रामवासियों की उपस्थिति रही।

आपदा प्रबंधन की तैयारियों को परखने एक बड़े औद्योगिक परिसर में रासायनिक औद्योगिक आपदा पर मॉक अभ्यास संपन्न

छिन्दवाडा। आपदा की स्थिति में प्रशासन की तत्परता और समन्वय की क्षमता को परखने के उद्देश्य से छिंदवाड़ा सहित प्रदेश के 10 जिलों में आज एक महत्वपूर्ण मॉक अभ्यास का आयोजन किया गया। छिंदवाड़ा जिले में रासायनिक औद्योगिक आपदा पर आधारित यह अभ्यास राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए), राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एसडीएमए) तथा जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) के संयुक्त तत्वावधान में प्रातः 9÷40 बजे से 11.30 बजे तक जिले के एक बड़े औद्योगिक परिसर में आयोजित किया गया। इस दौरान इंसीडेंट कमांडर एडीएम श्री के.सी. बोपचे, पुलिस से ऑपरेशन सेक्शन चीफ, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती ज्योति ठाकुर, मॉक एक्सरसाइज के नोडल अधिकारी डिप्टी कलेक्टर श्री राहुल कुमार पटेल, डिप्टी इंसीडेंट कमांडर जिला होमगार्ड्स कमांडेंट श्री एस.आर.आज़मी सहित अन्य प्रशासनिक एवं विभिन्न विभागों में अधिकारी, कर्मचारी मौजूद थे।

औद्योगिक परिसर में निर्धारित फायर एण्ड एक्सप्लोजन मॉकड्रिल एक्सरसाईज का कथानक - जिला छिन्दवाड़ा के एक बड़े औद्योगिक परिसर में 7000 हजार लीटर क्षमता वाले विशाल डीजल टैंक की पाइप लाईन में लीकेज हुआ। फैक्ट्री में टैंक के पास वेल्डिंग का कार्य चल रहा था, वेल्डिंग की एक स्पार्क, लीकेज डीजल के पास गिर जाने से प्रातः लगभग 9.40 बजे आगजनी का हादसा हो गया। फैक्ट्री के अधिकारी द्वारा प्लांट में कार्यरत् कर्मियों तथा आस-पास के रहवासी क्षेत्रों को आग लगी होने की सूचना देने के लिये सायरन बजाना शुरू किया गया। सायरन की आवाज एवं फैक्ट्री के ऊपर आग की लपटों (काल्पनिक) एवं धुएँ को देखकर चारों तरफ अफरा-तफरी फैल गई और लोग बदहवास से भागने लगे।

आग लगने पर औद्योगिक परिसर की बचाव टीम तत्काल हरकत में आई और सर्वप्रथम फैक्ट्री की इलेक्ट्रिक सप्लाई बंद कर आग बुझाने का काम चालू किया। आग के भयावह व बड़े स्वरूप के होने के कारण फैक्ट्री के अधिकारियों ने यथाशीघ्र जिले के रिस्पांसिबल अधिकारी (जिला कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी) को इस आग की सूचना दी। साथ ही कंट्रोल रूम एवं राज्य आपदा प्रबंधन के टोल फ्री नंबर 1079 पर घटना के बारे में अवगत कराया। स्थानीय अन्य संसाधनों के उपलब्ध होने तक फैक्ट्री का बचाव दल आग बुझाने में जुटा रहा।

सूचना प्राप्त होते ही जिले के रिस्पांसिबल अधिकारी, इंसीडेंट कमाण्डर (अपर कलेक्टर), ऑपरेशन सेक्शन चीफ (पुलिस हेड), स्वास्थ्य विभाग, नगर निगम की टीम एवं अन्य प्रशासनिक अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुँच गये। तत्काल घटनास्थल के पास स्टेजिंग एरिया, इंसीडेंट कमाण्ड पोस्ट, इंसीडेंट कैंप, राहत कैंप, मेडिकल पोस्ट आदि तैयार कर स्थापित किया गया। रिस्पॉन्सिबल अधिकारी ने तत्काल एक डिप्टी कलेक्टर को नोडल अधिकारी नियुक्त कर रेस्क्यू कार्य के दौरान समस्त टीमों से उनके कार्यों की जानकारी एवं आवश्यकताओं की जानकारी प्राप्त कर रिस्पॉन्सिबल अधिकारी को प्रदान करने निर्देशित किया। तत्काल स्थानीय नगर निगम की फायर ब्रिगेड टीम अपने शमन उपकरणों के साथ आग बुझाने के लिये पहुँची और उनके कर्मियों के द्वारा फैक्ट्री के बचाव टीम के साथ आग बुझाने की कार्यवाही में सहयोग देना प्रारंभ कर दिया। मेसर्स-भंसाली इंजीनियरिंग, पॉलीमर्स लिमिटेड, सौंसर (जिला पांढुर्णा) के द्वारा प्रॉक्सिमिटी सूट उपलब्ध कराये गये। जिससे रेस्क्यूअर जलती आग के बीच में अंदर गये और थोड़ी देर बाद बाहर आकर बताया कि अंदर अभी और आग बुझाने की आवश्कता है एवं किसी बंद कमरे में मदद के लिये चिल्लाने की आवाज आ रही थी।

प्रयास करने पर भी उस कमरे का दरवाजा नहीं खोला जा सका।

सांसद ने कलेक्टर को फोन कर किसानों की मांगों का निराकरण करने के लिए कहा

सांसद ने खत्म कराया किसानों का धरना

छिन्दवाडा। पांढुर्णा जिले के मोहगांव जलाशय के पीड़ित किसान अपनी मूलभूत सुविधाओं की मांग को लेकर जल संसाधन कार्यालय के सामने धरने पर बैठ गए थे। जिसकी जानकारी मिलते ही सांसद बंटी विवेक साहू ने किसानों से मुलाकात करते हुए उनकी समस्याओं को जाना और तत्काल ही कलेक्टर अजय देव षर्मा को फोन कर किसानों की मांगो का षीघ्र निराकरण करने के लिये कहा, साथ ही किसानों को आष्वासन दिया कि वे जल्द ही भोपाल में मंत्री एवं अधिकारियों से मुलाकात कर उनकी मांगों का निरकरण कराईगे । वही किसानों द्वारा उनके गांव में मोक्षधाम की मांग की गई जिसका तत्काल ही निराकरण करते हुए अपनी सांसद निधि से 2 लाख की राशि मोक्षधाम निर्माण के लिये स्वीकृत की । सांसद द्वारा उनकी मांगों को सुनकर शीघ्र निराकरण का आश्वासन मिलने पर किसानों ने उनका धरना खत्म कर दिया ।

उल्लेखनीय है कि मेहगांव जलाशय के गांव नंदवानी, मुगनापार, सरकी खापा और जोबन डेरा के किसान अपनी मांगो को लेकर आए थे। इनमें से बहुत सारी समस्याओं का समाधान प्रशासन ने कर लिया है। किसानों ने बताया कि हमने अपनी मांगों के बिंदु सांसद के सामने रखे। उन्होंने समस्या को गंभीरता से लेते हुए तुरंत कलेक्टर से चर्चा की। कलेक्टर ने हमें बताया कि कुछ चीजें शासन स्तर पर होनी हैं, जैसे कि मुद्रांक शुल्क और हाई लेवल ब्रिज के लिए मंत्री से चर्चा करना प?ेगा। सांसद द्वारा उनकी मांगो को गम्भीरता पूर्वक लेने एवं मोक्षधाम के लिये तत्काल ही 2 लाख की सांसद निधि देने पर किसानों ने सांसद बंटी विवेक साहू का आभार व्यक्त किया है।

कमलनाथ व नहकुलनाथ ने कहा संतों के चरणों से पावन होती है धरा

छिन्दवाड़ा। जगद्‌गुरू शंकराचार्य स्वामी श्री सदानंद सरस्वती महाराज के नगर आगमन पर मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री माननीय कमलनाथ जी एवं जिले के पूर्व सांसद माननीय नकुलनाथ जी ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि महाराज श्री का स्वागत व अभिनंदन है। कमलनाथ ने आगे कहा कि महाराज श्री के आगमन से नगर और पुनीत हुआ। संतों के आगमन से धार्मिक वातावरण निर्मित होता है साथ ही लोगों के बीच धर्म के प्रति आस्था को मजबूत करता है। उन्होंने आगे कहा कि जगद्‌गुरू शंकराचार्य स्वामी श्री सदानंद सरस्वती जी महाराज के चरणों की रज से निश्चित ही छिन्दवा?ा संसदीय क्षेत्र पुष्पित व पल्लवित होगा। जिले के पूर्व सांसद नकुलनाथ ने अपने संदेश में कहा कि संतों के चरण जहां पड़े वह भूमि पवित्र हो जाती है। नगर में संतों के आगमन से धरा धन्य हो जाती है। जिस धरती का पुण्योदाय होता है वहीं संतों का समागम होता है। जगद्‌गुरू शंकराचार्य स्वामी श्री सदानंद सरस्वती जी महाराज हमारी आध्यात्मिक विरासत है। शंकराचार्य जी के सानिध्य सौभाग्य से प्राप्त होता है।

प्रेम, क्षमा और बलिदान का पर्व, दुनियाभर में कैसे मनाया जाता है गुड फ्राइडे

आज गुड फ्राइडे है। ये ईसाई धर्म का महत्वपूर्ण पर्व है जो प्रभु यीशु मसीह के क्रूस पर बलिदान को स्मरण करते हुए मनाया जाता है। ये दिन ईस्टर संडे से पहले वाले शुक्रवार को मनाया जाता है। गुड फ्राइडे को 'पवित्र शुक्रवार या 'महान शुक्रवार' भी कहा जाता है।

गुड फ्राइडे का उद्देश्य यीशु मसीह के बलिदान को याद करना है, जिन्हें ईसाई धर्म में मानवता के उद्धारकर्ता के रूप में माना जाता है। यह ईसाई कैलेंडर में सबसे शोकपूर्ण दिनों में से एक है क्योंकि इस दिन यीशु को क्रूस पर चढ़ाया गया था।

गुड फ्राइडे क्यों मनाया जाता है

गुड फ्राइडे वह दिन है जब ईसाई मान्यता के अनुसार यीशु मसीह को सूली पर चढ़ाया गया था। बाइबल के अनुसार, यीशु ने मानव जाति के पापों का प्रायश्चित करने के लिए अपने प्राण दिए। उन्हें यहूदी धार्मिक नेताओं द्वारा ईशनिंदा का दोषी ठहराया गया और रोमन साम्राज्य के शासक द्वारा क्रूस पर चढ़ा दिया गया।

इस बलिदान को ईसाई धर्म में उद्धार (salvation) की नींव माना जाता है। इसे 'गुड' इसलिए कहा जाता है क्योंकि इस दिन के माध्यम से मानवता को पापों से मुक्ति मिली और ईश्वर से दुबारा संबंध स्थापित की राह मिली। उनकी मृत्यु को ईसाई मान्यता में मानवता के पापों के प्रायश्चित के रूप में देखा जाता है। यह बलिदान ईसाई धर्म के मूल सिद्धांतों में से एक है जो सिखाता है कि यीशु ने

अपनी मृत्यु के माध्यम से मानवता को अनंत जीवन का मार्ग प्रदान किया। गुड फ्राइडे का महत्व इस विश्वास में निहित है कि यीशु की मृत्यु के बाद तीसरे दिन उनका पुनरुत्थान हुआ, जिसे ईस्टर संडे के रूप में मनाया जाता है।

दुनियाभर में कैसे मनाया जाता है गुड फ्राइडे

इस दिन वेटिकन सिटी पोप स्वयं गुड फ्राइडे की प्रार्थना और Way of the Cross का नेतृत्व करते हैं, जो विश्वभर के ईसाइयों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। गुड फ्राइडे को दुनिया भर में अलग-अलग तरीकों से मनाया जाता है, लेकिन इसका मूल भाव शोक, प्रार्थना और आत्मचिंतन में होता है। कुछ प्रमुख परंपराएं इस तरह हैं÷

चर्च में प्रार्थना और सेवा÷ईसाई चर्चों में विशेष प्रार्थना सभाएं और पूजा-अर्चना आयोजित की जाती हैं। कई चर्चों में ÷स्टेशन्स ऑफ द क्रॉस÷ (Stations of the Cross) का आयोजन होता है, जिसमें यीशु के क्रूस पर चढ़ने की यात्रा को चित्रों या मूर्तियों के माध्यम से दर्शाया जाता है। कुछ समुदायों में ÷थ्री आवर सर्विस÷ (Three Hour Service) होती है, जो दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक चलती है, क्योंकि बाइबिल के अनुसार यीशु इसी समय क्रूस पर थे।

उपवास और संयम÷कई ईसाई इस दिन उपवास रखते हैं, जो यीशु के बलिदान के प्रति सम्मान और आत्म-संयम का प्रतीक है। कुछ देशों में, जैसे फिलीपींस और मेक्सिको में कई लोग कठोर तपस्या करते हैं, जिसमें आत्म-प्रकटीकरण या प्रतीकात्मक रूप से क्रूस को ढोना शामिल हो सकता है।

जुलूस और नाट्य प्रदर्शन÷ कई स्थानों पर जैसे कि स्पेन, इटली और लैटिन अमेरिकी देशों में गुड फ्राइडे पर विशाल जुलूस निकाले जाते हैं। इनमें यीशु और माता मरियम की मूर्तियों को सजाकर ले जाया जाता है। कुछ स्थानों पर ÷पैशन प्ले÷ (Passion Play) का आयोजन होता है, जिसमें यीशु के जीवन, कष्ट और मृत्यु को नाटकीय रूप में प्रस्तुत किया जाता है।

शांति और मौन÷ कई देशों में गुड फ्राइडे पर सार्वजनिक अवकाश घोषित किया जाता है और लोग इस दिन पर शांतिपूर्ण तरीके से प्रार्थना और चिंतन में समय बिताते हैं। कुछ स्थानों पर, जैसे जर्मनी और आयरलैंड में इस दिन नृत्य या उत्सव जैसे आयोजनों पर प्रतिबंध होता है।

विश्व धरोहर दिवस पर हेरिटेज वॉक

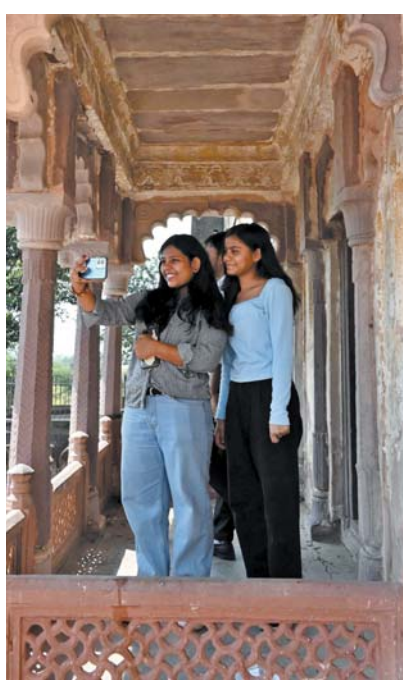

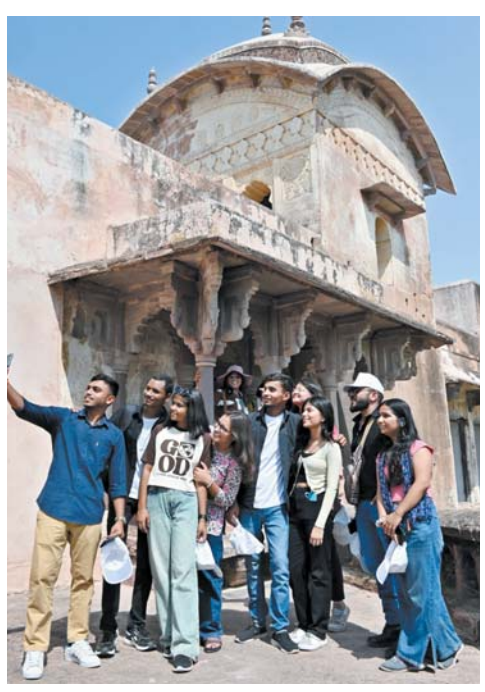

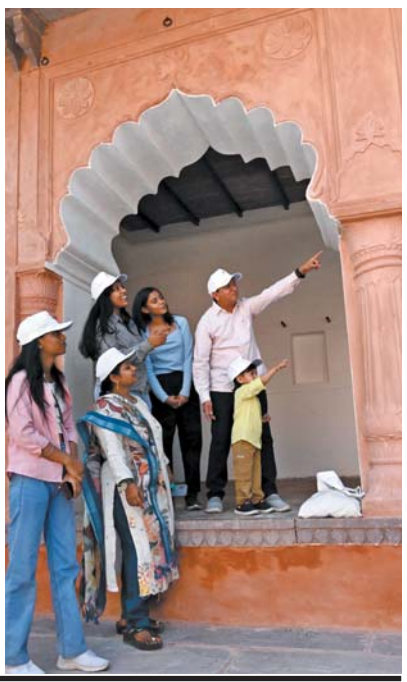

हर साल 18 अप्रैल को मनाया जाता है, जिससे हम अपनी कल्चरल हेरिटेज को रिजर्व करने का रेसोलुशन लेते हैं। अगर बात मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल की हो, तो यह शहर न केवल अपनी झीलों के लिए प्रसिद्ध है, बल्कि यह ऐतिहासिक धरोहरों का भी खजाना है। भोपाल की इमारतें केवल पत्थर और गारे से बनी दीवारें नहीं हैं, बल्कि ये हमें एक समृद्ध इतिहास और संस्कृति से जोड़ती हैं। विश्व धरोहर दिवस के उपलक्ष्य में पुरातत्व अभिलेखागार एवं संग्रहालय विभाग द्वारा प्रदेश के सभी संग्रहालयों/स्मारकों पर आज प्रवेश भी निःशुल्क रखा गया है।

कांग्रेस ने मंच टूटने के बाद बनाई गाइडलाइन, भाषण देकर नेता स्टेज पर नहीं कार्यकर्ताओं के बीच बैठेंगे

भोपाल। कांग्रेस ने कार्यक्रमों के लिए नई गाइड लाइन बनाई है, इसके अनुसार जिला स्तर के संगठन के ऐसे कार्यक्रम जिसमें बड़े नेताओं, प्रदेश अध्यक्ष, नेता प्रतिपक्ष, प्रदेश प्रभारी शामिल हों। उस कार्यक्रम में सिर्फ 12 बाय 12 फीट और 3 फीट ऊंचाई का मंच वक्ताओं के लिए बनाया जाएगा, जिसमें बोलने के लिए बीचों बीच डायस रखी जाएगी। इस मंच पर बैकड्रॉप में 16 बाय 16 फीट का होर्डिंग लगाया जाएगा। मंच पर कोई नेता नहीं बैठेगा। नाम बुलाने पर नेता डायस पर जाकर स्पीच देंगे और नीचे कार्यकर्ताओं के साथ बैठेंगे।

दरअसल भोपाल में पिछले महीने 10 मार्च को रंगमहल चौराहे पर किसान कांग्रेस द्वारा आयोजित विधानसभा घेराव के कार्यक्रम का मंच टूट गया था। इस घटना में कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष राजीव सिंह, महेन्द्र सिंह चौहान, महेन्द्र जोशी सहित आधा दर्जन नेता गंभीर घायल हो गए थे। घटना को कांग्रेस ने गंभीरता से लेते हुए अब प्रदेश स्तर से लेकर जिला और ब्लॉक लेवल पर होने वाले कार्यक्रमों की गाइड लाइन बनाई है। कांग्रेस ने सभी विधायकों, सांसदों, जिला अध्यक्षों, प्रदेश पदाधिकारियों, जिला प्रभारी, सह प्रभारी, संगठन मंत्रियों और ब्लॉक अध्यक्षों के साथ पूर्व सांसद, पूर्व विधायकों को पार्टी के कार्यक्रमों की मंच व्यवस्था, स्वागत, भाषण, वाहन व्यवस्था और बैकड्रॉप की गाइड लाइन भेजी है। जिला प्रभारियों और सह प्रभारियों पर इसे पालन कराने की जिम्मेदारी दी गई है।

दिल्ली से मंजूरी मिली, भोपाल में 19 तक सुझाव मांगे- एमपी कांग्रेस ने कार्यक्रमों को लेकर जो गाइडलाइन बनाई है, उसकी दिल्ली में ऑल इंडिया कांग्रेस कमीटी (एआईसीसी) से सैद्धांतिक सहमति मिल गई है। प्रदेश स्तर पर 20 अप्रैल को होने वाली बैठक में सहमति के बाद इसे जारी कर दिया जाएगा। प्रदेश के जिन नेताओं पदाधिकारियों को यह गाइडलाइन भेजी गई है, उनसे यह कहा गया है कि यदि कोई सुझाव हो तो 19 अप्रैल तक भेज दें ताकि जरूरी सुझावों को शामिल करते हुए इसे फाइनल मंजूरी मिल सके।

भांजी की शादी में भोपाल से छिंदवाड़ा जा रहे युवक की सारणी में डूबने से मौत

भोपाल। भोपाल के बैरागढ़ में ट्रेवल एजेंसी चलाने वाले संजय इवनाती की गुरुवार को डूबने से मौत हो गई। वो बैतूल के सारणी में तवा नदी के राजडोह घाट पर नहाते हुए डूब गया। इस दौरान मां ने उसकी जान बचाने के लिए चीख पुकार की पर कोई आ न सका और संजय डूब गया। संजय इवनाती (29) है। भोपाल में मंत्रालय के कर्मचारी अरुण इनवाती का बेटा था। वह घर का इकलौता बेटा था। दरअसल संजय अपनी मां पार्वती बाई (55) के साथ कार से भोपाल से छिंदवाड़ा जा रहा था। यहां 18 अप्रैल को उसकी भांजी की शादी होने वाली थी।

सारणी थाना प्रभारी जयपाल ने बताया कि संजय कार से अपनी मां को लेकर जा रहा था। तभी तवा नदी के राजडोह घाट पर पहुंचने पर उसने कार रोकी। मां से कहा कि वह नहाकर आ रहा है। मां कार में बैठी एक घंटे तक बेटे का इंतजार करती रहीं।

रीजनल इंडस्ट्री कॉनक्लेव से विंध्य क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के खुले हैं द्वार: उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल से आचार्य श्री बालकृष्ण ने की सौजन्य भेंट

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि हाल ही में आयोजित रीजनल इंडस्ट्री कॉनक्लेव, रीवा के माध्यम से विंध्य क्षेत्र में निवेश के नए और अपार अवसर खुले हैं। जो विंध्य के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेंगे। पतंजलि समूह जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों की भागीदारी से इस क्षेत्र में औद्योगिक क्रांति की मजबूत आधारशिला रखी जा सकती है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल से अमहिया, रीवा स्थित निज निवास पर पतंजलि योगपीठ के संस्थापक सचिव आचार्य श्री बालकृष्ण ने सौजन्य भेंट की।

इस अवसर पर पतंजलि संस्थान द्वारा विंध्य क्षेत्र में किए जा रहे निवेश एवं संभावित औद्योगिक परियोजनाओं को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। क्षेत्रीय विकास, स्थानीय संसाधनों के समुचित उपयोग तथा युवाओं को रोजगार से जोड़ने के विषयों पर गहन विचार-विमर्श किया गया। क्षेत्र की औद्योगिक क्षमता, प्राकृतिक संसाधनों और जनभागीदारी के माध्यम से आत्मनिर्भर विंध्य के निर्माण की दिशा में सार्थक चर्चा हुई।

आज 44 डिग्री पार जा सकता है प्रदेश का तापमान, मध्य बीस जिलों का पारा 40 डिग्री पार पहुंचा

भोपाल। मध्य प्रदेश में गर्मी के तेवर तीखे हो गए हैं। गुरुवार को सबसे अधिक 43.6 डिग्री सेल्सियस तापमान नर्मदापुरम में दर्ज किया गया। नर्मदापुरम गुरुवार को देश के सबसे गर्म शहरों में 10वें नंबर पर रहा। 20 शहरों में अधिकतम तापमान 40 से 43.6 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। रतलाम में लू का प्रभाव रहा। मौसम विभाग का कहना है कि गुजरात एवं राजस्थान में तपिश काफी बढ़ गई है। वहां से आ रही गर्म हवाओं के कारण मध्य प्रदेश में भी गर्मी बढ़ गई है। आज शुक्रवार को तापमान में और बढ़ोतरी होने की संभावना है। गुरुवार को नर्मदापुरम सबसे गर्म रहा। यहां अधिकतम तापमान 43.6 डिग्री दर्ज किया गया। रतलाम में 43.2 डिग्री रहा। गुना में 42.4 डिग्री, शाजापुर में 42.1 डिग्री, नरसिंहपुर-धार में 42 डिग्री, टीकमगढ़ में 41.5 डिग्री, सागर में 41.4 डिग्री, नौगांव, खजुराहो-मंडला में 41 डिग्री दर्ज किया गया। इसी तरह खरगोन में 40.6 डिग्री, खंडवा-दमोह में 40.5 डिग्री, रायसेन में 40.4 डिग्री और शिवपुरी में 40 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बड़े शहरों की बात करें तो ग्वालियर सबसे गर्म रहा। यहां दिन का पारा 42 डिग्री रहा। भोपाल में 41.1 डिग्री, इंदौर में 40.4 डिग्री, उज्जैन में 41.5 डिग्री और जबलपुर में 39.6 डिग्री रहा।

दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक जरूरत पर ही बाहर निकलें- मध्य प्रदेश में सूरज की तपिश तेज हो गई है। इससे गर्मी का असर भी बढ़ा है। भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, उज्जैन समेत प्रदेश के 20 शहरों में दिन का तापमान 40 डिग्री के पार पहुंच गया। इस गर्मी के सीजन में पहली बार इतने शहर तपे हैं। कई शहरों में तो पारा 3 डिग्री या इससे ज्यादा बढ़ गया। गर्मी का असर बढ़ते ही मौसम विभाग ने लोगों को दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक जरूरत पड़ने पर ही घरों से बाहर निकलने की सलाह दी है। इन्हीं 4 घंटों के दौरान धूप तेज होती है और गर्म हवाएं चलती हैं। वहीं, खाना-पान और सूती कपड़े पहनने की सलाह भी दी गई है।

अप्रैल में मौसम के मिजाज बदलते रहेंगे- तीसरे सप्ताह में उत्तर-पश्चिमी हवा के जोर पकड़ने के साथ इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, चंबल, सागर, रीवा, नर्मदापुरम संभागों में न्यूनतम तापमान 25 से 27 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा। पूरे प्रदेश में दिन में अधिकतम तापमान 42 से 44 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। 2 से 3 दिन लू चल सकती है। हल्की बारिश होने की संभावना है। जबकि चौथा सप्ताह मे उत्तर-पश्चिमी हवाओं के लगातार जोर पकड़ने के साथ न्यूनतम तापमान पूरे प्रदेश में सामान्य से 3-4 डिग्री अधिक यानि 27 से 30 डिग्री सेल्सियस तक रहेगा। दिन के साथ रातें भी गर्म हो जाएंगी। ग्वालियर, चंबल, सागर और रीवा संभाग में पारा 43-45 डिग्री जबकि इंदौर, उज्जैन-भोपाल सहित बाकी प्रदेश में 41 से 44 डिग्री सेल्सियस तापमान रह सकता है। बंगाल क्षेत्र में साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम की वजह से अप्रैल के आखिरी में 3 से 4 दिन तक लू का असर रह सकता है।

फोटो: जगदीश कौशल

इंदौर के खजराना मंदिर में अब श्रद्धालु रुक सकेंगे, परिसर में बने 21 रुम और डॉरमेट्री

भोपाल। इंदौर के प्रसिद्ध खजराना मंदिर में अब श्रद्धालु रुक भी सकेंगे। मंदिर परिसर में भक्तों के रहने के लिए 21 रूम और 9 डॉरमेट्री तैयार की गई है। इस भवन में 72 व्यक्ति रुक सकेंगे । तीन साल से इसका निर्माण किया जा रहा था। श्रद्धालु के द्वारा ही इसे तैयार किया गया है। इस भवन का नामकरण सुठीबाई छावछरिया भक्त सदन रखा गया है। फिलहाल कक्षों को मंदिर परिसर में आकर भी बुक कराया जा सकता है। भविष्य में आनलाइन बुकिंग सुविधा भी रहेगी। महाराष्ट्र और गुजरात के कई मंदिरों में श्रद्धालु के रुकने के लिए श्रद्धालु सदन या निवास बनाए जाते है। जहां कम दामों में श्रद्धालु रूक कर मंदिर दर्शन कर सकते है। अब तक इंदौर के किसी मंदिर में इस तरह की व्यवस्था नहीं थी, जबकि इंदौर के खजराना मंदिर में मध्य प्रदेश के अलावा दूसरे शहरों के भक्त भी दर्शन के लिए आते है। इस मंदिर में भी श्रद्धालु के रुकने के इंतजाम नहीं थे।

आठ साल पहले नगर निगम ने रैन बसेरा बनाया था- आठ साल पहले मंदिर में नगर निगम ने रैन बसेरा बनाया था, लेकिन उसमें गरीब वर्ग के परिवार ज्यादा रुकते थे। मध्यम वर्ग के परिवारों के लिए कोई व्यवस्था वहां नहीं थी। खजराना मंदिर के पुजारी अशोक भट्ट ने बताया कि अब भक्त सदन में रुकने की व्यवस्था भी मंदिर समिति कर रही है। कक्षों में पंखे और कूलर की व्यवस्था भी की गई है।

श्रद्धालु प्रवचन हॉल भी बुक करा सकते हैं - इसके अलावा श्रद्धालु प्रवचन हॉल भी बुक करा सकते हैं और मंदिर परिसर में धार्मिक आयोजन कराए जा सकते हैं। प्रवचन हॉल में एक हजार लोगों के बैठने की व्यवस्था है। यह हॉल स्कूलों के आयोजनों के लिए भी दिया जा सकेगा। आपको बता दे कि इंदौर के खजराना मंदिर परिसर में स्वास्थ्य जांचों की सुविधा भी मिलती है। इसके अलावा अन्न क्षेत्र का संचालन भी किया जाता है। मंदिर में चढ़ने वाले हार-फूलों से जैविक खाद भी तैयार होती है और भक्त उसे खरीद कर ले जाते है।